फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 309 प्रभात जयपुर, बुधवार 11 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

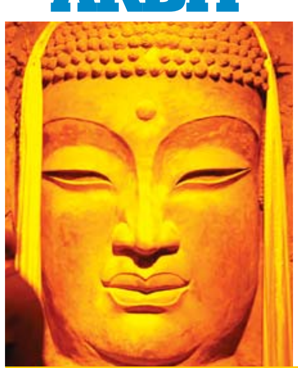

**Dharmakshema Made Buddhism Accessible To Chinese**

Dharmakshema translated Mahaparinirvana Sutra, Suvarnaprabhasa Sutra and the Bodhisattva Bhumi, the first Chinese version of the Lankavatara Sutra

**Men Got A Wardrobe**

Apparel for men has always been limited and there was no room for experimentation! Wrong!

# प्रियंका गांधी कहाँ हैं आजकल?

## पिछले कुछ महीनों से इतनी शांति और चुप्पी क्यों है उनकी तरफ से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। पिछले कुछ महीनों से प्रियंका गांधी की ओर से अजीब सी चुप्पी क्यों छाई हुई है, वे एक तरह से एकांतवास में है और संपर्क से दूर हैं।

यह सवाल पार्टी के कोने-कोने में कांग्रेसियों को परेशान कर रहा है

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी ने कम से कम बिहार चुनावों तक शांत रहने का फैसला किया है और उसके बाद ही अपनी अगली चाल का खुलासा करेंगी।

कुछ लोग मानते हैं कि प्रियंका, राहुल गांधी के करीबी एक वरिष्ठ नेता को अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की ईडी संबंधी कानूनी परेशानियों के लिए जिम्मेदार मानती हैं, क्योंकि रॉबर्ट वाड्रा को विभिन्न भूमि सौदों और अन्य मामलों में पूछताछ के लिए बार-बार बुलाया जा रहा है।

प्रियंका को लगता है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर के तत्वों द्वारा उन्हें नियंत्रण में रखने और जमीन पर बांधे रखने की साजिश रची गई है।

- **उनके नज़दीक के लोगों का कहना है, बिहार के चुनाव तक ऐसा रूप धारण करने का निर्णय लिया है, उन्होंने।**
- **प्रियंका गांधी की शिकायत है कि राहुल के निकटस्थ सलाहकार (उनका इशारा शायद के.सी. वेणुगोपाल की ओर है) की वजह से ईडी बार-बार उनके पति रॉबर्ट वाड्रा को बुला रही है, पूछताछ के लिए।**
- **उनके नज़दीकी ग्रुप का यह भी मानना है कि यह एक साजिश है कि दो साल से वे एआईसीसी में महासचिव नियुक्त हैं, पर, बिना किसी जिम्मेवारी के, यानि बिना पोर्टफोलियो के।**
- **चुनाव के समय उन्हें प्रचार के लिए बुला लिया जाता है। पर, हर महत्वपूर्ण अवसर पर पार्टी उन्हें भूल जाती है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में आयोजित पार्टी के अधिवेशन में उन्हें नहीं बुलाया गया।**
- **इन हालात में कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके खेमे वाले लोग भी अब उनका साथ छोड़कर अन्यत्र ठौर ढूंढ़ने लगे है।**

कुछ नेताओं का मानना है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता प्रियंका और रॉबर्ट के खिलाफ, राहुल गांधी की सहमति के बिना काम नहीं कर सकते थे, जबकि अन्य का तर्क है कि राहुल अपनी बहन प्रियंका से बहुत प्यार करते हैं। भाई-बहन के बीच प्यार के बावजूद, यह भी एक तथ्य है कि प्रियंका लगभग दो साल से बिना पोर्टफोलियो के एआईसीसी महासचिव रही हैं और उनके अनुसार, यह एक बड़ी साजिश है।

चुनावों के दौरान उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार किया है, लेकिन उनकी सक्रियता यहीं तक सीमित रही है। उन्होंने अहमदाबाद में सत्र में भाग नहीं लिया, जहाँ सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इससे कार्यकर्ताओं की भौंहें तन गईं थी और कई सवाल उठे जिनके जवाब नहीं मिले।

उनके कई वफादारों और कैम्प वालों ने पाला बदल लिया है और प्रियंका के साथ अपना भाग्य जोड़ने के बजाय, अस्तित्व बनाए रखने और ऊपर की ओर बढ़ने का रास्ता चुना है। यह इंगित करता है कि पार्टी में हवा किस दिशा में बह रही है।

कांग्रेस में यह भी अटकलें हैं कि उनके द्वारा नियुक्त किए गए कुछ सचिवों व अन्य पदाधिकारियों को अगले एआईसीसी फेरबदल में बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि राहुल खेमे और उनके वफादारों में असुरक्षा की भावना है कि एक सक्रिय और प्रो-एक्टिव प्रियंका उनमें से कई

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## साहू आरपीएससी अध्यक्ष, मेहरड़ा कार्यवाहक डीजीपी बने

जयपुर 10 जून। राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू (यू. आर.साहू) को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद का अतिरिक्त चार्ज सौंपा है। चूंकि 30 जून 2025 को मेहरड़ा भी रिटायर हो रहे हैं, इसलिए फिलहाल उन्हें यह

- **नये पुलिस महानिदेशक के लिए राज्य सरकार ने केन्द्र को पैनल भेजा है। मंजूरी आने के बाद नए मुखिया का नाम तय होगा।**

जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों नियुक्तियों के साथ ही, अब प्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक बनाने की कवायद भी तेज हो गई है। चर्चाएं हैं कि राजस्थान सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर एक पैनल केन्द्र सरकार को भेजा है, और केन्द्र की मंजूरी के बाद राजस्थान पुलिस के नए मुखिया का नाम तय हो सकेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को आदेश जारी कर राजस्थान

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# जयपुर के 11 युवक बनास नदी में डूबे, 8 की मौत, 3 को बचाया

## सभी युवक पिकनिक मनाने आए थे

टोंक, 10 जून। पुरानी पुलिया के पास बनास नदी में डूबने से 8 लोगों की मौत हो गई। घूमने आये 11 युवकों में से तीन युवकों को बचा लिया गया है। मरने वाले सभी लोग जयपुर के रहने वाले थे, जो पिकनिक मनाने आये थे।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हादसा मंगलवार दोपहर सदर थाना क्षेत्र के कच्चा बांध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ, जिसमें 11 युवक नदी में डूबे थे, हादसे में 8 की मौत हो गई और तीन को स्थानीय लोगों ने बचा लिया है। ये सभी दोस्त पिकनिक मनाने जयपुर से टौंक, बनास नदी पर आये थे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि कुछ युवक नहाने के लिए नदी में उतरे थे और डूबने लगे, इन्हें बचाने के लिए बाकी दोस्त भी नदी में उतर गए और हादसे का शिकार हो गए। सभी की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। युवकों के शवों को सआदत हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे में नौशाद उम्र 35 साल, कासिम, फरहान निवासी हसनपुरा व रिजवान उम्र 26 साल, निवासी घाटगेट, नवाब खान उम्र 28 साल, निवासी पानीपेच कच्ची बस्ती, बल्लू, साजिद, नावेद उम्र 30 साल निवासी रामगंज बाजार, जयपुर की डूबने से मौके पर मौत हो गई। शाहरुख, सलमान व समीर को वहां मौजूद ग्रामीणों ने बचा लिया।

- **हादसा कच्चा बाँध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ।**
- **बताया जाता है, इनमें से कुछ युवक नदी में नहाने उतरे और डूबने लगे तो उनके साथी उन्हें बचाने कूदे, वे भी डूबने लगे। इनमें से तीन को बचा लिया गया, बाकी 8 की मौत हो गई।**
- **सभी युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। शवों को टोंक के सआदत अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।**

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी ट्वीट करके हादसे पर दुख जताया है। साथ ही, जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी व टोंक विधायक सचिन पायलट, सांसद हरीश मीणा तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने भी इस दुखभरी घटना पर संवेदना जाहिर की है। इसी प्रकार, प्रदेश के ऊर्जा एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

# राजेश पायलट की "पुष्पांजलि सभा" में कांग्रेस के कई दिग्गज शामिल होंगे

## पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सभा स्थल पर छाया व पानी की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया

दौसा, 10 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट स्मारक भंडाना व जीरोता में राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर पुष्पाजंलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस के कई दिग्गजों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है।

आयोजन स्थल पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट के निर्देशन में सांसद मुरारी लाल मीना, विधायक दीन दयान बैरवा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छाया व पानी की व्यवस्था के साथ ही वीआईपी शामियाना लगा दिया गया है।

साथ ही, सचिन पायलट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पुष्पाजंलि सभा के लिए निमंत्रण देना चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने स्वयं सभा स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं को देखा।

सचिन पायलट

- **पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट दौसा से 5 बार सांसद निर्वाचित हुए थे। एक सड़क दुर्घटना में 11 जून 2000को उनका निधन हुआ था।**

उल्लेखनीय है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं किसान नेता राजेश पायलट का 11 जून 2000 को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। राजेश पायलट दौसा लोकसभा से पांच बार सांसद निर्वाचित हुये थे और केन्द्र में सड़क परिवहन, दूरसंचार, गृह सहित, अनेक विभागों के काबीना मंत्री भी रहे थे। स्व. राजेश पायलट भारत सरकार में मंत्री रहने के साथ ही, पूर्व में भारतीय वायु सेना में अधिकारी के पद पर भी रह चुके थे। बताया जाता है कि राजेश पायलट का मूल नाम राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी था, लेकिन 1980 में भरतपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ते समय उन्होंने अपना उपनाम बदल लिया तथा राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी से राजेश पायलट के नाम से पहचाने जाने लगे।

गहलोत के निमंत्रण को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सचिन

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## नाबालिग को ब्लैकमेल कर शोषण करने वाले को 20 साल की कैद

जयपुर, 10 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम-1, महानगर, द्वितीय ने 17.5 साल की नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त दीपक बारी को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में

- **अभियुक्त ने पीड़िता के अश्लील वीडियो बनाए और धमकी देकर दुष्कर्म किया।**

कहा कि वर्तमान में ऐसी घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। यदि अदालत की ओर से ऐसे अपराधियों के प्रति नरमी का रुख बरता गया तो उनके हौंसले बुलंद होंगे।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 3 दिसंबर 2020 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि 17

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'प्रधानमंत्री ने 11 वर्ष में राजस्थान को केन्द्रीय योजनाओं में 2 लाख 11 हजार करोड़ रू. दिये'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति बन रहा है

जयपुर, 10 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। सन् 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया, पर, यात्रा यहाँ समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।**

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

*केन्द्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।*

## कांग्रेस नेता के पूर्व पीए को जासूसी केस में जेल भेजा

जयपुर, 10 जून। शहर की निचली अदालत ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता के पूर्व पीए और सरकारी कर्मचारी शकूर खान को न्यायिक अभिरक्षा में 21 जून तक जेल भेज दिया है।

विशेष थाना पुलिस की ओर से आरोपी को महानगर प्रथम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। पीठासीन अधिकारी के

- **शकूर खान पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने तथा बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान जाने का आरोप है।**

अवकाश पर होने के चलते, मामले की सुनवाई लिंक कोर्ट के जज हरिमोहन मीणा ने की। विशेष थाना पुलिस ने आरोपी को पीठासीन अधिकारी के समक्ष पेश कर कहा कि प्रकरण में फिलहाल आरोपी से पूछताछ पूरी हो गई है। ऐसे में उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया जाए।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# इंडियन एयरफोर्स पाक वायु सेना से बहुत बेहतर है पर चीन यह समीकरण बदल सकता है

## इंडियन एयरफोर्स विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है, और पाकिस्तान से दोगुनी है

-जाल खंताबा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। भारतीय वायुसेना (इण्डियन एयर फोर्स) वास्तव में दुनिया की सबसे सक्षम और सम्मानित वायु सेनाओं में से एक मानी जाती है। आइए देखें कि ऐसा क्यों है, और इण्डियन एयर फोर्स किन किन चुनौतियों का सामना कर रही है।

कर्मियों और विमानों की संख्या के लिहाज से यह विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है। इसमें 1700 विमान हैं, जिनमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और यूएवी अर्थात मानव रहित विमान शामिल हैं। इसके पास पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी विमान संख्या और जनशक्ति है, लेकिन अगर चीन शामिल होता है तो खतरा बढ़ जाता है।

भारतीय वायु सेना शक्तिशाली लड़ाकू विमानों का संचालन करती है, जैसे सुखोई एसयू-30एमकेआई, जो भारतीय बेड़े की रीढ़ है, राफेल, यह उच्च श्रेणी का 4-5 पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर विमान है। मिराज 2000, मिग-29 और स्वदेशी तेजस। हमारी वायु सेना की रणनीतिक क्षमता अद्वितीय है। यह गहराई तक हमले करने में सक्षम है और इसके पास परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता वाले विमान हैं। जहाँ तक प्रशिक्षण की बात है, हमारे पास अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हैं। वायु सेना अमेरिका, फ्रांस, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसी वायु सेनाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय अभ्यासों में भागीदारी करती है।

भारतीय वायु सेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। तेजस, भारत का स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान, आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान वायु सेना से कमज़ोर मानना वस्तुनिष्ठ तथ्यों के आधार पर सही नहीं है। भारतीय वायु सेना के पास 1700 विमान व 1.40 लाख कर्मी है। वहीं, पाकिस्तान की वायु सेना के पास 800 विमान व 70,000 कर्मी है। भारतीय वायु सेना की क्षमता पाकिस्तान की वायु सेना से दोगुनी है।

- **भारत के पास 1700 आधुनिक लड़ाकू विमान और 1.40 लाख कर्मी हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 800 लड़ाकू विमान और 70,000 कर्मी हैं।**
- **भारत में सेना के आधुनिकीकरण में कई नौकरशाही और राजनीति संबंधी चुनौतियां हैं, जिनके कारण वायु सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया धीमी है।**
- **इसके अलावा चीन, पाकिस्तान को आधुनिकतम हथियारों व लड़ाकू विमानों की निरंतर सप्लाई कर रहा है। अगर भारत ने आधुनिकीकरण प्रक्रिया तीव्र नहीं की तो भारत प्राप्त बढ़त कम हो सकती है।**

जहाँ तक लड़ाकू विमान का प्रश्न है, भारत के मुख्य लड़ाकू विमान से सु-30 एमकेएल, राफेल, मिराज 2000, तेजस, मिग-29, जेएफ-17 (ब्लॉक्ड सर्वाधिक उन्नत), एफ-16, मिराज थर्ड/फिफ्थ। भारतीय वायु सेना के सु 30एमकेएल और राफेल विमान जेएफ-17 व पुराने एफ-16 की तुलना में श्रेष्ठ हैं।

पाकिस्तान के पास एफ-16 सक्षम हैं, लेकिन उनकी संख्या सीमित है, उसके पास ऐसे 75 विमान है। 3, फोर्स मल्टीप्लायर अर्थात एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) में भारत के पास फाल्कन (इज़रायली), नेत्रा (स्वदेशी) हैं, तो पाकिस्तान के पास साब 2000 एईडब्ल्यू एण्ड सी तथा चीन में बने जैडडीके-03 हैं। इस हिसाब से भारत के पास बेहतर रडार कवरेज और रेंज है। हवा में ईंधन भरने के लिए भारत के पास आईएल-78 एमकेएल बेड़ा है और पाकिस्तान के पास टैंकर विमान बहुत कम हैं।

जहाँ तक चुनौतियों की बात है, भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने हो चुके विमान हैं। कई विमान (जैसे मिग-21) अब पुराने हो चुके हैं और इन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। इन पुराने विमानों से कभी-कभी दुर्घटनाएं हो जाती है तथा इनमें रखरखाव की समस्याएं होती रहती हैं। दूसरी चुनौती है, स्क्वॉड्रन, भारतीय वायु सेना 42 स्क्वॉड्रन चाहती है। वर्तमान में लगभग 30-32 स्क्वॉड्रन परिचालन में हैं, इस कमी से दीर्घकालिक संचालन योग्यता पर असर पड़ता है। तीसरी चुनौती है, खरीद प्रक्रिया में देरी होना। नौकरशाही की बाधाओं ने आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। नए विमानों का समावेश अक्सर योजनाबद्ध समय से अधिक समय लेता है।

इसके अलावा, आधुनिकीकरण के लिए आयात पर निर्भरता बड़ी चुनौती है, "मेक इन इंडिया" जैसे प्रयासों के बावजूद, वायु सेना अब भी उन्नत प्लेटफार्म और तकनीक के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर काफी निर्भर है।

भारतीय वायु सेना आधुनिक हो रही है और भारत की रक्षा और रणनीतिक प्रतिरोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लेकिन किसी भी सैन्य बल की तरह इसमें भी सुधार की गुंजाइश है, विशेष रूप से बेड़े के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता में।

जहाँ पाक वायु सेना की बात है, वह पेशेवर, फुर्तीली और रणनीतिक रूप से सजग है, वहीं, आईएएफ के पास निम्न क्षेत्रों में स्पष्ट बढ़त है, जैसे, बेड़े का आकार और विविधता, उन्नत विमान (विशेषकर एसयू-30एमसेआई और राफेल) स्वदेशी उत्पादन और सहायता

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## एनसीपी का विलय नहीं हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,10 जून। आज, 10 जून को, विलय के बजाय, शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के दोनों गुटों ने पुणे में पूरी तरह से अलग-अलग स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिला कि कोई विलय नहीं हुआ है।

शरद पवार का गुट शिवाजीनगर के बालगंधर्व रंगमंदिर में एकत्रित हुआ,

- **स्थापना दिवस पर शरद पवार और अजित ने पुणे में पृथक-पृथक कार्यक्रम आयोजित किए।**

जहाँ झंडा फहराया गया और उन्होंने तथा सुप्रिया सुले ने एक रैली को संबोधित किया। इस बीच, अजित पवार के गुट ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपनी अलग रैली आयोजित की - जिसमें झंडा फहराना, भाषण और महायुति गठबंधन के साथ शक्ति प्रदर्शन भी शामिल था।

दोनों पक्षों ने किसी भी विलय योजना या चर्चा से स्पष्ट रूप से इनकार किया। शरद पवार के गुट ने आगामी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

उत्साह मनुष्य की भाग्यशीलता का पैमाना है। -तिरुवल्लुवर

# देश की कुल जीडीपी और प्रति व्यक्ति जीडीपी में फर्क

कहा जा रहा है कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान लगभग हासिल कर लिया है। यह इस आधार पर बताया जा रहा है कि 2025 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.187 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि जापान का जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर है। यह जानकारी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अप्रैल 2025 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट में दी गई है। इसी के आधार पर अर्थशास्त्री आगे की संभावनाओं का हिसाब लगाने में जुट गये हैं। उनका अनुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था जिस गति से बढ़ रही है, उससे हमारा देश 2028 तक जर्मनी को पछाड़ कर अमरीका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारत, जो कभी एक विकासशील देश के रूप में जाना जाता था और जिसकी करीब दो प्रतिशत विकास वाली अर्थव्ययवस्था की धीमी दर को हिन्दू ग्रोथ रेट कह कर मजाक उड़ाया जाता था, वह आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। पिछले दस वर्षों में भारत ने जिस रफ्तार से आर्थिक उन्नति करते हुए अपनी जीडीपी को दुगना कर लिया है, वह न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की साख को मजबूती देने वाला है। इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कुछ लोग इसे केंद्र सरकार की नीतियों- जैसे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर विशेष ज़ोर का परिणाम मानते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ आलोचक इस विकास को सतही मानते हैं। उनका तर्क है कि जब तक हर नागरिक को रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलतीं, तब तक भारत विकसित देशों के बराबर नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि हैं कि भले ही कुल जीडीपी के मामले में भारत ने दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था का स्तर पा लिया है, किन्तु प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में वह बहुत नीचे 143वें स्थान पर है। देश की जीडीपी और प्रतिव्यक्ति जीडीपी दोनों आर्थिक सूचकांक हैं, लेकिन इन दोनों का मतलब और उद्देश्य अलग-अलग होता है। इनके बीच अंतर क्यों होता है, इसे समझना चाहिए। जीडीपी और प्रति व्यक्ति जीडीपी के बीच मुख्य अंतर यह है कि जीडीपी किसी देश द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य है, जबकि प्रति व्यक्ति जीडीपी देश के प्रति व्यक्ति आर्थिक उत्पादन का एक माप है। इसका अर्थ यह हुआ कि किसी देश की आबादी का कितना हिस्सा आर्थिक उत्पादन में लगा है, यह उसका भी माप होता है। उदाहरण के लिए भारत की जीडीपी अगर 300 लाख करोड़ रुपये है, तो यह देश की कुल कमाई है। जीडीपी को देश की कुल जनसंख्या से विभाजित कर दिया जाए, तो जो आंकड़ा आता है वह प्रतिव्यक्ति जीडीपी कहलाता है। यह दर्शाता है कि एक औसत व्यक्ति पर कितनी आय बनती है। इससे अर्थशास्त्री तथा नीति निर्माता जीवन स्तर और आर्थिक समृद्धि को मापते हैं। इससे एक चीज स्पष्ट है कि यदि किसी देश की जनसंख्या बहुत ज्यादा है, तो चाहे जीडीपी अधिक हो, प्रतिव्यक्ति जीडीपी कम हो सकती है। जैसे भारत की कुल जीडीपी बहुत बड़ी हो जाने पर भी यहां जनसंख्या ज़्यादा होने से प्रति व्यक्ति औसत कम रह जाता है। उदाहरण से समझें। अमेरिका की जीडीपी भारत से बड़ी है और जनसंख्या कम है, इसलिए उसकी प्रतिव्यक्ति जीडीपी भी बहुत ज्यादा है। अधिक विकसित देशों और छोटे, अमीर देशों में प्रति व्यक्ति जीडीपी अधिक होती है। भारत जैसे उच्च जीडीपी लेकिन अधिक आबादी वाले देश में स्वाभाविक रूप से प्रति व्यक्ति जीडीपी मूल्य कम दिखेगी। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मोनाको, लिकटेंस्टीन, लक्जमबर्ग, बरमूडा, केमैन आइलैंड्स और स्विट्जरलैंड छह देश/क्षेत्र हैं, जिनमें प्रति व्यक्ति जीडीपी सबसे अधिक है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि यदि किसी देश की जनसंख्या अधिक है तो उसका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद मूल्य कम हो सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के आंकड़ों को एक और नज़रिए से भी देखा जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध आय लगभग दो लाख रुपये थी जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में वार्षिक वृद्धि दर 8.6 प्रतिशत रही। यहां यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत में प्रतिव्यक्ति की यह दर जीडीपी की 6.4 प्रतिशत के आसपास की वार्षिक वृद्धि दर से अधिक है। इसलिए ऐसा नहीं है कि प्रतिव्यक्ति आय नहीं बढ़ रही है। यह भी सच है कि देश की जीडीपी उसकी समृद्धि का सूचक नहीं होती, मगर वह देश की कुल आर्थिक ताकत जरूर बताती है। दूसरी तरफ प्रतिव्यक्ति जीडीपी जीवन स्तर और लोगों की औसत आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार निम्न और उच्च आय स्तर वाले देशों के व्यक्तियों के लिए आय का उपभोग के लिए अधिक महत्व नहीं होता है, लेकिन मध्यम आय स्तर वाले देशों में यह संबंध होता है। निम्न आय वाले देशों के लोग अपने बजट का उपयोग मुख्य रूप से उपभोग के लिए करते हैं, क्योंकि उन्हें मुख्य रूप से अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने की जरूरत होती है। उच्च आय वाले देशों के लोगों के पास खर्च करने के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होते हैं और वे उपभोग के साथ-साथ निवेश भी बढ़ा सकते हैं। साथ ही, आय का एक मध्यम स्तर लोगों को अपनी भावी जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए अधिक बचत करने को बढ़ावा दे सकता है। इसीलिए उपभोग, आय और सकल घरेलू उत्पाद के बीच संबंध सभी देशों में महत्वपूर्ण माना जाता है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए यह और भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। हम इस परिणाम को इस तथ्य के रूप में ले सकते हैं कि उपभोग और आय का अधिक स्तर जीवन स्तर को बढ़ाता है, लेकिन उच्च आय वाले उन देशों के लिए यह कम महत्व का इसलिए होता है क्योंकि वहाँ के लोग निवेश और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अधिक कुशल होते हैं, विशेष रूप से मानव पूंजी में। अर्थशास्त्री एक मनोवैज्ञानिक नियम की बात भी करते हैं, जिसके अनुसार जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ता है, आय और उपभोग के बीच का अंतर भी बढ़ता है। अनुभवजन्य साक्ष्य भी ऐसा ही बताते हैं। यह भी कि उपभोग की आदतें आय के स्तर पर निर्भर करती हैं। उपभोग और आय संसाधन का स्तर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के निर्माण में अलग-अलग योगदान करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का तेज़ी से बढ़ना कोई संयोग नहीं है। एक सुव्यवस्थित रणनीति, मेहनत, नवाचार और सही नेतृत्व के बिना ऐसा होना संभव नहीं है। आशावादी लोग मानते हैं कि यदि यही प्रवृत्ति बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

> **उपभोग और आय संसाधन का स्तर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के निर्माण में अलग-अलग योगदान करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का तेज़ी से बढ़ना कोई संयोग नहीं है। एक सुव्यवस्थित रणनीति, मेहनत, नवाचार और सही नेतृत्व के बिना ऐसा होना संभव नहीं है। आशावादी लोग मानते हैं कि यदि यही प्रवृत्ति बनी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।**

लेकिन हर बार जब इस तरह के आंकडे सामने आते हैं, तो आम लोगों के मन में यह सवाल ज़रूर उठता है कि क्या इस आर्थिक तरक़्क़ी का असर उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर भी पड़ा है? यह ज़रूर है कि अगर देश में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं तो यह उम्मीद स्वाभाविक ही की जाती है कि इसका फ़ायदा सभी वर्गों तक पहुंचेगा। लेकिन इसके दो अहम पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक है देश के युवाओं की बहुत बड़ी आबादी को लाभकारी रोजगार मिले और दूसरा बढ़ रही संपत्ति का आबादी में समान बंटवारा हो। हर हाथ को रोजगार मिले इसके लिए शिक्षा और कौशल का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। देश के पास मानव संसाधन की कमी नहीं है किन्तु उसे हम अपनी पूंजी नहीं बना पा रहे है। शिक्षा में भयानक असामानता है जिसका नतीजा है आर्थिक गतिविधियों में आसमान भागीदारी। इसके लिए जहां सरकार की असफलता है तो जनमानस की मानसिकता भी काम जिम्मेवार नहीं है। ज़्यादातर युवाओं के लिए नौकरी का मतलब सिर्फ़ सरकारी नौकरी है। अगर कोई युवक 20-25 साल की उम्र से लेकर 30-35 साल की उम्र तक सिर्फ़ सरकारी नौकरी की तैयारी करता रहे और फिर कहे कि वो बेरोज़गार है, तो इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता सरकार भी नहीं। दूसरी तरफ एक बड़ी ग्रामीण आबादी अब भी कृषि पर आश्रित है क्योंकि उसके पास कोई दूसरा कौशल है नहीं। कृषि क्षेत्र जो देश की अर्थव्यवस्था का 80 प्रतिशत तक हुआ करता था उसकी भागीदारी 14 प्रतिशत के आसपास आ गई है। मगर उस पर 48 प्रतिशत आबादी का बोझ है। ऐसे में इस आबादी की आय में बढ़ोतरी उतनी तेजी से नहीं नजर आएगी जितनी जीडीपी के आंकड़ों में दिखती है। इसीलिए प्रतिव्यक्ति जीडीपी की रैंकिंग में भारत नीचे ही खड़ा नजर आएगा। भारत में शिक्षा की असमानता दूर करनी होगी। हालांकि भारत के युवाओं की तकनीकी क्षमता ने स्टार्टअप कल्चर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात ने वैश्विक बाजार में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी बना दिया है, मगर ये युवा अधिकतर उन सौभाग्यशाली वर्गों से आते हैं जिनकी प्राथमिक पढ़ाई बेहतर स्कूलों में हुई और जो उच्च शिक्षा के अच्छे संस्थानों में जा पाए। वहीं एक दूसरा भारत भी है जिसमें बच्चे बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा पाने से शुरू से ही वंचित रह जाते हैं और फिर पिछड़ते ही चले जाते हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए हाल ही में दिवंगत हो गये जनसंख्या विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र कोठारी ने मानव संसाधन विकास का एक बेहतरीन मॉडल एचडी प्लस का दिया था जिसकी तरफ झांकने की नीति निर्माताओं को कभी फुरसत नहीं मिली। समृद्धि में समान बंटवारा समान शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था से ही होगा, जिसे संविधान के निर्देश के मुताबिक राज्य को करना है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )

# कबीर का मार्ग

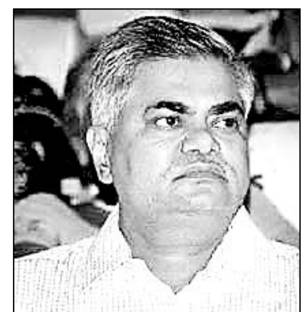

राजेश्वर सिंह

कबीर मध्यकालीन भक्ति आंदोलन की निर्गुण धारा के प्रतिनिधि संत कवि हैं। वे पूजा-पाठ, अनुष्ठान व कर्मकांड का विरोध करते हैं, ब्रह्म की लीला का प्रसार जीवन और जगत में देखते हैं, शास्त्र ज्ञान पर प्रत्यक्ष अनुभव जन्य आत्मज्ञान व ब्रह्म ज्ञान को वरीयता देते हैं, आत्मज्ञानी व ब्रह्मज्ञानी सद्गुरु के द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन के महत्व का प्रतिपादन करते हैं, सांप्रदायिकता व जातिवाद पर प्रहार करते हैं तथा परम सुख व शांति की प्राप्ति के लिए अनासक्त कर्म, सदाचार, दया, संतोष, विनम्रता, समदर्शिता व सर्वोपरि प्रेम के पथ पर चलने का संदेश देते हैं।

कबीर कहते हैं कि परमात्मा ने ही अपने स्वरूप को संपूर्ण विश्व में प्रसारित किया है, उसी किरण से नवीन सृष्टि की धारा नि:सृत होती है तथा उन्होंने ही समस्त रूपाकारों में स्वयं को व्याप्त कर रखा है। वस्तुत इस जगत में जितने जीव हैं, वह सब उन्हीं के जीवंत रूप हैं। उनका यह भी मानना है कि प्रभु जिस पर कृपा करते हैं, वही उनको प्राप्त कर पाता है और इसके उपरांत वह जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। कबीर ने इस परम पद की प्राप्ति के लिए कुछ पात्रताएं भी निर्धारित की हैं। वह कहते हैं कि सांसारिक कामकाज में अनासक्त, समस्त जीवों को आत्मवत स्वीकार करने वाला, अहंकार व दम्भ से मुक्त, सदाचार व दयालुता से युक्त, विनम्र, संतोषी व समदर्शी मनुष्य ही परमात्मा को प्राप्त कर पाते हैं और इन सद्गुणों का उदय भी बिना उनकी कृपा के संभव नहीं हो पाता।

परमात्मा की कृपा को प्राप्त करने के लिए कबीर कठोर साधना मार्ग पर प्रवृत्त होने के लिए कहते हैं। उनके अनुसार इस देह क्षेत्र में काम, क्रोध, मद और लोभ का सत्य, संतोष व शील के साथ महायुद्ध छिड़ा हुआ है। साधक नाम रूपी खड्ग से इन कुप्रवृत्तियों पर निरंतर प्रहार कर विजय प्राप्त करता है। इस विजय को कबीर ज्ञान के सूर्योदय के रूप में व्याख्यायित करते हुए कहते हैं कि जहां सूर्य प्रकाशित हो,वहां रात नहीं होती। इसी प्रकार जहां ज्ञान का उदय होता है वहां अज्ञान नष्ट हो जाता है। जहां कामनाएँ प्रबल हों, वहां विशुद्ध प्रेम नहीं होता, किंतु परमात्मा के प्रति पूर्ण समर्पण जन्य प्रेम सांसारिक कामनाओं एवं वासनाओं का विनाश कर देता है।

कबीर शास्त्र ज्ञान पर अनुभवजन्य आत्मज्ञान व ब्रह्म ज्ञान को वरीयता देते हैं। उनके अनुसार संस्कृतज्ञ व शास्त्रज्ञ यदि कामना व तृष्णा के वशीभूत हैं तो फिर संस्कृत व शास्त्रों का अध्ययन व्यर्थ है। इसी प्रकार उन्होंने तीर्थ स्नान की व्यर्थता तथा धर्म ग्रंथों के मात्र शब्द भंडार होने का भी उल्लेख किया है। वह केवल अनुभवजन्य बातें करते हैं, क्योंकि वह अच्छी तरह जानते हैं कि अन्य सारी बातें खोखली और मिथ्या है।

यह सुनकर उन्हें हँसी आती है कि पानी में रहकर भी मछली प्यासी है। घर में पड़ी वस्तु को तो आदमी देख नहीं पाता और विषादग्रस्त होकर अनावश्यक वन वन भटकता रहता है। बात यह है कि मनुष्य चाहे काशी जाये अथवा मथुरा, अगर उसमें आत्मज्ञान नहीं है तो पूरा संसार उसके लिए मिथ्या है। उनके अनुसार परमात्मा किसी मंदिर मस्जिद, काबा या कैलाश में, किसी क्रिया, कर्म, योग या वैराग्य में नहीं है, वह सर्वत्र तथा सबके समीप समुपस्थित है, वह समस्त प्राणियों की एक-एक श्वास में है और अगर कोई सच्चे हृदय से संधान करता है तो वह उसे तुरंत प्राप्त हो जाता है। कबीर कहते हैं कि जब परमात्मा अपने आप को प्रकट करता है तो वह सब भी दिखाई देने लगता है जो हम अपनी आँखों से नहीं देख सकते जैसे बीज में वृक्ष दिखाई देता है और वृक्ष में छाया, आकाश में शून्य और शून्य में अनंत आकार, ब्रह्म में जीव और जीव में ब्रह्म। वह स्वयं ही बीज है, स्वयं ही वृक्ष है और स्वयं ही अंकुर, फूल, फल और छाया है।वही सूर्य है, किरण है और प्रकाश भी। कबीर इस प्रकार आत्मा में परमात्मा, परमात्मा में बिंब व बिंब में प्रतिबिंब को देखने में लीन हैं।

आत्मज्ञान की प्राप्ति के लिए कबीर सद्गुरू के महत्व का प्रतिपादन करते हैं। कबीर के अनुसार सद्गुरु संत वही है जो आंखों को न दिखाई देने वाले का दर्शन कराता है तथा जो बाहरी पूजा पाठ से मुक्त करके सहज समाधि सिखाता है। वह दरवाजे बंद करके नहीं बैठता, सांस रोकने का अभ्यास नहीं करता और संसार को त्यागने का उपदेश नहीं देता। सद्गुरु ऐसा मार्ग दिखाता है जिसमें मनुष्य कर्म करने के बाद भी निष्कर्म रहता है, उसे तन को त्रास नहीं देना पड़ता तथा सांसारिक कर्म के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना भी चलती रहती है।

कबीर संतों की जाति न पूछने के लिए भी कहते हैं। उनके अनुसार साधु 36 क़ौम में हो चुके हैं। नाई, धोबी, बलाई इत्यादि सभी जातियों में साधु हो चुके हैं। उन्ही में संत रैदास हुए हैं और उन्ही में स्वपच सुदर्शन भी। कबीर इसी पद में यहां तक कहते हैं कि बेकार में हिंदू और मुस्लिम रूपी दो धर्म बन गए हैं, जिनमें कोई अंतर नहीं। एक अन्य पद में कबीर कहते हैं कि अल्लाह और राम अलग-अलग कैसे हो सकते हैं? एक ही सोने से सब जेवर बनाए गए हैं तो उनमें दो भाव कैसे हो सकते हैं? कोई हिंदू कहलाता है, कोई मुसलमान पर हमारे शरीर एक ही मिट्टी से बने हैं।

समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव व विषमता पर कठोर प्रहार करते हुए कबीर कहते हैं कि जो जाति पूछ कर पानी पीते हैं, वह मूर्ख हैं। मृतकों के शव सड़कर मिट्टी हो जाते हैं और उसी मिट्टी के बर्तन में पानी रखा जाता है। इसी पानी में कछुए और घड़ियाल बच्चे देते हैं और उनका खून उसी पानी में मिल जाता है। नदी के पानी में सारी गंदगी बहकर आती है और जानवरों तथा इंसानों के शव भी इसमें सड़ते हैं लेकिन छुआछूत केवल जीवित मनुष्यों से माना जाता है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि कबीर का मार्ग निष्काम कर्म, सदाचार, मानव मात्र के प्रति प्रेम, जीवदया, करुणा, परोपकार व सत्य निष्ठा का मार्ग है। वे कुरीति, पाखंड और अंधविश्वास पर प्रहार करते हैं तथा श्रमपूर्वक आजीविका अर्जन के पक्षधर हैं। वे भौतिक जीवन के कंटकाकीर्ण पथ पर आरूढ रहकर आध्यात्मिक साधना में प्रवृत्त होने का प्रतिपादन करते हैं,सद्गुरु से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए कहते हैं, विभिन्न मतों की तात्विक एकता का अनुभव करते हैं और मानव मात्र की समानता व समस्त प्राणियों के प्रति सद्व्यवहार का उपदेश देते हैं। कबीर का यह मार्ग वैसे तो सहज, सरल और सुगम प्रतीत होता है किंतु इस पर चलना कठिन काम है। अगर हम मानवता का कल्याण चाहते हैं तो इस मार्ग का अनुसरण करना ही होगा।

-राजेश्वर सिंह,
आईएएस ( सेवानिवृत्त )

# जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन का प्रेरणा स्त्रोत है मेवाड़, सदियों से हो रहे हैं जल संरक्षण की दिशा में प्रयास

विनय सोमपुरा

राजस्थान के दक्षिणांचल में स्थित मेवाड़ सदियों से न केवल राजस्थान अपितु पूरे विश्व के लिए जल संरक्षण और जल प्रबंधन का प्रेरणा स्त्रोत रहा है। मेवाड़ में रियासतकाल से ही जल संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास किए गए है जिसका लाभ आज तक आमजन को मिल रहा है। समय-समय पर विदेशी विषय विशेषज्ञों ने भी मेवाड़ के जल प्रबंधन का लोहा माना है। आशा की जाती है कि भजनलाल शर्मा सरकार का 5 जून से 20 जून तक संचालित किया जस रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान मेवाड़ की इस समृद्ध परम्परा को अधिक विस्तार देगा।

मेवाड़ प्राचीनकाल से ही वर्षा जल संचय और जल प्रबंधन की मिसाल रहा है। रियासत काल में शासकों ने दूरदर्शिता के साथ यहां के जलाशयों के निर्माण और नदियों को जोड़ने के भागीरथ प्रयास किए, इसकी बदौलत सदियों बाद भी उदयपुर में पेयजल संकट के हालात नहीं बनते हैं। संभवतया जल प्रबंधन के इससे अच्छे प्राचीन उदाहरण और कहीं नहीं मिलते हैं। यहां सदियों पहले से ही वर्षा जल को वृहद् स्तर पर सहेजने की शुरूआत हो चुकी थी। अरावली की पहाड़ियों से पश्चिम की ओर बहने वाले पानी को सहजने के लिए थोड़ी-थोड़ी दूर पर तालाब बनाए गए। मदार बड़ा और मदार छोटा तालाब भरने के बाद इनका पानी थूर की पाल से चिकलवास पिकअप वियर से मदार नहर होते हुए फतहसागर झील को भरता है। मदार नहर की क्षमता से ज्यादा पानी आने पर चिकलवास पिकअप वियर से आयड़ नदी होते हुए मदार का पानी उदयसागर पहुंचता है। पानी की आवक ज्यादा होने पर स्वरूप सागर लिंक नहर से फतहसागर भरा जाता है। बड़ी तालाब के छलकने पर इसका पानी भी फतहसागर में पहुंचता है। पिछोला और फतहसागर भरने के बाद पानी गुमानिया नाल से आयड़ नदी होते हुए उदयसागर पहुंचता है। यहां से पानी बेड़च नदी होते हुए वल्लभनगर बांध को भरता है। उसके बाद पानी चित्तौड़ जिले में स्थित बड़गांव बांध और घोसुंडा बांध को भरता है। इन बांधों की पूर्ति होने के बाद उदयपुर की झीलों से पानी बनास नदी होते हुए बीसलपुर बांध पहुंचता है।

इसके अलावा नदियों को जोड़ने की पहल भी 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सर्वप्रथम मेवाड़ में हुई। महाराणा फतहसिंह ने वर्ष 1890 में उदयपुर शहर से 6 किलोमीटर दूर चिकलवास गांव के समीप आहड़ नदी पर एक बांध बनवाया। वर्षा ऋतु में प्रवाहित अतिरिक्त जल को फतहसागर झील तक पहुंचाने के लिए चिकलवास नहर का निर्माण करवाया। इसके अतिरिक्त राणा राज सिंह- प्रथम ने तीर्थ स्थल उबेश्वर क्षेत्र से निकलने वाली उबेश्वर नदी को मोडकर मोरवानी नदी में मिला दिया। इस प्रकार यह जल जनासागर तथा फतह सागर में पहुंचा। उदयपुर शहर में गोवर्धन सागर, दूध तलाई, पिछोला झील, अमर कुण्ड, कुम्हारिया तालाब, रंगसागर, स्वरूप सागर तथा फतहसागर जलाशयों का निर्माण जल प्रबन्धन की दृष्टि से विश्वभर में श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

मेवाड़ के जल प्रबंधन कौशल को विदेशी जल वैज्ञानिकों के दल ने भी स्वीकारा है। वर्ष 2021-22 में उदयपुर आए वैज्ञानिकों के दल ने अपने अध्ययन में पाया कि मेवाड़ में सदियों पहले जिस दूरदर्शिता के साथ जल प्रबंधन के क्षेत्र में काम हुआ, वह अद्भूत है। यहां हर साल 6328 एमसीएफटी वर्षा जल सहेजा जाता है, जो अपने आप में अनूठा उदाहरण है। मदार बड़ा तालाब की भराव क्षमता 84 एमसीएफटी, मदार छोटा की 30, बड़ी तालाब की 371, देवास प्रथम की 126, आकोदड़ा की 302, मादड़ी की 85, फतहसागर की 427, पिछोला की 483, गोवर्धन सागर की 9, उदयसागर की 1100, वल्लभनगर बांध की 1076, बड़गांव की 1112 तथा घोसुंडा की 1123 एमसीएफटी है। जल संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए जलशक्ति मंत्रालय एवं इलेट्स टेक्नोमीडिया की ओर से आयोजित नेशनल वाटर इनोवेशन समिट एंड अवाड्र्स कार्यक्रम में उदयपुर जिले को उत्कृष्ट वर्षा जल संग्रहण के लिए नेशनल वाटर इनोवेशन अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त उदयपुर मे सफल व परिणाम मूलक प्रयोग के बाद जल प्रबंधन मे जन भागीदारी बढ़ाने के माय वेल मोबाइल एप को जल शक्ति मंत्रालय ने देश भर के लिए जारी किया है।

प्राचीन काल से ही जल प्रबंधन पर किए गए सार्थक प्रयासों के चलते मेवाड़ पूरे देश में रोल मॉडल के रूप में उभरा है। इसी कारण केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने दूसरी ऑल इण्डिया राज्य जल मंत्रियों की वाटर कांफ्रेन्स का आयोजन 18 व 19 फरवरी को उदयपुर में किया । इसमें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेषों के जल मंत्रियों ने भाग लिया था। रियायतकाल से प्रेरणा पाकर उदयपुर आजादी के बाद भी जल संचय एवं जल प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी बना हुआ है। आधुनिक दौर में देवास परियोजना, जवाई-जयसमंद प्रोजेक्ट तथा माही-अनास जैसी परियोजनाएं न केवल उदयपुर सहित समूचे वागड़-मेवाड़ और मारवाड़ की जल आवश्यकताओं को पूर्ण करेंगी अपितु आने वाली पीढियों को जल प्रबंधन की प्रेरणा देने के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

**देवास परियोजना:** उदयपुर की जीवन रेखा बन कर उभरी देवास परियोजना रियासतकालीन जल संरक्षण और जल प्रबंधन सोच का आधुनिक संस्करण कही जा सकती है। उदयपुर शहर की तत्कालीन पेयजल आपूर्ति मांग सुनिश्चित करने हेतु वर्ष 1973-74 में देवास- प्रथम (गोराणा बाँध) का निर्माण किया गया, जिसकी कुल क्षमता 120 एमसीएफटी है। मुख्यंमत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उदयपुर को देवास परियोजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण की सौगात दी है। देवास तृतीय परियोजना के अन्तर्गत उदयपुर जिला के गोगुन्दा तहसील के नाथियाथाल गांव के निकट 703 एमसीएफटी क्षमता का देवास तृतीय बांध का निर्माण प्रस्तावित है। इससे 11.04 लम्बी सुरंग का निर्माण कर देवास द्वितीय (आकोदडा बांध) में जल अपवर्तन किया जायेगा। पूर्व निर्मित आकोदडा बांध एवं सुरंग से उदयपुर शहर की पिछोला झील में जल अपवर्तन होगा। देवास चतुर्थ परियोजना के अन्तर्गत गोगुन्दा तहसील के अम्बावा गांव के निकट 390 एमसीएफटी क्षमता का देवास चतुर्थ बांध का निर्माण कर इससे 4.3 किलोमीटर सुरंग का निर्माण कर देवास तृतीय बांध से जोड दिया जाएगा। द्वितीय (आकोदडा बाँध) एवं सुरंग के माध्यम से पिछोला झील में जल अपवर्तन किया जा सकेगा। देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की अनुमानित लागत 1690.55 करोड है। इससे 1000 एमसीएफटी वार्षिक जल अपतर्वन उदयपुर शहर की झीलों में किया जा सकेगा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नदियों को जोड़ कर अकाल और बाढ़ की समस्या के स्थाई समाधान के सपनों को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। राज्य सरकार की बजट 2024-25 के तहत वागड़-मेवाड़ में नदी बेसिन से जुड़ी दो परियोजनाओं की डीपीआर बनाई जा रही है। प्रथम परियोजना के तहत प्रतापगढ़ जिले में जाखम नदी पर बने जाखम बांध से जयसमंद तथा जयसमंद से चित्तौड़गढ़ और राजसमंद जिलों के विभिन्न बांधों को जोड़ते हुए पानी पहुंचाना प्रस्तावित है। जाखम बांध पर 3 मीटर ऊंचे रेडियल गेट लगाने के प्रस्ताव है जिससे इस बांध पर 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त पानी का भराव किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त जाखम नदी की सहायक नहदी सुकली एवं करमाई नदी पर बांध बनाकर क्रमश: 1000 एमसीएफटी एवं 750 एमसीएफटी पानी का भराव किया जा सकता है। जाखम बांध तथा सलूम्बर जिले में स्थित जयसमंद झील के जल स्तर में 60 मीटर का अंतर है। इससे कुल 2750 एमसीएफटी अतिरिक्त पानी जाखम बांध से करीब 106 किलोमीटर लंबी फीडर बनाकर सलूम्बर जिले की जयसमन्द झील में ठोविटी से पानी लाया जा सकेगा। जयसमंद झील से बड़गांव बांध (जिला उदयपुर) तक 50 कि.मी. लम्बे पाइपलाइन सिस्टम से 178.50 मीटर लिफ्ट के माध्यम से पानी पहुंचाया जाना प्रस्तावित है। बड़गांव बांध से 42 कि.मी. लम्बी फीडर बनाकर यह पानी रेलमगरा नाले (जिला राजसमंद) में डाला जाएगा। रेलमगरा नाले से पूर्व निर्मित फीडर सिस्टम द्वारा पानी धमाणा बांध, चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन बांध, भूपालसागर बांध, अरनिया बांध, जाशमा बांध, डिण्डोली, मातृकुण्डिया, सिंहपुर एवं बनाकिया बांध को भरा जा सकेगा। मातृकुण्डिया बांध से पूर्व में निर्मित मेजा फीडर के माध्यम से मेजा बांध तक जल अपवर्तन किया जाएगा। इसके अलावा नंदसमंद तक पानी पहुंचाने का भी प्रस्ताव है। दूसरी परियोजना के तहत तैयार की जा रही डीपीआर में माही, सोम और अनास नदियों का अधिशेष जल जवाई बांध तक पहुंचाना प्रस्तावित है। इसमें अनास नदी, माही नदी और सोम नदी के अधिशेष पानी को ट्रेप करके जयसमंद झील तक पहुंचाया जाएगा। वहां से अतिरिक्त पानी को सेई बांध में पहुंचाया जाएगा। वहां से सेई टनल के माध्यम से पानी जवाई बांध तक पहुंचाया जा सकेगा। सेई टनल की गहराई बढ़ाकर टनल क्षमता का विस्तार किया जा चुका है।

विनय सोमपुरा
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग
उदयपुर

# वाटर होल पद्धित से आज होगी वन्यजीव गणना

**जोधपुर, (कासं)।** प्रदेश में 11 जून को पूर्णिमा के दिन वाटर होल पद्धित से वन्यजीवों की गणना की जाएगी। ग्यारह से बारह जून को वनकर्मियों के साथ वन्यजीव प्रेमी मचान पर बैठेंगे और वाटर पॉइंट्स पर नजर रखकर वन्यजीवों की गणना करेंगे। ग्यारह जून को सुबह आठ बजे से वन्यजीव गणना शुरू होगी। बारह जून को गुरुवार सुबह आठ बजे तक वन्यजीवों की काउंटिंग की जाएगी। इसके बाद वन्यजीवों की गणना के आंकड़े वन मुख्यालय अरण्य भवन भेजे जाएंगे। वन्यजीव गणना पिछले महीने वैशाख पूर्णिमा के दिन होनी थी, लेकिन बारिश का मौसम होने के कारण स्थगित कर दी गई थी।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक शिखा मेहरा के मुताबिक वन्यजीव गणना ग्यारह जून को सुबह आठ बजे से बारह जून सुबह आठ बजे तक होगी। वन्यजीव गणना की वन मुख्यालय से मॉनिटरिंग की जाएगी। वाटर होल पद्धित से वन्यजीव गणना से वन्यजीवों की संख्या के वास्तविक आंकड़े मिल पाएंगे। वन्यजीव गणना से पहले अभ्यास प्रशिक्षण करवाया गया है। रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की गणना एनटीसीए प्रोटोकॉल से की जाती है। टाइगर रिजर्व के अलावा अन्य सेंचुरी क्षेत्र में वन्यजीवों को वाटर हॉल पद्धित से गिना जाता है। वन्यजीव गणना में भालू, पैंथर, सियागोश, लकड़बग्घे, भेड़िए, सियार, लोमड़ी, जंगली बिल्ली, लंगूर, जंगली सूअर, नीलगाय, सांभर, चीतल, काला हिरण, चिंकारा, नेवला, बिज्जू और से ही को गिना जाएगा। हालांकि प्रदेश में वन्यजीवों की सैकड़ों प्रजातियां हैं।

इस बार करीब 38 प्रजातियों की गणना की जा रही है। वन्यजीव गणना हमेशा पूर्णिमा को ही की जाती है। पूर्णिमा की चांदनी रात को वन्यजीवों की गणना आसानी से हो पाती है। मचान पर बैठे कर्मचारी आसानी से चांदनी रात के उजाले में वन्यजीवों की गिनती आसानी से कर पाते हैं। वन्यजीव पानी पीने के लिए वाटर पॉइंट पर जरूर आते हैं। 24 घंटे वन्यजीव गणना करने के बाद सभी जगहों के आंकड़े एकत्रित करके वन मुख्यालय अरण्य भवन भेजे जाएंगे। वन्यजीव गणना के बाद आंकड़ों की तुलना की जाएगी। वन्यजीवों की संख्या में बढ़ोतरी होती है, तो यह वन विभाग के लिए बड़ी खुशी की बात होगी।

## राशिफल

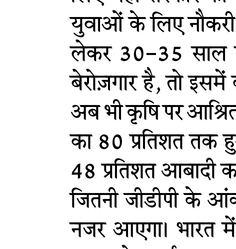

पंडित अनिल शर्मा

**बुधवार 11 जून, 2025**

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, बुधवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 8:11 तक, साध्य योग दिन 2:04 तक, बव करण दिन 1:14 तक, चन्द्रमा रात्रि 8:11 से धनु राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग और कुमार योग रात्रि 8:11 से सूर्योदय तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 8:11 से आरम्भ होगा। आज से गुरू वृद्धत्व प्रातः 7:05 से आरम्भ होगा। आज ज्येष्ठी पूर्णिमा, सत्य व्रत, कबीर जयन्ती, ज्येष्ठ श्रुति पूर्णिमा पर्व (जैन) देव स्नान पूर्णिमा, है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** लाभ अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:44 से 12:26 तक, चर 3:51 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:16

**मेष**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**वृष**
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**मिथुन**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

**कर्क**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है।

**सिंह**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

**कन्या**
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

**तुला**
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

**वृश्चिक**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**धनु**
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

**मकर**
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मीन**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

# करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग चढ़ी पुलिस के हत्थे

**जयपुर।** भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गैंग के लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन पर वाहन लेकर उनकी फर्जी एनओसी के आधार पर आगे बेचते थे। जिस से बैंकों और फाइनेंस कंपनी को करोड़ों का नुकसान हुआ। इसके अलावा गैंग के सदस्य कई राज्यों में ठगी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं और इनके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

**भांकरोटा थाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।**

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के विजय कुमार अग्रवाल (40)निवासी नादौती जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर,सजल अग्रवाल(25) निवासी श्रीमाधोपुर हाल प्रतापनगर जयपुर और इमरान खान (30) निवासी महू खास जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता। उनको अपने किराए के अपार्टमेंट में रखता । उस अपार्टमेंट के किरायानामा के आधार पर गिरोह के सदस्य के आधार कार्ड में पता आदि चेंज करवा कर बैंक अकाउंट खुलवा देता। उसे बैंक अकाउंट में दो-तीन महीने तक ट्रांजैक्शन कर अलग-अलग बैंकों से वाहन खरीदने के नाम पर लोन लिया जाता था। लोन की दो-तीन किस्त देने के बाद आरटीओ में फर्जी एनओसी देकर आरसी अपने ही गिरोह के दूसरे सदस्य के नाम ट्रांसफर करवा दी जाती थी। इसके बाद विजय कुमार वाहन को स्पिनी या अन्य कंपनियों में फर्जीवाड़ा कर बनाई गए दस्तावेजों के आधार पर बेच दी जाती थी।

- **आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता**

आरोपित विजय कुमार बहुत ही शातिर किस्म का व्यक्ति है। इसके द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहनों पर लोन करवा कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन की एनओसी बनाकर वाहन बेचे गए हैं। जिनके अलग-अलग जिलों में मुकदमे दर्ज है।गौरतलब है कि दो जून को भांकरोटा थाने पर वैल्यू ड्राइव टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (स्पिनी) की ओर से मामला दर्ज कराया था कि स्पिनिंग कंपनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सेकंड हैँड कारों की बेचने और खरीदने का काम करती है। जिसके चलते जनवरी 2025 में एक व्यक्ति ने अपनी कार हुंडई वेन्यू 2024 मॉडल बेचने के लिए संपर्क किया था। उस व्यक्ति ने फर्जी तरीके से कार की नई आरसी कार्ड से कंपनी के साथ फर्जी और धोखाधड़ी कर कंपनी को कार बेची और इसी प्रकार से पूर्व में भी लगभग 8-10 कार बेच चुका हैं।

# ट्रांसफर के 5 माह बाद आखिरकार जलदाय अभियंता दिनेश कूकना जेडीए से कार्यमुक्त

**जयपुर ।** जलदाय विभाग के ट्रांसफर आदेश के करीब 5 माह बाद सोमवार को आखिरकार जेडीए प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर लगे अधिशाषी अभियंता दिनेश कुमार कूकना को उनके नए पदस्थापन के लिए रिलीव (कार्यमुक्त) कर ही दिया। इस संबंध में जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. प्रिया बलराम शर्मा ने आयुक्त आनंदी की मंजूरी के बाद आदेश जारी किए।

इन पिछले 5 माह में उन्होंने अपना तबादला रुकवाने का भी भरकस प्रयास किया, परंतु जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आगे उनकी एक नहीं चली।

राज्य सरकार के आदेशों की पालना नहीं करने वाले अफसरों पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी बेहद नाराज थे, उन्होंने प्रत्येक ऐसे कार्मिक पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। मजेदार बात यह है कि उन्होंने जेडीए से रिलीव होने के बाद भी मंगलवार को अपने नए पद को नहीं संभाला।

- **जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की नाराजगी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत के पत्र के 11 दिन बाद जेडीए प्रशासन ने रिलीव ऑर्डर जारी किए**

27 मई को अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने खुद जयपुर विकास प्राधिकरण कमिश्नर आनंदी को पत्र लिखकर 15 जनवरी 2025 के ट्रांसफर आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए आग्रह करते हुए प्रतिनियुक्ति पर जेडीए में लगे दी दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से रिलीव करने के आदेश दिए थे। सावंत ने पत्र में लिखा था कि, जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना का तबादला 15 जनवरी को जलदाय विभाग ने अधिशाषी अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर के पद पर किया था, लेकिन कूकना ने आज तक वहां पदभार नहीं संभाला है। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए विभागीय आवश्यकताओं के मध्य नजर दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर नवीन पदस्थापन स्थान पर कार्य ग्रहण किए जाने हेतु निर्देशित करने का श्रम करावे। इस पत्र के 11 दिन बाद भी जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दिनेश कूकना को रिलीव कर दिया।हैरानी की बात यह है कि, जलदाय विभाग के मुख्य अभियंता संदीप शर्मा ने गत 29 अप्रैल को दिनेश कूकना को पत्र लिखकर तत्काल जेडीए से स्वयं रिलीव होकर अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू ) के पद का कार्यभार संभालने के आदेश दिए थे।

# राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया प्रधानमंत्री और केन्द्रीय विद्युत मंत्री का आभार**
- **राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी।**

**जयपुर।** राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर-सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था। साथ ही, नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भी उन्होंने यह मांग प्रमुखता से उठाई थी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने देशभर में 30 गीगावाट आवर की बीईएसएस क्षमता के विकास के लिए वीजीएफ के तहत सहायता देने का निर्णय लिया है, जिसमें से 25 गीगावाट आवर की क्षमता 15 राज्यों को और 5 गीगावाट आवर की क्षमता एनटीपीसी को आवंटित की गई है।

# विधायक सराफ ने डामर सड़क का शिलान्यास किया

**जयपुर।** मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का शिलान्यास किया। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है विकास का कोई भी काम नहीं रुकेगा। और नगर निगम ग्रेटर ने सभी वार्डों में 50-50 लाख रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किए हैं।

स्थानीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली ने बताया की गंगवाल पार्क की सड़क काफी समय से टूटी हुई थी, स्थानीय लोगों की मांग पर सराफ के द्वारा नगर निगम ग्रेटर से डामर सड़क का नवीनीकरण करवाया जा रहा है एवं फुटपाथ पर दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जा रही है जिसका आज सांसद मंजू शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक सराफ के द्वारा शिलान्यास किया गया।

नटवर कुमावत ने बताया की स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सराफ ने गंगवाल पार्क में विधायक कोष से सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने की घोषणा की, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की 32 कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं 11 कॉलोनी में कार्य पाइपलाइन में है उनमें भी जल्दी ही कार्य पूरा हो जाएगा। इस अवसर पर जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, विकास समिति अध्यक्ष अनंत शर्मा, नगर निगम उपायुक्त प्रियव्रत सिंह चारण, उपाध्यक्ष विवेकानंद गोस्वामी,मंत्री हर्ष भाटी, प्रवीण तंवर, गिर्राज सोढ़ानी, एमके माहेश्वरी, अजय बंसल,मनीषा गोधा, माला जैन, निधि बंसल,भास्कर पुरोहित एवं अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

- **विधायक सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का किया शिलान्यास**

# सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया

**जयपुर।** मालवीय नगर के करधनी शॉपिंग सेंटर पर महापौर सौम्या गुर्जर और विधायक कालीचरण सराफ ने संयुक्त रूप से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया।वार्ड नंबर 131 के पार्षद गोविंद सिंह छीपा ने बताया कि लगभग 30 साल पहले बने इस शॉपिंग सेंटर पर केवल पुरुष मूत्रालय ही था। जिससे खरीददारी पर आने- जाने वाली महिलाओं को सामान्य सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ता था। उन्होंने कहा कि महिला शौचालय बनाने की प्रेरणा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण सुनकर और टॉयलेट फिल्म देख कर मिली । उन्होंने अपने चुनाव में इसका वादा किया था , जो अब पूरा हुआ है । इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा सुमन शर्मा , समाजसेवी सिद्ध कुमार विजय वर्गीय , ओम शर्मा , नरेंद्र सिंह , रामकृपाल , सुनील, गंगाराम ,राजा गुटुरू , ओम सैनी , नीरजा सक्सेना,अर्जुन दास , किशोर , घनश्याम भार्गव आदि अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

# एनसीडी रोगियों की जांच, डेटा इन्द्राज में गंभीरता बरतने के निर्देश

**जयपुर।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि निचले स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए निरामय राजस्थान के संकल्प को साकार करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जांच के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाए।

अतिरिक्त मिशन निदेशक मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित हैं। इन कार्यक्रमों को प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और विभिन्न स्वास्थ्य मानकों में प्रदेश की स्थिति और बेहतर हो। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम में मरीज का समय पर निदान और उपचार प्रारम्भ होना बेहद आवश्यक है।

# चरवाहों की समस्याओं को लेकर पशुपालकों से बैठक की

**जयपुर।** पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में अन्य राज्यों में पशु चराने वाले पशुपालकों से बैठक की। इस बैठक में पशुपालकों ने अन्य राज्यों पर पशु चराने के लिए झुंड में पशुओं को ले जाने के दौरान वन विभाग व आमजन द्वारा परेशान किए जाने का मामला उठाया। इस दौरान पशुपालकों ने राजस्थान सीमा के कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, डूंगरपुर, चितौड़गढ, भीलवाड़ा व प्रतापगढ के वन क्षेत्रों में रात्रि पड़ाव के दौरान कई बार लूटपाट एवं खूनी संघर्ष की घटनाएं हो चुकी हैं। पशुपालकों ने मंत्री को अवगत कराया कि जब पशुपालक अपने पशुओं को मध्यप्रदेश और छतीसगढ राज्य में खुले में पशु चराने के लिए लेकर जाते हैं तो वहां किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा मारपीट की जाती है। ऐसी स्थिति में जब पीड़ित पशुपालक संबंधित थाने या विभाग के उच्चाधिकारियों के पास आरोपियों की शिकायत लेकर जाते हैं तो उन्हें बुरी तरह से प्रताड़ित किया जाता है। इस पर पशुपालकों ने पडोसी राज्यों की सरकार के पशुपालकों को चारागाहों में निर्बाध रूप से पशु चराने की अनुमति देने व आरोपियों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया। इसी तरह मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र में निष्क्रमणीय भेड़ पालकों के पशुओं की चराई की अनुमति दिलवाने तथा मध्यप्रदेश और छतीसगढ सरकार की चरवाह नीति में स्थानीय पशुपालकों एवं निष्क्रमणीय पशुपालकों के बीच विभेद समाप्त करवाकर समान व्यवहार किए जाने के संबंधी नीति जारी करवाने का मामला उठाया गया।

# कलयुग में नाम संकीर्तन सर्वोपरि

**जयपुर।** मंदिर श्री माधो बिहारी जी में महंत योगेश चंद्र स्वामी के सानिध्य मे आयोजित भागवत कथा में ललित संप्रदायाचार्य महंत संजय गोस्वामी जी ने कहा कि भागवत कथा सत्रह पुराणों का सार है यह कल्पवृक्ष अमृत फल है जबकि वेद जल है सत्रह पुराण उसकी शाखाएँ है , जो भागवत का श्रवण चिंतन करता है वह अमरता को प्राप्त करता है कथा से मनुष्य के अवगुण समाप्त हो जाते है तथा नाम संकीर्तन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है भगवान शीघ्र प्रसन्न होते है " कलयुग केवल नाम अधारा सुमर सुमर होय भव पारा " नाम संकीर्तन सारे पापों को सर्वथा नष्ट कर देता है और सभी प्रकार के दुखों से मुक्त कर देता हैं।


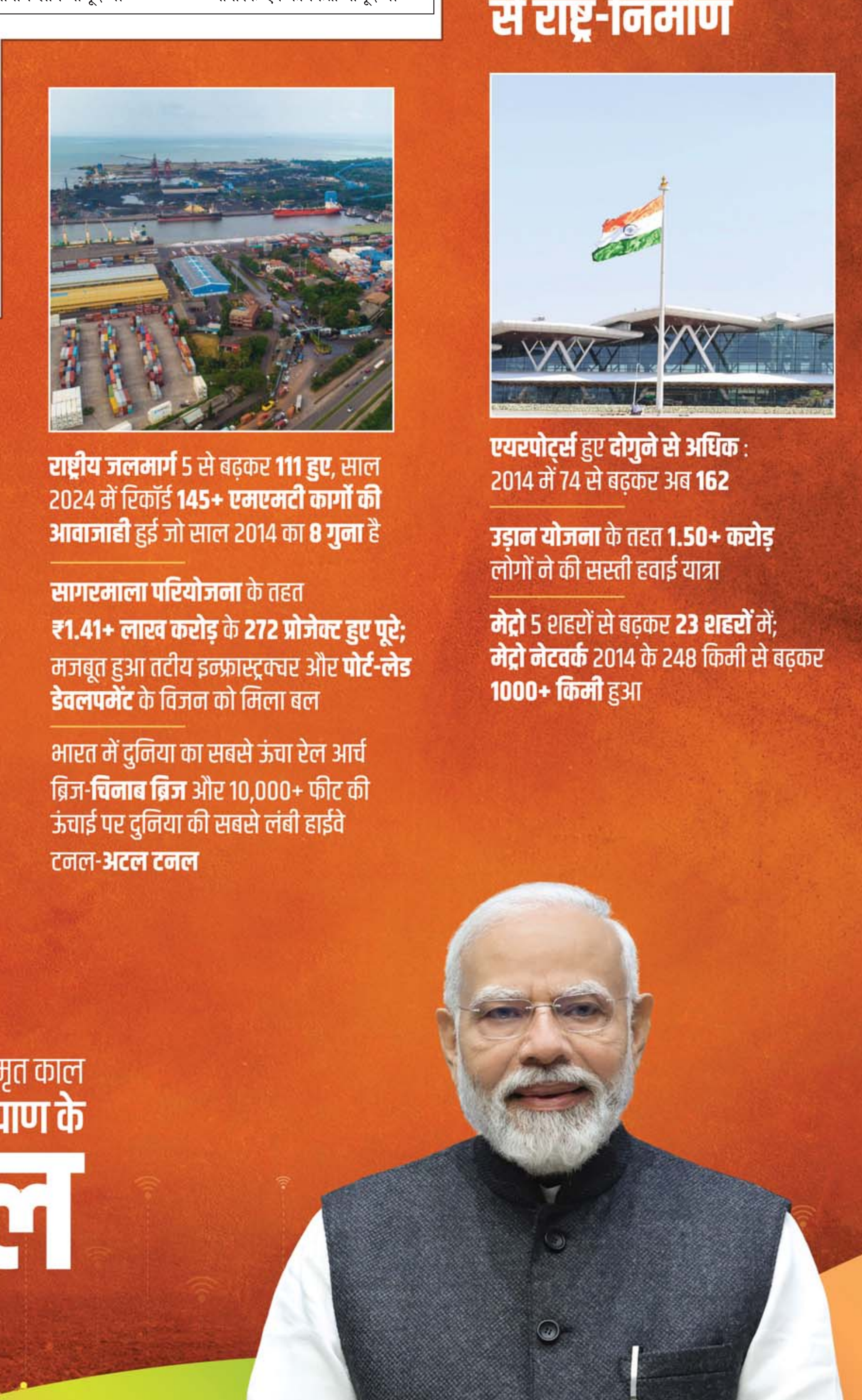
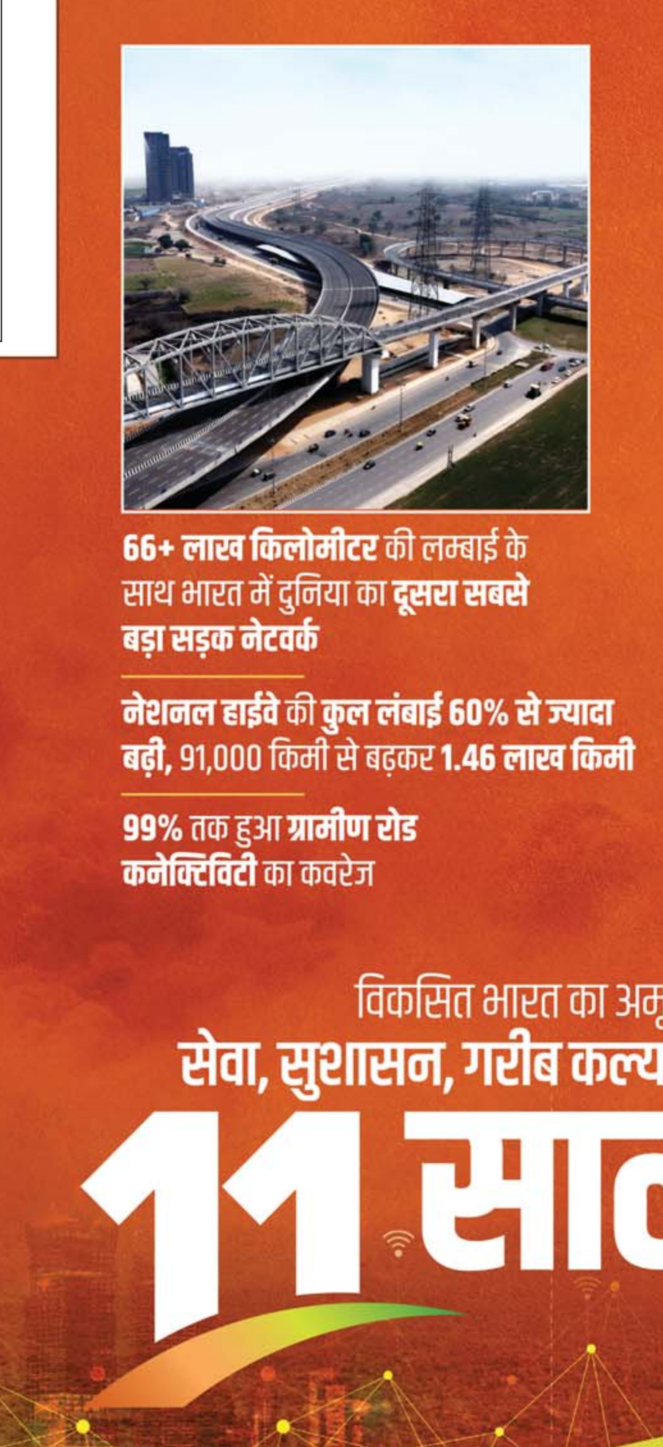
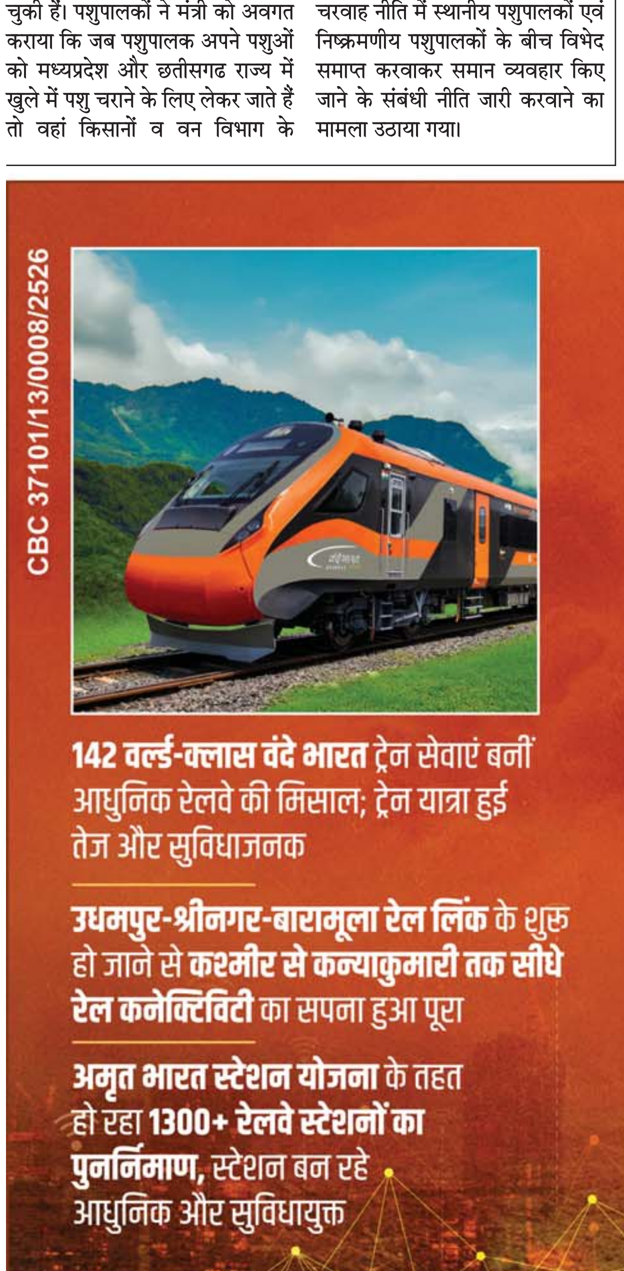

# रिश्वत लेने के आरोप में चिड़ावा एईएन व सहायक प्रशासनिक अधिकारी गिरफ्तार

## एसीबी की टीम देखकर भागा स. प्र. अधिकारी, खाली प्लॉट में फेंके पैसे, टीम ने पीछा कर दबोचा

■ स्थानीय अजमेर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय के एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एसीबी ने 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

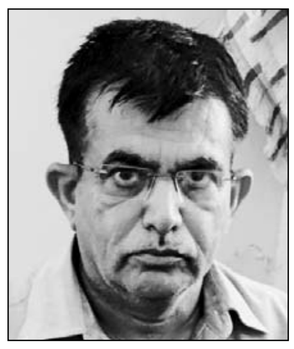

आरोपी आजाद सिंह, एईएन व नरेंद्र सिंह, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, एईएन कार्यालय चिड़ावा।

**चिड़ावा/झुंझुनूं,** (निसं)। स्थानीय अजमेर डिस्कॉम के सहायक अभियंता कार्यालय के एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को एसीबी ने 30 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों को चिड़ावा थाने लाए गए, जहां पर एसीबी ने अपनी आगे की कार्रवाई की। एएसपी इस्माइल खान ने बताया दोनों के अन्य ठिकानों पर भी सर्च के लिए अलग से टीमें भेज दी है।

एसीबी एएसपी इस्माइल खान ने बताया कि सूरजगढ़ निवासी परिवादी विमलेश ने शिकायत की थी कि वह पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने का काम एक वेंडर के रूप में करता है। उसकी फाइलें एईएन आजाद सिंह के स्तर पर लंबित है, जिसके लिए आजाद सिंह और उनके कार्यालय का सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह 40 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन के दौरान दोनों के बीच 30 हजार रूपए में सौदा तय हुआ। मंगलवार को एसीबी की टीम एएसपी इस्माइल खान के नेतृत्व में चिड़ावा में एईएन कार्यालय के बाहर कार्रवाई करते हुए एईएन आजाद सिंह तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह को 30 हजार रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी की कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम को देखकर अजमेर डिस्कॉम के चिड़ावा एईएन कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह मौके से भाग गया था। यही नहीं भागते भागते उसने 30 हजार रूपए रिश्वत की राशि भी एक खाली प्लॉट में फेंक दी थी, लेकिन एसीबी की टीम ने घेराबंदी करके ना केवल नरेंद्र सिंह को पकड़ लिया। वहीं प्लॉट से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली।

जानकारी के अनुसार परिवादी सूरजगढ़ के उधमपुरा निवासी विमलेश पीएम सूर्यघर योजना के तहत वेंडर का काम करता था, जिसकी सात फाइलें एईएन कार्यालय चिड़ावा में अप्रुव के लिए रखी थी। जिसके एवज में सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह के जरिए एईएन आजाद सिंह 40 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहा था। यह शिकायत तीन-चार दिन पहले ही परिवादी ने एसीबी झुंझुनूं को दी। जिसके अगले ही दिन एसीबी ने शिकायत का सत्यापन भी करवा लिया। इस दौरान एईएन आजाद सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह, दोनों द्वारा पैसे की डिमांड करना सामने आया। सत्यापन के दौरान 30 हजार रूपए में सौदा तय हुआ। इसी बीच अगले ही दिन एसीबी ने एईएन और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को दबोचने का जाल भी बिछाया, लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाई।

चिड़ावा में कार्रवाई के बाद दोनों ही आरोपियों के मकानों में भी एसीबी ने सर्च किया। जानकारी के मुताबिक सीकर से सीआई सुभाष मील के नेतृत्व में टीम ने सुलताना गांव के भवानी चौक इलाके में स्थित सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह के मकान में करीब ढाई घंटे तक सर्च किया। इसके बाद टीम वापिस निकल गई। इसी तरह बुहाना इलाके के गादली गांव में एईएन आजाद सिंह के घर पर भी सर्च किया। गादली गांव में चूरू एसीबी के सीआई महेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने सर्च किया।

# अधेड़ ने जहरीली वस्तु का सेवन कर आत्महत्या की

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में पड़ोसियों के झगड़े के बीच मामला थाने से पहुंचने के बाद पुलिस पर एक तरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए अधेड़ ने जहरीली वस्तु का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर गंगापुर डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह हॉस्पिटल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार गंगापुर निवासी कैलाश तिवाड़ी का अपने पड़ोसियों से पैसे के लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। दो दिन से दोनों पक्षों के बीच आपसी कहासुनी और गली-गलौच हो गई। पड़ोसी पक्ष ने गंगापुर थाने में रिपोर्ट दी, जबकि मृतक कैलाश के परिजनों का आरोप है कि पड़ोसी मदन सोनी, पिंकी भाई, अर्जुन, राधेश्याम ने घर ने घुस कर उनके साथ झगड़ा किया और गाली-गलौच की थी, लेकिन पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रताड़ित किया जिसके कारण आहत होकर उन्होंने थाने जाने से पूर्व जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया।

हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्होंने एमजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर गंगापुर डिप्टी रविन्द्र प्रताप सिंह हॉस्पिटल पहुंचे और मृतक के शव का पोस्टमार्टम करने की प्रक्रिया शुरू करवाई। फ़िलहाल शव सुपुर्द करने को लेकर गतिरोध बना हुआ है।


**कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर**

क्रमांक :- राजकाज 15761328 | दिनांक :- 06/06/2025

**ई-बिड सूचना संख्या:- जोन एमएलए-लैड/01/25-26**

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यों हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2526A0044

UBN No. :- JOD2526SLOB00107 to 111

राज.संवाद/सी/25/3931 | अधिशाषी अभियंता (एमएलए-लैड)



**कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा**

क्रमांक :- एफ 3/लेखा/25-26/1932-52 | दिनांक :- 04/06/2025

**ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 12/2025-26**

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा द्वारा क्र0सं0 1 से 17 एवं 24 पर अंकित कार्यों हेतु अनुभवी संवेदकों/एजेन्सियों/व्यक्तियों से तथा क्र0सं0 18 से 23 पर अंकित कार्यों हेतु के0डी0ए0, कोटा में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं राजस्थान सरकार के किसी भी राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागो के अन्तर्गत "एए" तथा "ए" क्लास (विद्युत कार्यों के लिए Exy-1 श्रेणी) संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 23 कार्यों (UBN No. : UIK2526WSOB00152 To UIK2526WSOB00175) हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यों का विस्तृत विवरण, निविदा षर्तें, अनुमानित लागत, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/uitkota पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/3949 | अधिशाषी अभियन्ता



**कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली**

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/2183 | दिनांक 09.06.2025

**-: ई-निविदा 09/2025-26 सूचना :-**

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 03 विकास कार्यो की कुल लागत 57.38 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

1. DLB2526WSOB07329
2. DLB2526WSOB07333
3. DLB2526WSOB07335

| Bid Selling Last Date | 25.06.2025 / 10.00 AM |
|---|---|

राज.संवाद/सी/25/3952 | प्रशासक | अधिशाषी अधिकारी


# उम्मेद सागर बांध पथराव मामले में 108 डिटेन, 25 हिरासत में

## मामले में 19 जनों पर एफआईआर दर्ज हुई, एक महिला को भी नामजद किया गया

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के उम्मेद सागर बांध कैंचमेंट एरिया में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के समय सोमवार की सुबह हुई पत्थरबाजी में पुलिस ने देर रात तक 108 लोगों को डिटेन कर 25 लोगों को शांतिभंग में पकड़ा है। 19 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें एक महिला को भी नामजद किया गया है। गिरफ्तारियां और एफआईआर में और भी नामजद किए जा सकते है।

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी सुरेश पोटलिया की तरफ से थाने में 19 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। जिसमें ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों से मारपीट, वाहनों में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी को लेकर विभिन्न धाराएं लगाई गई है। पुलिस द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसारपुलिस द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट में उम्मेद सागर बांध के आस पास रहने वाले जब्बार, आमदीन, तौफिक, इमरान भाई, वकील, अमान अली, अरबाज, राकेश बेलदार, समीर, अशफाक, अयान तेली, मो. फरीद, आमदीन, मेहताब, मोबिना उर्फ मैडम, सिकंदर को नामजद किया गया है। पुलिस ने दर्ज प्रकरण में दो लोगों की गिरफ्तारी की है। जिन्हें बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार सोमवार को नगर निगम, पीएचईडी और पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर उम्मेद सागर बांध के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा था। तब दस बजे के आसपास कई लोगों ने विरोध जताया और कार्रवाई में लगे कार्मिकों पर हमला कर दिया, जिससे एक दर्जन से ज्यादा लोग चोटिल हो गए और मीडिया कर्मियों को भी नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा निगम की जेसीबी और पुलिस की कार के कांच तक फोड़ दिए गए थे। बाद में पुलिस ने असामाजिक तत्वों की धरपकड़ का अभियान चलाते हुए घरों में घुसकर देर रात तक 108 लोगों को डिटेन करते हुए 25 को शांतिभंग में हिरासत में लिया था। सभी को आज दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया जाएगा।

राजीव गांधी नगर थानधिकारी सुरेश पोटलिया ने बताया कि अभी तक एक एफआईआर पुलिस की तरफ से दर्ज कराई गई है। अन्य एफआईआर मिलने पर उसे भी दर्ज किया जाएगा। पुलिस द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

# 11 जून से ऑनलाइन संशोधन किए जा सकेंगे

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा एनालिस्ट कम प्रोग्रामर/उपनिदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग) परीक्षा, 2024 में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया गया है। ऑनलाइन संशोधन 11 से 17 जून 2025 तक किए जा सकेंगे। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा का आयोजन 20 अगस्त को किया जाना प्रस्तावित है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगी। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

# पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

■ गांव निठार में जलदाय विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण पिछले एक महीने से पानी की नियमित सप्लाई नहीं की जा रही है

**भुसावर/भरतपुर,** (निसं)। भुसावर उपखंड के गांव निठार में भीषण गर्मी में जलदाय विभाग की ओर से पानी की समस्या का समाधान नहीं करने से गुस्साए ग्रामीण जनों ने मंगलवार को जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ गांव की टंकी के पास जाकर जमकर प्रदर्शन कर किया। गांव निठार निवासी ग्रामीण जनों ने बताया कि गांव निठार में गर्मी के दिनों में जलदाय विभाग के अधिकारियों की अनदेखी तथा लापरवाही के कारण पिछले एक महीने से पानी की नियमित सप्लाई जलदाय विभाग के कार्मिकों की ओर से नहीं की जा रही है। जिससे गांव निठार में भयंकर पानी की समस्या बनी हुई है।

गांव निठार के लोगों ने बताया कि गांव में पानी की बड़ी टंकी बनी हुई है जिससे गांव में जलदाय विभाग के ठेकेदार के व्यक्तियों की ओर से नियमित जल सप्लाई नहीं की जा रही है। गांव वालों ने बताया कि सरकारी आदेशानुसार गांव में प्रतिदिन नल चलाने के नियम है। उन्होंने बताया कि जलदाय विभाग के ठेकेदार ने जिन व्यक्तियों को जल सप्लाई के लिए लगा रखा है वे व्यक्ति सप्लाई करने आते नहीं है। जलदाय विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत का आरोपी लगाया है। मंगलवार को गांव चौखंडीपाडा, छीपी मोहल्ला एवं जोगी पाडा निठार के महिला पुरुषों द्वारा पानी की टंकी पर खडे होकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीण जनों की ओर से गांव में पानी की समस्या का समाधान के लिए कई बार जलदाय विभाग भुसावर के अधिकारियों को ज्ञापन भी दिए गए। फिर भी जलदाय विभाग के अधिकारियों की ओर से गांव में पानी की समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।


**उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान**

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/66 - 68 | Date : 04/06/2025

**ई-निविदा सूचना संख्या : 17/2025-26**

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| | |
|---|---|
| निविदा कार्यो की कुल लागत | रूपये 641.49 लाख (10 कार्य) |
| ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि | 06.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 16.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक |
| Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी | 06.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 16.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक |
| ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी | 17.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे |

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00110 To ITU2526WSOB00119

राज.संवाद/सी/25/3933 | अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय, उदयपुर विकास प्राधिकरण



**नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)**

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/748-50 | दिनांक : 09.06.2025

**निविदा सूचना**

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 10.06.2025 से दिनांक 20.06.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 23.06.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A2236

UBN:- DLB2526WSOB07251, DLB2526WSOB07253, DLB2526WSOB07255, DLB2526WSOB07258, DLB2526WSOB07261, DLB2526WSOB07263, DLB2526WSOB07265, DLB2526WSOB07268

राज.संवाद/सी/25/3960 | अधिशाषी अधिकारी



**Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli**

No. :- 673 | Date :- 06/06/2025

**NOTICE INVITING BID**

**NIB No. : 12/2025-26**

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY 2.0 Block – Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [ 01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 16/06/2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0263

UBN NO. :- WSC2526WSRC00446

Raj.Samwad/C/25/3973 | Superintending Engineer and Project Manager


# जोधपुर एलिवेटेड रोड के लिए 1243 करोड़ रुपये स्वीकृत

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री का आभार जताया

सीएम भजनलाल शर्मा।

**जोधपुर/जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का जोधपुर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 1243 करोड़ 19 लाख रुपए स्वीकृत करने के लिए आभार व्यक्त किया है। शर्मा ने कहा कि 'उत्कृष्ट सड़क कनेक्टिविटी, विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में जोधपुर की 7.633 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण एवं परिवहन सेवाओं के विस्तार के लिए केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर महामंदिर जंक्शन से शुरू होकर जोधपुर शहर में अखलिया चौराहा के पास समाप्त होगा। यह कॉरिडोर यात्रियों को 8 प्रमुख और 20 छोटे जंक्शनों से ऊपर जाने में सक्षम बनाएगा और भीड़भाड़ मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करेगा, जिससे यात्रा का समय भी बचेगा। यातायात की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए इस एलिवेटेड रोड में दोनों तरफ कन्टिन्युअस स्लिप/सर्विस रोड और 13 प्रवेश/निकास रैंप होंगे। उल्लेखनीय है कि जोधपुर शहर राष्ट्रीय राजमार्ग-62, राष्ट्रीय राजमार्ग-25 और राष्ट्रीय राजमार्ग-125 से युक्त राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो मुख्य रूप से जोधपुर शहर के केंद्र से होकर गुजरते हैं। एलिवेटेड रोड के निर्माण से शहर में यातायात का दबाव कम होगा।

# प्रवेश पत्र 14 को अपलोड होंगे

**अजमेर,** (कासं)। राज. लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन 17 व 18 जून को किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.30 से 5.30 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा हेतु आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त की जा सकती है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।


**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् राजसमन्द**

क्रमांक / एफ. () जल ग्रहण / 2025-26/375 | दिनांक-03/06/2025

**अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-01/2025-26 से 03/2025-26**

राजस्थान के माननीय राज्यपाल महोदय की ओर से पीएमकेएसवाई 2.0 मद से स्वीकृत विभिन्न कार्यों के सम्पादन करने हेतु उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक लोक निर्माण विभाग / जल संसाधन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्दीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है। निर्धारित प्रपत्र में ई टेण्डरिंग के माध्यम से वेबसाईट www.watershed.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अल्पकालीन ई निविदा 01/2025-26 से 03/2025-26 दिनांक 03.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से 13.06.2025 दोपहर 12 बजे तक वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है।

| क्र.सं. | एनआईटी नम्बर | राशि (लाखों में) | UBN Number | NIB Code |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 01/2025-26 | 132.95 लाख | WSC2526 WSOB00366 | WSC2526A0211 |
| 2 | 02/2025-26 | 136.99 लाख | WSC2526 WSOB00368 | WSC2526A0212 |
| 3 | 03/2025-26 | 17.46 लाख | WSC2526 WSOB00387 | WSC2526A0225 |

DIPR/C/7469/2025 | अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना वाटर शेड सैल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् राजसमन्द



**कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)**

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

क्रमांक :- भण्डार/कृमला/2025/259 | दिनांक :- 06/06/2025

**खुली निविदा सूचना**

इस महाविद्यालय में फार्म के समतलीकरण के लिए जेसीबी मशीन द्वारा कार्य हेतु दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 11.30 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है एवं निविदाएं उसी दिन अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लालसोट कार्यालय में दोपहर बाद 12.00 बजे खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी प्रति निविदा इस महाविद्यालय से पाँच सौ रु. जमा कराके प्राप्त की जा सकती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की वेबसाइट पर देखा जा सकता हैं। इन निविदाओं का UBN No. SKN2526WSOB00090 है।

राज.संवाद/सी/25/3926 | अधिष्ठाता



**कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.**

क्रमांक/न.प.स.मा./2025-26/2352 | दिनांकः- 06.06.2025

**-:: निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-**

नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा विभिन्न प्रकार के सामान सप्लाई कार्य/सर्विस प्रदाता एवं कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य अनुमानित लागत 40.00 लाख से 50.00 लाख रूपये है।, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in बेवसाइट पर देखी एवं download कर प्राप्त की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का UBN CODE – DLB2526SLOB07104, DLB2526SLOB07106, DLB2526SLOB07107, DLB2526SLOB07108 है।

NIB CODE- DLB2526A2178

राज.संवाद/सी/25/3915 | आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर



**कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर**

क्रमांकः- विकास/उत्तर/द्वितीय/2025-26/953 | दिनांकः- 06.06.2025

**:: ई-निविदा सूचना संख्या ::**

**(UBN NO. DLB2526WSOB07317)**

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम, जोधपुर उत्तर | आयुक्त, नगर निगम, जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/3978



**Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corp.**

Kaushal Bhawan, J8-B, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004

**Notice Inviting for Corrigendum in RFP**

Rajasthan Skill and Livelihoods Development Corporation (RSLDC) have issued corrigendum in the following Bids, details are as follows:-

1. RSLDC/DDU GKY/MISC/2025-26/3087-93 date 04.06.2025
2. RSLDC/DDU GKY/RFP-BLC/2025-26/3116-22 date 05.06.2025
3. RSLDC/DDU GKY/Job Fair/2025-26/3080-86 date 04.06.2025
4. RSLDC/Supp. PMCA/RFP/2025-26 date 06.06.2025

Corrigendum document and other related information can be downloaded from the websites: www.sppp.rajasthan.gov.in, www.livelihoods.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in

Interested Bidders / Agencies may apply through online https://eproc.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/25/3968 | General Manager (Admin)


# पीटीईटी व प्री बीएड/बीएससी परीक्षा 15 को

**अजमेर,** (कासं)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की ओर से अजमेर के 21 केंद्र सहित प्रदेश भर में प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट (पीटीईटी) एवं प्री बीएड/बीएससी परीक्षा 15 जून को आयोजित होगी। परीक्षा को लेकर समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। अजमेर जिला समन्वयक (पीटीईटी) प्रो. डॉ. मनोज कुमार बहरवाल ने बताया कि परीक्षा अजमेर के 21 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसमें कुल 8150 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जिसमें से दो वर्षीय पीटीईटी में 16 परीक्षा केन्द्रों पर 5953 अभ्यर्थी एवं चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स प्री बीएड-बीएससी में 2197 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। प्रो. बहरवाल ने बताया कि परीक्षा का समय प्रातः 11 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

# अजमेर : हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल मिला

## दो बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जेल प्रशासन द्वारा की गई आकस्मिक तलाशी के दौरान दो विचाराधीन बंदियों के पास से मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और दो सिम कार्ड बरामद हुए। जेल प्रशासन ने दोनों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइन पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाई सिक्योरिटी जेल के वार्ड नंबर 1, ब्लॉक 3 की सेल नंबर 5 की तलाशी के दौरान हरियाणा के रोहतक निवासी बंदी मोनू उर्फ सूखा के पास से स्मार्ट वॉच और सिम कार्ड मिला। इसी ब्लॉक के सेल नंबर 6 में बंद हिसार निवासी उधम सिंह के शौचालय की दीवार में छिपाकर रखा गया एक की-पैड मोबाइल और सिम बरामद हुआ। जेल स्टाफ ने जेल अधीक्षक आर अंतेश्वर को जानकारी दी। इसके बाद बरामद इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त कर लिया गया और सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचित किया गया। जेल अधीक्षक ने बताया कि दोनों विचाराधीन बंदी हत्या के आरोप में जेल में बंद हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।


**जयपुर विकास प्राधिकरण**

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/04-08 | दिनांकः 09.06.2025

**पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2025-26/04-08**

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-विड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमन्त्रित की जाती है:-

| S. N. | NIB No. | Name of Work | Tender Amount (In lakh) | Sale/Download Date and End Date | Open Date | Job No |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 04 | One time plantation in various Govt. premises like Police thana, Schools, Hospitals, Residential Schemes and Plants distribution to public in H. zone-I and II during the mansoon season (July to October) 2025. UBN No. JDA2526WSOB00219) | 192.22 | 10.06.25 / 19.06.25 | 23.06.25 | 064/2025-26 |
| 2 | 05 | One time plantation in various Govt. premises like Police thana, Schools, Hospitals, Residential Schemes and Plants distribution to public in H. zone-III and IV during the mansoon season (July to October) 2025 UBN No. JDA2526WSOB00220) | 129.16 | 10.06.25 / 19.06.25 | 23.06.25 | 065/2025-26 |
| 3 | 06 | Maintenance of Woodland park in H. zone-II for 2 year maintenance. UBN No. JDA2526WSOB00221) | 79.53 | 10.06.25 / 19.06.25 | 23.06.25 | 101/2025-26 |
| 4 | 07 | Development and maintenance (2 year ) of Horticulture and Beautification on Mahal Road from Akshay Patra to Mathurawala village. UBN No.JDA2526WSOB00222) | 29.92 | 10.06.25 / 19.06.25 | 23.06.25 | 066/2025-26 |
| 5 | 08 | Maintenance of Dhabas and Ekta Nagar median and greenbelt existing shrubs with 2 years maintenance. UBN No.JDA2526WSOB00 223) | 28.06 | 10.06.25 / 19.06.25 | 23.06.25 | 110/2025-26 |

नोट:-

1. बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
2. बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/3991 | वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

# राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर वीरांगनाओं का सम्मान

## सैनिकों और नेताओं ने साझा किए संस्मरण

**जयपुर।** पिंकसिटी प्रेस क्लब में मंगलवार को शौर्य मरुधर फाउण्डेशन द्वारा स्वर्गीय राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय सेना और वायुसेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों, राजनीतिक हस्तियों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया तथा एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान किया गया तथा एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया।

इस अवसर पर यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट गरीब, जवान और किसानों के हितों के लिए साहसिक निर्णय लेने वाले नेता थे। उन्होंने युवाओं को राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया, और आज यही काम उनके पुत्र सचिन पायलट कर रहे हैं। पूनिया ने कहा कि राजेश पायलट का सैनिक जीवन और राजनीतिक यात्रा दोनों ही समाज के लिए प्रेरणादायक हैं।

सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर बी.एस. निर्बाण ने अपने संबोधन में कहा कि पायलट साहब एक सैनिक के रूप में आदर्श थे और एक राजनेता के रूप में भी उन्होंने अनुकरणीय जीवन जिया।

उन्होंने कहा कि शहीदों और वीरांगनाओं के देश में राजेश पायलट जैसे नेता गर्व का विषय हैं। निर्बाण ने यह भी कहा कि शहीद परिवारों को सुविधाओं और अधिकारों के लिए भटकना पड़ता है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने राजस्थान में वीरांगनाओं, वीर सैनिकों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा हेतु एक सशक्त कानून की आवश्यकता पर बल दिया।

कर्नल देवानंद लोहमरोड़ ने वीरांगनाओं के सम्मान को एक अत्यंत गरिमामयी पहल बताया और इसके लिए शौर्य मरुधरा फाउंडेशन का आभार जताया।

शौर्य मरुधरा फाउंडेशन के अध्यक्ष महेन्द्रसिंह खेड़ी ने कहा कि राजेश पायलट वह नेता थे जिन्होंने देश में टेलीफोन क्रांति लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने युवाओं को आगे लाने की एक नई शुरुआत की, जिसे आज सचिन पायलट आगे बढ़ा रहे हैं। पायलट का मानना था कि जब तक गरीब, किसान और सैनिकों के बच्चे नीति निर्धारण की कुर्सियों तक नहीं पहुंचेंगे, तब तक देश का सपना अधूरा रहेगा।

पूर्व विधायक गजराज खटाना, जो राजेश पायलट के सहयोगी रहे, ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि पायलट की छवि सरकार और सिस्टम में साहसी, जबकि आम जनता में सहज और सौम्य थी।

उन्होंने एक घटना का ज़िक्र करते हुए बताया कि एक जनसुनवाई में आए व्यक्ति की बात सुनने के बाद ही पायलट ने चंद्रास्वामी की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे, जो उनके न्यायप्रिय और निर्णयात्मक व्यक्तित्व को दर्शाता है।

विधायक प्रशांत शर्मा (आमेर) ने कहा कि किस प्रकार स्वर्गीय राजेश पायलट ने उनके पिता सहदेव शर्मा को राजनीतिक संरक्षण दिया।

# सीमा शुल्क चोरी को लेकर कंपनी पर जुर्माना, एमडी को तीन साल की सजा

**जयपुर।** आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम अदालत, महानगर, द्वितीय ने करीब 62 लाख रुपए के सीमा शुल्क चोरी के मामले में मैसर्स स्तुति इलेक्ट्रॉनिक्स, भिवाडी पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

इसके साथ ही अदालत ने कंपनी के एमडी अनिल सक्सैना को तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने एमडी पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार मीना ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पर आर्थिक अपराध का आरोप है, जो कि सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- पीठासीन अधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त पर आर्थिक अपराध का आरोप है, जो कि सीधे तौर पर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है

अभियोजन पक्ष की ओर से कहा गया कि केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क आयुक्तालय ने अभियुक्तों के खिलाफ अभियोजन पत्र पेश किया था। अभियोजन पत्र में कहा गया कि विभाग की ओर से 17 और 18 मई, 1999 को अभियुक्त की भिवाड़ी स्थित फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया गया था। जिसमें स्टॉक कैपिटल, गुड्स और स्पेयर कम पाए गए। इस कमी के बारे में संचालक संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाए। इस प्रकार अभियुक्तों ने फैक्ट्री परिसर से बिना ड्यूटी चुकाए ही माल को बाहर भेजा। अभियुक्त फर्म की ओर से पूर्व में कभी स्पेयर पार्ट्स व कैपिटल गुड्स की निकासी के लिए आवेदन किया गया और ना ही विभाग से इसकी अनुमति ली गई। ऐसे में अभियुक्तों ने 62 लाख रुपए से अधिक के सीमा शुल्क की चोरी की। ऐसे में अभियुक्त पर समान राशि का जुर्माना लगाया गया और एमडी अनिल सक्सैना पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

# युवक का मोबाइल चोरी कर खाते से 53 हजार रुपए निकाले

**जयपुर।** मुहाना थाना इलाके में किसी ने एक युवक का मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से 53 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार गणेश कॉलोनी रामपुरा रोड निवासी अजीत कुमार बैरवा ने मामला दर्ज करवाया कि किसी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन 53 हजार रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को दूसरा मोबाइल खरीद कर सिम चालू करने पर लगा। इस पर पीडित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है

# पुलिसकर्मी बनकर ले गया युवक से स्कूटी

**जयपुर।** वैशाली नगर थाना इलाके में पुलिसकर्मी बनकर मदद के बहाने बदमाश एक व्यक्ति से स्कूटी लेकर चलता बना। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार वैशाली नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से आर्मी क्वार्टर जा रहा था।

वैशाली नगर में वह एक ठेके पर आम लेने रुका। वहां पर एक युवक पुलिस की वर्दी में आया और उसने किसी काम के लिए स्कूटी मांगी। इस पर पीड़ित ने पुलिस का काम जरूरी मानकर उसे स्कूटी दे दी। वह काफी देर तक ठेले के पास ही आरोपी का इंतजार करता रहा। लेकिन बदमाश नहीं लौटा। इस पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इस पर पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। बदमाश ने टू स्टार वाली वर्दी पहनी हुई थी।

# नेशनल प्लेयर से जुड़े मामले में पॉक्सो कोर्ट ने जांच अधिकारी को नसीहत दी

**जयपुर।** पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग नेशनल प्लेयर को अभद्र इशारे करने से जुडे मामले में जांच अधिकारी और ज्योति नगर थानाधिकारी को नसीहत दी है। वहीं अदालत ने कुछ बिंदुओं पर जांच नहीं करने पर अनुसंधान अधिकारी को चेतावनी दी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी की ओर से जांच में लापरवाही का मामला पहली बार अदालत के समक्ष आया है। ऐसे में चेतावनी दी जाती है कि यदि भविष्य में उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं आया तो यह माना जाएगा कि वे जानबूझकर पीड़ित पक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी को याद रखना चाहिए कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 व धारा 199 के तहत आता है। अदालत ने जांच अधिकारी को कहा कि वे दिए गए निर्देशों की पालना करेंगे, ताकि अदालत को यह मानना पडे कि मामले में की गई लापरवाही सद्भाविक चूक है न की जानबूझकर की गई चूक। वहीं अदालत ने प्रकरण के आरोपी बहादुर को 19 जून तक जेल भेज दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ित और फरियादी दोनों की आरोपी को नहीं जानते थे तो उसे बापर्दा गिरफ्तार कर जेल में पहचान परेड कराई जाती। जिस व्यक्ति ने पीडिता के पिता को आरोपी का नाम बताया, उसके बयान दर्ज किए जाते।

इसके अलावा घटना से जुडे सीसीटीवी फुटेज, डीवीआर जब्त करने सहित आरोपी के कंट्रोल फोटो लेने के लिए भी कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक की एफआईआर के अनुसार जिन पुलिसकर्मियों ने घटना देखी, उनके बयान भी दर्ज नहीं किए गए। अदालत ने कहा कि सुपरविजन अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त ने भी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार नहीं करने के तथ्य पर विचार नहीं किया।

वहीं उनके सुपरवाइजरी नोट में एक दुकान मालिक के बयान लेने के निर्देश पर ही जांच अधिकारी ने विचार नहीं किया। गौरतलब है कि गत 3 जून को पीडिता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी एक दिन पहले खेलने के लिए अकादमी जा रही थी।

रास्ते में एक दुकान पर मौजूद आरोपी ने उससे अभद्रता व्यवहार और इशारे किए। पूर्व में भी कई बार आरोपी ने उसकी बेटी को प्रताड़ित किया है। जिससे बेटी के मन में भय व्याप्त हो गया है। ऐसे में भविष्य में बडी घटना ना हो, इसका ध्यान रखा जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था।

# लिफ्ट मांगने के बहाने व्यक्ति को लूटा

**जयपुर।** सांगानेर थाना इलाके में लिफ्ट के बहाने बदमाश एक व्यक्ति से स्कूटी व मोबाइल छीनकर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।पुलिस के अनुसार रघुनाथपुरी श्योपुर रोड निवासी वैभव शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पिता रात को बाजार से घर लौट रहे थे। तारों की कूट के पास एक युवक ने रुकने के लिए इशारा किया। इस पर उसके पिता विष्णु शर्मा रुक गए। इसके बाद बदमाश ने डरा धमका कर उसके पिता से स्कूटी और मोबाइल छीनकर भाग निकला।

# सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

**जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने मंगलवार को कार्यालय सहायक अभियंता एवीवीएनएल ओएंडएम चिड़ावा जिला झुंझुनू के सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी परिवादी से उसकी फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनूं को परिवादी ने शिकायत दी कि वह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कार्य करता है। एवीवीएनएल सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं ओएंडएम चिड़ावा झुंझुनूं के सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह की ओर से परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए रिश्वत मांग की जा रही है। इस दौरान रिश्वत मांग सत्यापन दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने के लिए तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग करना पाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह से रिश्वत के तीस हजार रुपए की बरामदगी की गई। एसीबी झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान के नेतृत्व में मंगलवार को ट्रैप की कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह को तीस हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

# काश्तकारों ने एक जमीन को दो-दो बार बेचा

**जयपुर।** सांगानेर एयरपोर्ट पर श्री जगदीश धाम योजना में कई साल पहले खरीदे भूखण्डों पर कब्जा लेने के लिए भूखण्डधारियों को दर -दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। इस स्कीम में पीडितों ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व को पत्र लिखकर भूखण्डों पर कब्जा दिलाने और नाजायज कब्जा करने वालो के विरूद्ध कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

पीडित तुलसीराम चौधरी और दौलतसिंह चौहान ने अन्य पीड़ितों के साथ मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर अपना दुखड़ा सुनाया। उनका कहना है कि अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड ने गांव टीलावाला जगतपुरा सांगानेर एयरपोर्ट रोड़ के पास 1997 में काश्तकार जगदीश पुत्र गोदू निवासी टीलावाला से 4.70 हैक्टेयर जमीन जरिए इकरारनामा से खरीदी थी। इसका प्रतिफल भी दे दिया था। सोसायटी ने इस जमीन पर श्री जगदीश धाम योजना बसाई थी। इसमें बाकायदा उनसे पैसे लेकर पट्टे दिए थे और कब्जा भी सौंपा था। उसके बाद 2005 में काश्तकार जगदीश, घासी, भौंरीलाल, रामपाल पुत्र गोदू ने इस जमीन को मैसर्स प्राइम बिल्डहोम को बेचान कर दिया। इसके निदेशक पुनीत कर्नावट और गोविन्द अग्रवाल है। इन दोनों ने अपनी 16 बीघा जमीन को जेडीए से आवासीय योजना अप्रूव्ड करा कर यहां कालोनी के निवासियों को पट्टे देने शुरू कर दिए और मूल आवंटियों व भूखंडधारियों को बेदखल करना शुरू कर दिया है।

- भूखण्डधारी न्याय के लिए जगह जगह कर रहे हैं फरियाद
- आरोपियों के खिलाफ मुकदमा, दो साल में जांच तक नहीं

श्री जगदीश धाम योजना में जब पीडित जब भी अपने भूखण्डों का कब्जा लेने के लिए जाते है तो उनको वहां से भगा दिया जाता है। उन्हें कहा जाता है कि श्री जगदीश धाम योजना के नाम से कोई स्कीम नहीं है। यहाँ तो हमारी स्कीम है। पीडित जब अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति के मालिक देशराज बैरवा एवं गौरी शंकर गुप्ता से मिले तो उन्होंने 7 अप्रेल 2022 को प्रताप नगर थाना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम के निदेशक पुनीत कर्नावट, गोविन्द अग्रवाल और काश्तकारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवा दिया है। उनको अभी तक भूखण्डों का कब्जा नहीं दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो साल से कोई जांच तक नहीं कर रखी है।

श्री जगदीश धाम योजना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम ने रात दिन आवासीय योजना का काम चला रखा है। पीडित लोग मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व और प्रताप नगर थाना तक कई बार शिकायत चुके हैं परन्तु फिर भी कहीं भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुनीत कर्नावट जयपुर नगर निगम के डिप्टी मेयर है और भाजपा नेता है।

# चाकू से जानलेवा हमले करने वाले आरोपी को पकडा

**जयपुर।** मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू से जानलेवा हमले करने वाले एक आरोपित को पकडा है और उसके पास से वारदात के दौरान प्रयुक्त किया गया एक चाकू भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई थानों में एक दर्जन से अधिक मारपीट,हत्या,हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

- आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 मई को पीडित मनोहर सिंह पर चाकू से जानलेवा हमले करने के मामले में फरार आरोपित जयेश शर्मा निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित आदतन अपराधी है। जो पूर्व में पुलिस थाना में भी कई वारदात कर चुका है। जिसके खिलाफ सोडाला थाने में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

# जल संसाधन मंत्री आज सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

**जयपुर।** जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत 11 जून, 2025 को दौसा, करौली और धौलपुर की विभिन्न जल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और भूमि पूजन करेंगे। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में तीनों जिलों के किसानों और आमजन को पर्याप्त जल उपब्लधता की सौगातें मिलेंगी।

रावत बुधवार सुबह 10 बजे मोरेल नदी पर ग्राम समेल लालसोट में निर्मित समेल एनिकट को लोकार्पित करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे पांचना बांध का पुर्नवास एवं सुधार कार्य सहित अन्य एनिकट निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यहीं से धौलपुर की 61 करोड़ रूपए लागत से तैयार 07 एनिकट/सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। यह परियोजनाएं जल संरक्षण की दिशा में स्थायी समाधान और स्थानीय पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

दौसा के लालसोट में समेल एनिकट के निर्माण में अब तक 19.82 करोड़ रूपए की लागत आई है। इससे समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित आसपास के गांवों व ढाणियों को लाभ होगा। जल संग्रहण से भू-जल रिचार्ज होगा, जिससे पेयजल व सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल सकेगा। पशुपालन और वन्यजीवों के लिए भी एनिकट उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें गेटेड प्रणाली का प्रावधान है।

रावत करौली में 28 करोड़ रूपए से अधिक के 4 कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इनमें, पांचना बांध के समग्र जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण कार्य का भूमि पूजन होगा। पांचना बांध के कार्यों में पिंचिंग, ड्रेनेज गेलेरी की रिपेयरिंग, बांध के एप्रोच रोड का निर्माण, डी.जी सेट सप्लाई, बांध के गेटों की मरम्मत, हाई मास्ट लाइट, पत्थर की चिनाई, स्पिलवे निर्माण सहित विभिन्न कार्य होंगे। इसमें 14 करोड़ रूपए से अधिक की लागत आएगी। इन कार्यों से बांध अधिक सुदृढ़ होगा और क्षमता बढ़ेगी।

करौली में तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत वाईजट में नाले पर नवीन एनिकट का निर्माण होगा। इसमें लगभग 6.06 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम वाईजट, धुरसी, ईन्तखेड़ा, विजयपुरा आदि गांवों के भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। सपोटरा तहसील की ग्राम पंचायत कालागुड़ा में 1.62 करोड़ रूपए की लागत से तिखूटी एनिकट का निर्माण होगा। तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत जटनगला के पास जग्गर नदी पर एनिकट बनेगा। इसमें 6.31 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम जटनगला, एकोराशी, बहादुरपुर, आलापाड़ा इत्यादि गांवों में भू-जल स्तर बढ़ेगा। पशु-पक्षियों को सुलभ पानी मिलेगा। तीनों ही जगहों पर ऑवर फ्लो एनिकट, अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम लेमिना कार्य, डाउनस्ट्रीम एप्रॉन कार्य, प्लम कंक्रीट, विंग वॉल, कट ऑफ वॉल सहित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

रिहैबिलिटेशन ऑफ उर्मिला सागर मीडियम इरीगेशन प्रोजेक्ट में 8.89 करोड़ रूपए लागत आई है। इससे धौलपुर विधानसभा क्षेत्र के 25 गांवों की 2900 हैक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा। उर्मिलासागर बांध की शेष बची 21.87 कि.मी लम्बाई की नहरी तंत्र को पक्का करने, बांध सुदृढ़कीरण, फिल्टर टो एवं केच ड्रेन का कार्य, 3 डब्ल्यू.यू.ए भवन निर्माण और महिलाओं के लिए स्नानघाट और पशुओं के लिए कैटल रैम्प के कार्य कराए गए हैं।

# लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़

**जयपुर।** मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जयपुर की सड़कों पर '' निर्जला एकादशी पर्व पर शराब वितरण'' कर आमजन की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का प्रयास और आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लप्पू सचिन सहित सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है और साथ ही शराब वितरण में प्रयुक्त वाहन स्कॉर्पियो भी जब्त की गई है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) जयपुर दिगंत आनंद ने बताया कि जयपुर शहर में इंस्टाग्राम / यूट्यूब / फैसबुक अकाउंट में एक विडियों जयपुर की सड़कों पर शराब वितरण करते हुए कुछ नवयुवक दिखाई दे रहे है। यी विडियो निर्जला एकादशी पर्व के दौरान का बताया जा रहा था।'' चुकी यह विडियो आमजन की धार्मिक भावनाओं (निर्जला एकादशी पर्व पर आमजन द्वारा जल - शरबत वितरण किया जाता है) को ठेस पहुंचाने के लिए असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया कृत्य प्रतीत हो रहा था। जिस पर एक पुलिस टीम का ठगन किया गया और इस विडियो के आधार से असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी करते हुए वीडियो को बनाने तथा वायरल करने वाले मुख्य आरोपी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लप्पू सचिन सिंह आदि को गिरफ्तार किया गया है।

# प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा आधारित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

**जयपुर ।** महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी के मुख्य आतिथ्य में एवं आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को इंदिरा गाँधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) की ओर से प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

- ग्रोथ मॉनिटरिंग के लिए बहुत जरुरी है सही डेटा एंट्री :- शासन सचिव महिला एवं बाल विकास

दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया जाना चाहिए।

आईसीडीएस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बेसलाइन डेटा की सही होना अत्यंत आवश्यक है। इसके आधार पर ही बेहतर योजनाओं का निर्माण होता है तथा ग्राउंड पर वास्तविक रूप में समस्याओं का समाधान भी संभव हो पाता है।

उन्होंने कहा कि जब तक डेटा एंट्री उचित रूप से वास्तविक आधार पर नहीं की गई हो तब तक ग्रोथ मॉनिटरिंग सही रूप में नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सही डेटा एंट्री नितांत रूप से आवश्यक है।

विभाग में किसी भी योजना में 10 दिन से ज्यादा पुराना कोई भी प्रकरण लंबित न रहें, इस प्रतिबद्धता से कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारे मानदेय कर्मियों के मानदेय का भुगतान नियमित रूप से हो यह अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्मिक को सेवा के प्रति अपडेट करते हैं।

इस अवसर पर निदेशक ओ पी बुनकर ने कहा कि कोई भी प्रशिक्षण यदि दो तरफा होता है तो ही वह उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों को मॉनिटरिंग में सुधार करना चाहिए।

पोषण ट्रेकर पोर्टल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें आंगनबाडी आने को उत्सुक हो और पूरी संख्या में आंगनबाडी आये तब जाकर इस प्रकार के प्रशिक्षण अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल होंगे।

# 'निरन्तर सक्रियता से कार्य कर अपेक्षित परिणाम हासिल करें'

**जयपुर।** सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत राज्य में क्रियान्वित की जा रही पहलों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रियान्विति में पिछड़ रहे जिलों पर विशेष रूप से फोकस करते हुए उनसे प्रगति की नियमित रिपोर्ट ली जाए। साथ ही, आवश्यक होने पर इन जिलों के लिए प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाए।

- वास्तविक और एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा का अंतर किया जाए दूर : प्रमुख शासन सचिव

राजपाल ने नेहरू सहकार भवन में क्रियान्वित की जा रही पहलों की प्रगति की समीक्षा की।

राजपाल मंगलवार को नेहरू सहकार भवन में 'सहकार से समृद्धि' के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही पहलों की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अधिकारी निरन्तर सक्रियता दिखाते हुए अपेक्षित परिणाम हासिल करें। उन्होंने पैक्स कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में गति लाने तथा गो-लाइव हो चुकी पैक्स को हैण्ड-होल्डिंग सर्टिफिकेट यथाशीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। राजपाल ने कहा कि वास्तविक डेटा एवं एनसीडी पोर्टल पर उपलब्ध डेटा में अंतर को दूर करने के लिए नई गठित पैक्स का अविलम्ब रजिस्ट्रेशन करते हुए उन्हें फंक्शनल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गो-लाइव हो चुकी सभी पैक्स की ई-ऑडिट करवाई जाए। बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अब तक 5,154 पैक्स गो-लाइव हो चुकी है तथा 603 पैक्स की ऑनलाइन ऑडिट सम्पन्न हो चुकी है।

प्रमुख शासन सचिव ने नवीन डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटी के गठन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में संभाव्यता का आकलन कर आवश्यक होने पर लक्ष्यों में संशोधन करने हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया जा सकता है। उन्होंने निष्क्रिय समितियों के अवसायन के कार्य में भी गति लाने के निर्देश दिए। भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप निष्क्रिय समितियों के अवसायन की प्रक्रिया शीघ्र सम्पन्न की जानी है।

राजपाल ने विश्व की सबसे बड़ी अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत बन रहे गोदामों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए बारिश के मौसम से पूर्व यह कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
11 June 2025
A-B

## Making Every day Beautiful

National Making Life Beautiful Day is a special celebration held every year on June 11th. This day focuses on appreciating those who contribute to making our lives and the world around us more beautiful. Whether through creating art, building positive relationships, or simply doing one's job with care and dedication, each person can add something beautiful to the world. This celebration reminds us of the power of beauty to bring joy and happiness, not just on this particular day but every day. The day also serves as a reminder that beauty is not a superficial attribute but a deeply rooted aspect of our lives that can inspire joy, connection, and positivity.

#WONDERS

# What An Accident!

It took seven men and inflatable air bags to lift the boulder off as he drifted in and out of consciousness.

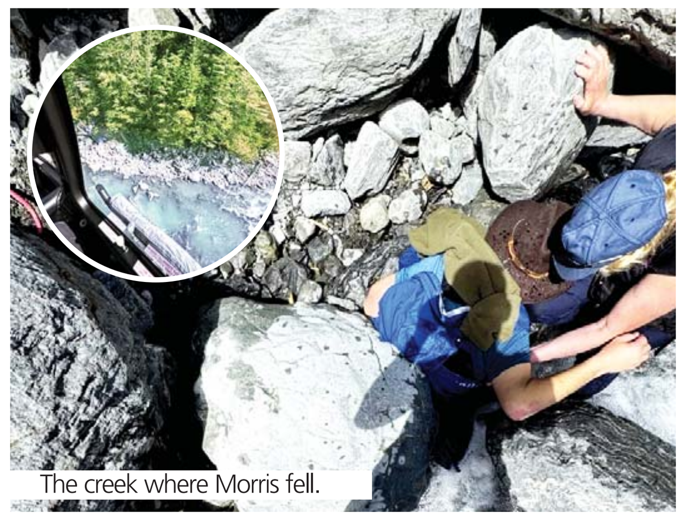

The creek where Morris fell.

An Alaska man, who was pinned face-down in an icy creek by a 700-pound (318-kilogram) boulder for three hours, survived the ordeal with only minor injuries, thanks in part to his wife's quick thinking and lots of luck.

Kell Morris' wife held his head above water to prevent him from drowning while waiting for rescuers to arrive after Morris was pinned by the boulder, which crashed onto him during a hike near a remote glacier south of Anchorage.

His second stroke of luck came when a sled dog tourism company, that operates on the glacier, overheard the 911 dispatch and offered up its helicopter to ferry rescuers to the scene, which was inaccessible to all-terrain vehicles.

Kell Morris, left, and his wife Jo Roop, in Sandpoint, Idaho. (Kell Morris via AP) Once rescuers arrived, it took seven men and inflatable air bags to lift the boulder off as he drifted in and out of consciousness.

Morris, 61, said he realizes he is probably the luckiest man alive. "And luckier that I have such a great wife," he said on Thursday.

His wife, Jo Roop, is a retired Alaska State Trooper. They moved to Seward, about 120 miles (193 kilometers) south of Anchorage, from Idaho last fall when she took a job with the local police department.

Last Saturday, they wanted to avoid the big crowds that converge on the Kenai Peninsula community during holidays and decided to hike near Godwin Glacier, on an isolated and undeveloped trail behind a state prison, Seward Fire Chief Clinton Crites said.

Their trail was actually a rocky creek bed, lined with large boulders deposited by the glacier.

Morris said that he noticed dangerous boulders, some weighing up to 1,000 pounds (454 kilograms), along the banks of the creek and avoided them the best he could, until he ran into an area he couldn't pass.

"I was coming back and everything, the whole side slid out from under me," he said.

This May 24, 2025, photo shows the creek near Seward, Alaska, where Kell Morris was trapped under a 700 pound rock. (Jason Harrington / Seward Fire Department via AP)

He said things became a blur as he tumbled down the embankment about 20 feet (6 meters), landing face down in the water. Then, he immediately felt that the boulder hit his back in what Crites described as 'basically an avalanche of boulders.' The way Morris landed, there were rocks under him, in between his legs and around him that caught the weight of the boulder, preventing him from being crushed, Crites said. But the massive rock still had him pinned, and Morris felt intense pain in his left leg and waited for his femur to snap.

"When it first happened, I was doubtful that there was going to be a good outcome," Morris said.

His wife tried to free him for about 30 minutes, putting rocks under the boulder and trying to roll it off him, before she left to find a cell signal.

Amazingly, she only had to walk about 300 yards (274 meters) to connect with 911 and relied on her law enforcement experience to send exact GPS coordinates to dispatch.

A volunteer at the neighbouring Bear Creek Fire Department heard the call while working at the sled dog tourism operation and diverted the helicopter used to ferry tourists to the scene. Ultimately, firefighters, who couldn't navigate their all-terrain vehicles over the boulder field, jumped out of the helicopter.

By this time, Morris was hypothermic from the cold water running off the glacier, Crites said, and his wife was holding his head out of the water. "I think if we hadn't had that private helicopter assist us, it would have taken us at least another 45 minutes to get to him, and I'm not sure he had that much time," Crites said. The firefighters used two air bags, normally reserved to extract people from wrecked vehicles, to slightly lift the boulder.

"But then, it just became an all-hands brute force of 'one, two, three, push,' " Crites said. "And seven guys were able to lift it enough to pull the victim out." An Alaska National Guard helicopter lifted them out of the creek bed with a rescue basket. Morris spent two nights at the local hospital for observation but walked away unscathed. "I fully anticipated a body recovery, not him walking away without a scratch on him," Crites said.

Morris, who is now reflecting on his ordeal at home, acknowledged it might have been a little wake-up call to stop doing things like this at his age. "I was very lucky. God was looking out for me," he said. When he and his wife go hiking this weekend, they are going to stick to established trails. "We're going to stop the trailblazing," he said.

Morris and his wife Jo Roop.

# Dharmakshema Made Buddhism Accessible To Chinese

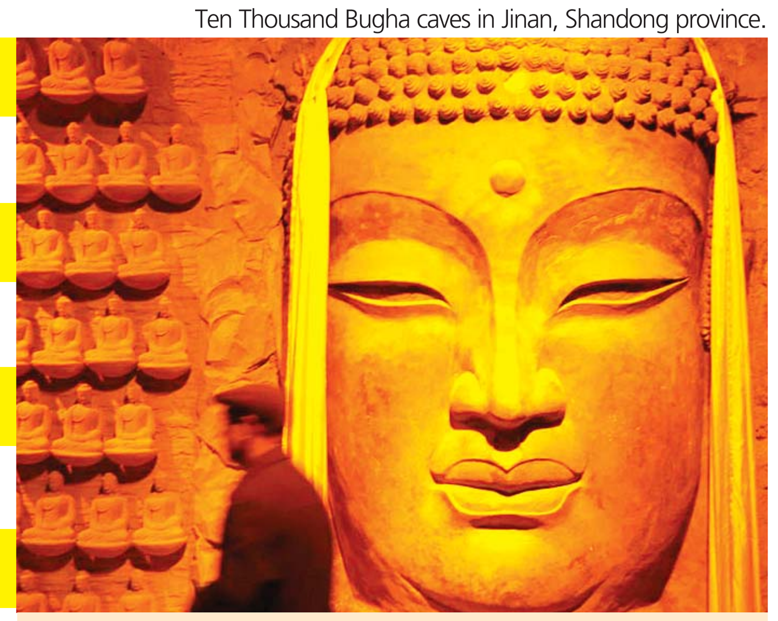

Ten Thousand Bugha caves in Jinan, Shandong province.

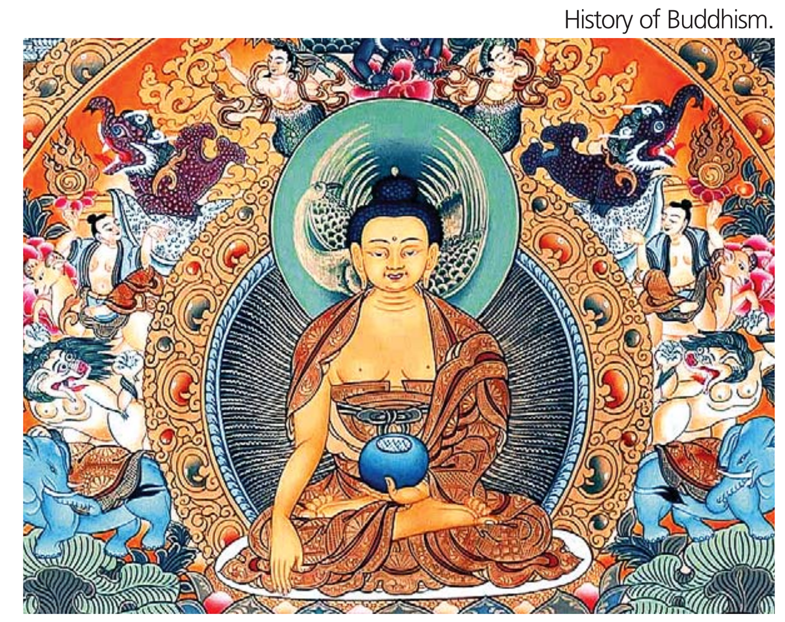

History of Buddhism.

The portrayal of Buddhist figures in art is deeply nuanced and layered, with different postures and colours signifying specific meaning.

Dunhuang was becoming a major Buddhist educational centre. "Owing to the geographical location of Dunhuang, a few eminent monks in history, going to and coming from the West, not only left their footprints, but also engaged in the translation of Buddhist scriptures here, e.g. Dharmaraksa (known as Dunhuang Bodhisattva), with his disciple Zhu Facheng, Kumarajiva the great translator, who also lectured on the Buddhist sutras and whose horse was commemorated with the White Horse being built, and Dharmakshema, the translator of Mahaparinirvana Sutra," Chinese scholars Chai Jianhong and Liu Jinbao write in their book *Dunhuang*.

#HISTORY

Ajay Kamalakaran

At a time when the concepts of nation-states, national borders and identity cards did not exist, the oasis town of Dunhuang in the Gobi Desert in north-west China was a melting pot of four great cultures: Chinese, Indian, Greek and Persian.

Traders, travelers, scholars, monks, missionaries from far and wide would navigate unforgiving landscapes and rough weather to reach this town, which eventually became a hub of Buddhism in Central Asia. Among those who made the journey was an Indian Buddhist monk by the name of Dharmakshema.

Buddhism had spread to China from India through the ancient Silk Road and was thriving in the country in the 4th century CE. When word got back to India that there was a demand in China for a deeper understanding of Buddhist doctrines, Dharmakshema knew he was the person to help. "Possessed of both eloquence and intelligence, Dharmakshema was broadly learned in both monastic and secular affairs and was well versed in mainstream Buddhist texts," says the Princeton Dictionary of Buddhism, edited by Robert E Buswell Jr and Donald S Lopez Jr.

### Journey to China

Much of what is known about Dharmakshema is thanks to the research of Jinhua Chen, a professor of East Asian Religions at the University of British Columbia in Vancouver, Canada. In a 2004 paper titled *The Indian Buddhist Missionary Dharmakshema (385-433): A New Dating of His Arrival in Guzang and of His Translations*, Chen translated Dharmakshema's biography by his collaborator, the monk Daolang. "The Indian sramana Tanmochen (Dharmakshema) was a native of Central India and a descendant of a Brahman family," Daolang wrote. "His natural gifts were outstanding and his understanding bright and penetrating."

Dharmakshema's interest in Buddhism is believed to have begun at the age of six under his first teacher, a Hinayana monk, by the name of Dharmayasas.

The Princeton Dictionary of Buddhism throws some light on Dharmakshema's journey to monkhood. "After he met a meditation monk named 'White Head' and had a fiery debate with him, Dharmakshema recognized his superior expertise and ended up studying with him," says the dictionary. "The monk transmitted to him a text of the *Mahaparinirvana Sutra* written on bark, which prompted Dharmakshema to embrace the Mahayana. Once he reached the age of 20, Dharmakshema was able to recite over two million words of Buddhist texts."

Many believed that Dharmakshema was an expert at casting spells. He could apparently draw water from a rock and was later called the *Great Divine Spell Master.*

"Carrying with him the first part of the Mahaparinirvana Sutra that he received from 'White Head,' he left India and arrived in the Kucha kingdom in Central Asia," says the Princeton Dictionary of Buddhism.

The ancient kingdom existed in what is today China's Xinjiang Uygur Autonomous Region. It was once a well-populated oasis in the Taklamakan Desert. "As the people of Kucha mostly studied Hinayana and did not accept the Mahayana teachings, Dharmakshema then moved to China and lived in the western outpost of Dunhuang for several years," the Princeton Dictionary says. His purpose in living in this cultural and trade hub, Daolang explains, was 'Buddhist teachings.' It was around this period that Dunhuang was becoming a major Buddhist educational centre. "Owing to the geographical location of Dunhuang, a few eminent monks in history, going to and coming from the West, not only left their footprints, but also engaged in the translation of Buddhist scriptures here, e.g. Dharmaraksa (known as Dunhuang Bodhisattva), with his disciple Zhu Facheng, Kumarajiva the great translator, who also lectured on the Buddhist sutras and whose horse was commemorated with the White Horse being built, and Dharmakshema, the translator of Mahaparinirvana Sutra," Chinese scholars Chai Jianhong and Liu Jinbao write in their book *Dunhuang.*

In the 5th century CE, when Dharmakshema arrived in Dunhuang, pilgrims from eastern China were learning 'Buddhist doctrines and stories from the graceful sculptures' in the city's Mogao Caves. "In ancient Chinese society, ordinary people were not educated enough to read and comprehend the scripts," Chai and Liu write. "However, the Buddhist teachings portrayed on the walls were concise and vivid, and therefore easy for them to understand."

Chai and Liu add, "The painters painted profound Buddhist doctrine and philosophy into popularised visual form, adopting familiar and adaptable methods of representation, particularly those that were suited to the acceptability and habit of the Chinese, taking into account the actual demand of ordinary people in their daily lives."

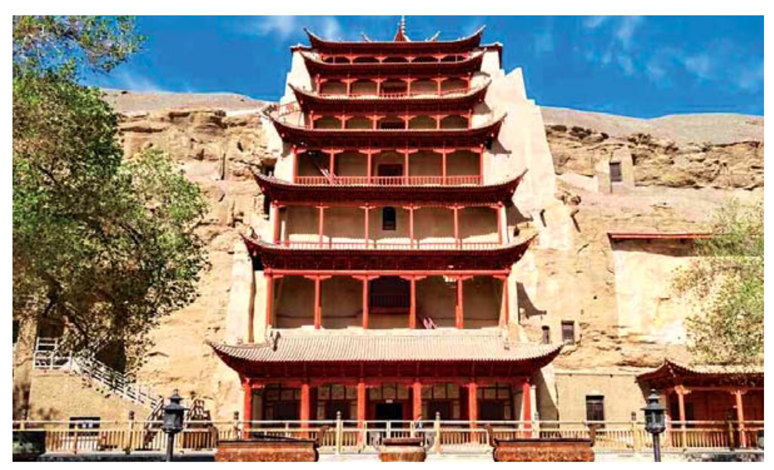

Mogao caves in Dunhuang.

> It is a fact that Juqu Mengxun ordered the killing of the Indian monk. The most widely accepted version of the killing story goes like this: Juqu Mengxun's rival Tuoba Tao admired Dharmakshema's esoteric expertise and requested the monk be sent to his country. This alarmed Juqu Mengxun, who thought that his rival may try to use Dharmakshema's skills against him and so had the monk assassinated. The Indian monk was 48 at the time of his death.

### Scholar and Sage

Dharmakshema totally immersed himself in the life of Dunhuang, living as a pilgrim and a highly respected monk. How long he spent there is not precisely known, but it must have been years, given that he would have had to master Chinese to a high level to translate Buddhist texts into it.

In one telling, his reputation in Dunhuang as a scholar and sage reached Juqu Mengxun, the ruler of a regional kingdom that invaded the oasis town around 420 CE.

"After spending several years in Dunhuang, he (Dharmakshema) went to Guzang (present-day Wuwei, Gansu), then the capital city of a regional regime known as the Northern Liang, first established by the Chinese Duan Ye and then taken over by the non-Chinese Juqu Mengxun," Chen writes. "Under the patronage of Juqu Mengxun, Dharmakshema engaged in a series of translation projects which resulted in a number of Chinese Buddhist texts."

These texts included the Mahaparinirvana Sutra, Suvarnaprabhasa Sutra and the Bodhisattva Bhumi. "Dharmakshema is also said to have been responsible for the first Chinese version of the Lankavatara Sutra, a text fundamental for the development of Chinese Chan Buddhism in its early period," writes Chen.

Dharmakshema's works exerted a big impact on Buddhism in China. He would first translate texts orally into Chinese, and then, the monks Daolang and Huigao would assist him in writing them down. Their translations were in great demand in large monasteries and ended up spreading far and wide across China.

Biographical sources suggest Dharmakshema left his work incomplete when he travelled to India after his mother's death and stayed back for a while. The journey was perilous. Apart from difficult terrain and erratic weather, travelers on the old Silk Road faced the threat of armed bandits. But Dharmakshema made it back to China and resumed his work.

### Lasting Legacy

Throughout his time in China, the Indian monk's reputation for casting magic spells followed him. "The Wei Shu (Official History of the Northern and Eastern Wei, 385-550), the only secular source about Dharmakshema, provides a very different image from that supported by his monastic biographical sources," says Chen. "We are told that Dharmakshema, a Buddhist monk from 'Kashmir,' entered Shanshan where he succeeded in seducing a royal sister called Mantoutuolin, probably thanks to his alleged skill in manipulating ghosts for medical purposes and his ability to increase women's fertility." As per this story, Dharmakshema fled Shanshan, a kingdom located near the northeastern end of the Taklamakan Desert, to the lands ruled by Juqu Mengxun. At first, Dharmakshema was treated like a sage, but when Juqu Mengxun came to know that the Indian monk was teaching sexual skills to female members of the royal house, he had Dharmakshema tortured and executed.

There is, of course, no way to verify this account. It is a fact that Juqu Mengxun ordered the killing of the Indian monk, but many sources believe that the ruler's reasons were political, not personal.

The most widely accepted version of the killing story goes like this: Juqu Mengxun's rival Tuoba Tao admired Dharmakshema's esoteric expertise and requested the monk be sent to his country. This alarmed Juqu Mengxun, who thought that his rival may try to use Dharmakshema's skills against him and so had the monk assassinated. The Indian monk was 48 at the time of his death.

"It is not clear how reliable this image of Dharmakshema as a performer of black magic is, although it is not unlikely that he had some thaumaturgic skills as did many other mediaeval monks," Chen says. Whatever the merit of the magic and sex stories, it is undeniable that Dharmakshema fostered a deeper understanding of Buddhism in China. He is remembered today for his translations, especially of the Mahaparinirvana Sutra, which had a great impact on the development of Chinese Buddhist thought. The concept of fóxìng or Buddha-nature, the idea that all sentient beings possess the potential to become a Buddha, or already have a pure Buddha-essence within them, first appeared in Chinese in the Indian monk's translation of the Mahaparinirvana Sutra. Like several other visitors from ancient India, Dharmakshema was a cultural bridge between the two great civilisations. Sixteen centuries later, his legacy is still widely celebrated in Dunhuang, western China's historical and cultural centre of Buddhism.

rajeshsharma1049@gmail.com

Sutra of the great virtue of wisdom.

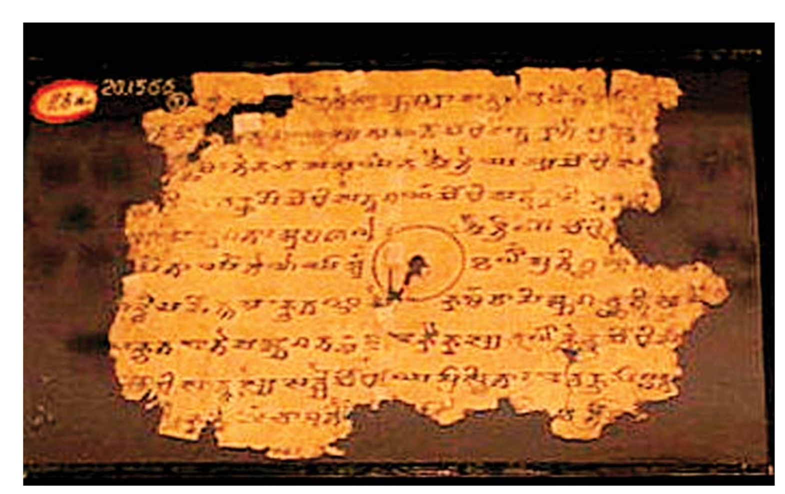

Lotus Sutra fragment.

#J'ADORE

# Men Got A Wardrobe

Apparel for men has always been limited and there was no room for experimentation! Wrong!

Clothing for men is not just buying something monotonous but making a choice from an exceptional range of styles available. The choices women have for ethnic clothing are never-ending. From ghagras and lehengas to sarees, women have always had the luxury of overwhelming clothing options. The same cannot be said for men. Apparel for men has always been limited and there was no room for experimentation for the longest time but not anymore! With more significance being given to men's clothing, new designs and trends have emerged. Now, clothing for men is not just buying something monotonous but making a choice from an exceptional range of styles available. Here is a guide to keep you up to date with all the latest happenings in the men's clothing world.

### White Bottom

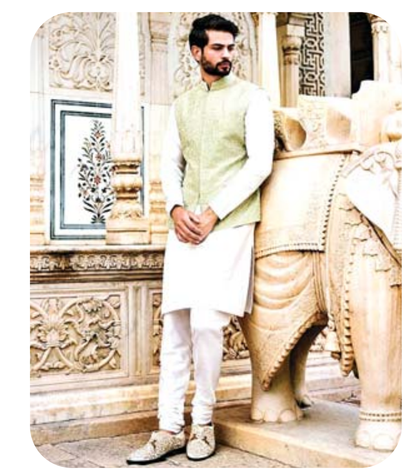

White is a safe yet trendy colour. You can never go wrong with white bottoms. This is because, in the huge spectrum of colours, white gets along with almost everything. Whether they are bright colours like red and yellow, or duller ones like cream and grey, white is perfect. When in doubt, choose white.

### Go Pastel

If you are looking for something that catches people's eye, basic colours have long gone out of fashion. Red, orange, yellow and blue can definitely make a kurta look great but they are simply overpowered by the pastel colours. Considering that most people wear regular colours, pastels are perfect for you to stand out in a room.

### Silk Jacquard Kurta

If you do not own one of these, you are definitely behind the game. The Silk Jacquard Kurta is one of most rich looking dresses for men. Its smooth texture and pleasant colours make it an instant hit with the people. If the kurta feels too simple, you can pair it with a printed overcoat and simply rock the look!

### Dupattas

Dupattas can come to the rescue of many outfits. When the overall look of a dress looks boring, pairing it with a brighter dupatta can make all the difference! Adding a different colour dupatta to a bright outfit can make the outfit look striking to the eyes. Another great thing about dupattas is that they look good over dhotis, pyjamas and chudidars as well.

### Ethnic Prints

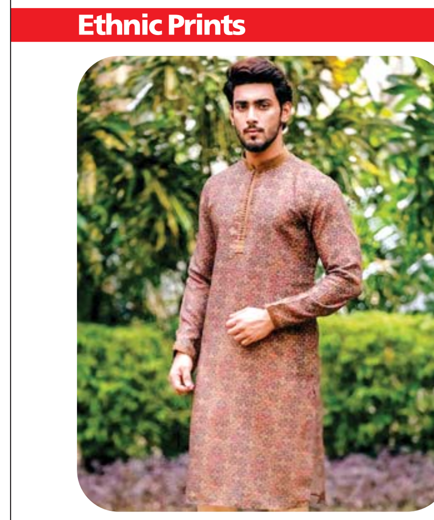

Ethnic wear for regular days is an option that men did not have for a long time. A regular men's kurta with a traditional print is in vogue this season. A simple bottom with printed kurta is comfortable for day-to-day activities. This attire is perfect for any man who is looking for a break from the regular daily outfits. It is out of the box and yet sophisticated.

### A Waist With a Dhoti

Dhotis have played an integral part in the clothing history of India. To make the dhoti look a little modern and stylish, you can wear it with a waistcoat. Waistcoats can be plain or printed and are usually worn with dhotis or chudidars. Wearing a contrasting waistcoat is the perfect look for weddings and festivals.

### The Royal Jodhpuri Suits

The most commonly wore, Jodhpuri suits are perfect for all occasions that call for a traditional look. The Jodhpuri suits are adorned with intricate embroidery and rich colours. The suit gives a structure to anyone wearing it and gives a regal look. This Rajasthani dress is undoubtedly the grandest of all the other apparel available for men.

## THE WALL

## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

# "वंदे गंगा अभियान" से जुड़कर जल संरक्षण कार्यों में भागीदारी निभायें : वन मंत्री

## बांध बनने से अलवर के एक दर्जन से अधिक वार्डों के भूजल स्तर में वृद्धि होगी : वन मंत्री

नवीन प्रस्तावित बांध क्षेत्रों का वन मंत्री संजय शर्मा ने निरीक्षण किया।

- **वन मंत्री संजय शर्मा ने निदानी बांध एवं नव प्रस्तावित बांध क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया**

**अलवर,** (निसं)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने मंगलवार को निदानी बांध व क्षेत्र में प्रस्तावित नये बांध क्षेत्रों, प्रताप बांध के आसपास के जरखवाला नाला, भूरासिद्ध क्षेत्र का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

वन राज्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान वन विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रस्तावित तीनों बांध क्षेत्रों में बांध निर्माण के कार्यों को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर गति प्रदान करें। इसके लिए वन विभाग द्वारा अनापत्ति यथाशीघ्र जारी की जा रही है। इन बाधों के निर्माण के लिए तकनीकी प्रस्ताव तैयार करने तथा निविदा प्राप्ति आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नवीन तीन बांध बनने से अलवर के एक दर्जन से अधिक वार्डों के भूजल स्तर में वृद्धि होगी। इससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा तथा पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस दौरान मंत्री शर्मा ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये कि प्रतापबांध की डी-शिल्टिंग कराने के प्रस्ताव बनाकर विभाग की स्वीकृति प्राप्त कर डी-शिल्टिंग के कार्य को पूर्ण करावें। उन्होंने उप वन संरक्षक को बांध की पाल को मजबूती देने के साथ ही बांध की डी-शिल्टिंग कराने व प्रवाह क्षेत्र के अवरोध हटवाने एवं साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने आडापाडा हनुमान मंदिर के पास विकसित की जा रही घास नर्सरी का निरीक्षण कर वन विभाग सरिस्का द्वारा किए जा रहे नवाचार की प्रशंसा की। इस अवसर पर उप वन संरक्षक अभिमन्यु सहारण ने बताया कि वन मंत्री संजय शर्मा के निर्देशन पर नवाचार के रूप में घास नर्सरी को विकसित कर इसमें तैयार घास को वन क्षेत्र में लगाया जाएगा। इस मौके पर मंत्री ने कहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले भर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों में आमजन अपनी सक्रिय भागीदारी कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में अपनी महती भूमिका अदा करें।

इस दौरान डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण, नगर निगम के पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर, नगर निगम के अधिशाषी अभियन्ता खेमराज मीणा व सहायक अभियन्ता मुकेश तिवारी, सतीश यादव, पर्यावरणविद् राजेश कृष्ण सिद्ध, विजय गौड, सागर यादव मौजूद रहे। इसके अलावा वन मंत्री शर्मा ने एलआईटी कॉलेज परिसर में आयोजित हो रहे अलवर सांसद खेल उत्सव के समर कैम्प में शिरकत की और खिलाड़ियों को पूर्ण मनोयाग से प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया। शर्मा ने अलवर मार्बल डीलर एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत कर नव गठित कार्यकारिणी के सदस्यों को शुभकामनायें दी।

# हत्या और रेप के आरोपी के आश्रम पर बुलडोजर चलाया

- **आरोपी श्रीभगवान सोनी ने सरकारी जमीन पर आश्रम बना रखा था, अफीम के पौधे भी उगा रखे थे**
- **पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधि आरोपी के बनाए आश्रम पर पहुंचे और कार्रवाई की**

**बीकानेर,** (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के एक क्षेत्र में तीस साल पहले पांच जनों की हत्या और हाल में दो नाबालिग बच्चियों के साथ रेप करने के आरोपी श्रीभगवान सोनी के आश्रम पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया है। तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान पता चला कि आरोपी ने अफीम के पौधे भी लगा रखे थे। ऐसे में ये तीसरा मामला भी आरोपी के खिलाफ दर्ज हो सकता है।

पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधि मंगलवार सुबह आरोपी के बनाए आश्रम पर पहुंचे। मौके पर सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। प्रशासनिक टीम भी मौके पर मौजूद रही और अतिक्रमण ध्वस्त किया गया। आरोपी ने गोचर के लिए संरक्षित जमीन पर अतिक्रमण कर रखा था। ऐसे में उपखंड अधिकारी उमा मित्तल और तहसीलदार कुलदीप मीणा के आदेश के बाद टीम ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया। जेसीबी मशीन से उसके बनाए कच्चे निर्माण कार्य भी तोड़ दिए गए। इस दौरान एक दो कमरे और एक-दो छपरे भी तोड़ दिए। सारा सामान वहां से तोड़कर किनारे कर दिया गया।

इस दौरान एक जगह पुलिस को कुछ पौधे मिले हैं, जो अफीम के बताए जा रहे हैं। जांच के बाद ये अफीम के पौधे मिले तो इस पर अलग से कार्रवाई की जाएगी। मौके पर तहसीलदार कुलदीप मीणा की अगुवाई में गिरदावर रामनिवास पांडिया, पटवारी सीताराम नाई, ओमप्रकाश सेरडिया, जयप्रकाश मीणा, अजय सैनी सहित ग्राम विकास अधिकारी सुनील कुमार शामिल है। इस अपराधी के खिलाफ ग्रामीण दबी जबान में कई अन्य अपराधों की भी बात कह रहे हैं, जो पुलिस जांच में सामने आएंगे।

# झोपड़ी में आग लगी, महिला जिंदा जली

- **दूसरी ढाणी में गए पति और तीन बच्चे बचे, 11 साल पहले हुई थी शादी**

**नोखा,** (निसं)। यहां भादला गांव से करीब दो किलोमीटर दूर, सोहन नगर सरकारी स्कूल के पास एक झोपड़ी में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से झोपड़ी में चारपाई पर सो रही 32 वर्षीय महिला की जलकर मौत हो गई। सूचना मिलने पर पांचू थानाधिकारी रामकेश मीणा मौके पर पहुंचे।

एसएचओ मीणा ने बताया कि भादला रोही स्थित भोमाराम कुम्हार की ढाणी में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखकर आस-पड़ोस के ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे। आग ने झोपड़ी को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। उस समय भोमाराम और उसके तीन बच्चे दो सौ मीटर दूर अपने पिता मांगीलाल की ढाणी गए हुए थे। आग की लपटें देखकर वे भी भागकर मौके पर पहुंचे। तब तक ग्रामीण आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने गांव से पानी का टैंकर भी मंगवाया। करीब एक घंटे बाद जब टैंकर पहुंचा, तब तक सब कुछ जल चुका था। अंदर मांगीलाल की 32 वर्षीय पत्नी आशा सो रही थी। आग बुझने के बाद उसका शव चारपाई पर ही जला हुआ मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पांचू सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतका की शादी 2013 में हुई थी और उसके तीन बच्चे हैं। पुलिस ने घटना की हर पहलू से जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# पुत्र ने की पिता की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

**उदयपुर,** (कासं)। जिले के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान पुत्र ने पत्थर से हमला कर पिता की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार खेरवाड़ा कस्बे के खानमीन गांव निवासी बाबूलाल पुत्र शंकरलाल ने आपसी विवाद को को लेकर कहासुनी होने पर पत्थर से हमला कर अपने पिता शंकरलाल (55) पुत्र हिराजी मीणा पर हमला कर फरार हो गया, जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर हत्या करने वाले मृतक के पुत्र बाबूलाल पुत्र शंकरलालक को गिरफ्तार किया, जिससे पूछताछ की जा रही है।

# निगम ने अतिक्रमण हटाया, शांतिभंग में पार्षद को पकड़ा

- **अवैध रूप से बनाई गई दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया**

**जोधपुर,** (कासं)। रातानाडा भाटी सर्किल के पास मंगलवार सुबह निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने अतिक्रमण हटाया। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशों की पालना में शहर में किए गए कब्जों व अतिक्रमणों की हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। एक दिन पहले नगर निगम ने उम्मेद सागर बांध के पास कैचमेंट एरिया में किए गए अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की थी। इसी कड़ी में मंगलवार सुबह निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने रातानाडा भाटी सर्किल के पास अतिक्रमण हटाया। अवैध रूप से बनाई गई दुकानों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया। इस दौरान यहां पार्षद को भी पुलिस शांतिभंग में अपने साथ पकड़कर ले गई।

रातानाडा क्षेत्र में वाहन चालक यूनियन की प्याऊ के पास स्थित दुकानों को निगम के दस्ते ने ध्वस्त कर दिया। हालांकि निगम दस्ते को दुकानदारों का विरोध भी सहना पड़ा। उनका आरोप था कि निगम की तरफ से उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया। वहीं सामान हटाने की भी मोहलत नहीं दी। बताया गया है कि पार्षद ललित गहलोत ने भी अतिक्रमण हटाने आई टीम से आधे घंटे की मोहलत मांगी थी ताकि लोगों का सामान हटा सके, लेकिन निगम अधिकारियों ने उनकी एक नहीं सुनी और विरोध जताने पर पुलिस पार्षद को भी पकड़कर साथ ले गई। हालांकि बाद में उन्हें थाने में जमानत पर छोड़ दिया। इस दौरान पूर्व विधायक मनीषा पंवार भी थाने पहुंची। इधर निगम के दस्ते ने जेसीबी की मदद से सारी दुकानों व अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया।

# प्रदेश का सबसे गर्म जिला श्रीगंगानगर रहा

- **श्रीगंगानगर में 47.3, बीकानेर 45.8 और चूरू 45.6 डिग्री पारा रिकार्ड किया**

**बीकानेर,** (निसं)। संभाग के अधीन चार जिले आते हैं। हनुमानगढ़ को छोड़ तीनों जिले प्रदेश के टॉप थ्री गर्म जिले रिकार्ड किए गए। इसमें सबसे ज्यादा श्रीगंगानगर में 47.3, बीकानेर 45.8 और चूरू 45.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। हैरानी की बात ये है कि बीकानेर की तहसील लूणकरणसर का पारा 44.1 डिग्री रिकार्ड किया गया। लगातार दो दिन से बीकानेर संभाग के जिले ही प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में शुमार हैं। रविवार को भी श्रीगंगानगर 47 डिग्री पार तापमान था और सोमवार को भी प्रदेश का सबसे गर्म जिला श्रीगंगानगर रहा। बीकानेर रविवार को भी प्रदेश का दूसरा गर्म जिला था जब पारा 46 डिग्री था और सोमवार को भी दूसरा गर्म जिला रहा। मगर जो चूरू रविवार को चौथे नंबर पर था वो सोमवार को तीसरा गर्म जिला बन गया। यानी बीकानेर संभाग प्रदेश का सबसे तपता हुआ संभाग बन गया। अमूमन ये माना जाता है कि शहर में पारा ग्रामीण इलाके की तुलना में कम होता है क्योंकि यहां बसावट घनी है और गांवों में खुली हवा लगती है, लेकिन लूणकरणसर में बीकानेर से करीब 1.5 डिग्री कम पारा रिकार्ड किया गया।

# पुराने स्टाफिंग पैटर्न के प्रावधान अभी तक लागू नहीं, नए की तैयारी

- **2015 में लागू हुए पुराने और नए स्टाफिंग पैटर्न के प्रावधानों में ज्यादा अंतर नहीं है**
- **शिक्षक संगठनों द्वारा लम्बे समय से स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा की मांग की जा रही है, लेकिन विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है**

**बीकानेर,** (निसं)। शिक्षा विभाग के माध्यमिक सेटअप में नए प्रस्तावित स्टाफिंग पैटर्न की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि 2015 में लागू हुए पुराने और नए स्टाफिंग पैटर्न के प्रावधानों में ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों में ही लगभग हूबहू स्टाफिंग पैटर्न है। लेकिन स्टाफिंग पैटर्न के मापदंडों अनुसार पदों का सृजन किया जाना जरूरी है। बिंदु 5.4 के अनुसार प्रति दो वर्ष बाद स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा करते हुए विद्यालय के नामांकन अनुसार पदों का निर्धारण करने का प्रावधान पहले भी था, अब भी है, जबकि 10 वर्ष में एक बार भी स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा नहीं हुई है। 2021 के बाद क्रमोन्नत 6 हजार उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 4 साल बाद भी ऐच्छिक विषय व्याख्याताओं के पदों की स्वीकृत नहीं मिली है। जबकि विद्यालय क्रमोन्नत होते ही प्रथम वर्ष ही व्याख्याता पदों की स्वीकृति का पुराने और नए स्टाफिंग पैटर्न में प्रावधान है।

ये बिन्दु 6.1 पुराने में भी था व नए पैटर्न में भी हूबहू है। लेकिन स्टाफिंग पैटर्न की पालना नहीं हो रही है। वहीं 2013 के बाद क्रमोन्नत हुए किसी भी विद्यालय में अनिवार्य विषय के व्याख्याता पद सृजित नहीं किए गए हैं। स्टाफिंग पैटर्न की पालना करते हुए नामांकन अनुसार पदों की स्वीकृति की जानी चाहिए। शिक्षक संगठनों द्वारा लम्बे समय से स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा की मांग की जा रही है। लेकिन विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसकी पालना करने से बड़ी संख्या में भाषा विषयों हिंदी व अंग्रेजी के वरिष्ठ अध्यापक पदों के स्थान पर व्याख्याता पद मिलने की संभावना है।

10 साल पहले राज्य के माध्यमिक सेटअप में स्कूलों की संख्या 13751 थी। इनमें 43.91 लाख अभ्यर्थी अध्यनरत थे। वर्तमान में उच्च माध्यमिक स्कूलों की संख्या बढ़कर 19737 पर पहुंच चुकी है। राज्य में उच्च माध्यमिक स्कूलों की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ ही इन स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थियों का आंकड़ा भी अब 54.16 लाख पर पहुंच चुका है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने वर्ष 2022-23 में सभी 3832 माध्यमिक स्कूलों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत कर दिया गया था। अब माध्यमिक सेटअप के सभी 19737 स्कूल उच्च माध्यमिक स्तर के है।

महेन्द्र पाण्डे, मुख्य महामंत्री, राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का कहना है कि स्टाफिंग पैटर्न से हजारों नए पद मिलने की संभावना है। नए क्रमोन्नत व पुराने समस्त स्कूलों में स्टाफिंग पैटर्न के तहत निर्धारित पद वित्त विभाग से स्वीकृत करवाने के बाद ही शिक्षकों को अधिशेष, समायोजन, पदस्थापन प्रक्रिया प्रारम्भ की जानी चाहिए।

# जैसलमेर दुर्ग की नीव दिखी

**जैसलमेर,** (नि.सं.)। 869 वर्ष पुराने विश्व विख्यात जैसलमेर दुर्ग के प्रथम द्वार अखे प्रोल के राइट साइड में बने चुग्गा घर को नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा द्वारा हटवाया जा रहा है। मंगलवार को शहर की जनता ने जैसलमेर आराध्य देव श्रीलक्ष्मीनाथ जी के दर्शन करने जाते समय देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ। नगरपरिषद द्वारा करवाई गई खुदाई में दुर्ग की नींव दिखने लग़ी है।

पूर्व में 2001 में इसी दीवार के समीप गिरी दीवार में एक जने की दबने से मृत्यु हो चुकी है, फिर भी परिषद् द्वारा जोखिम भरा कार्य बिना पुरातत्त्व विभाग की अनुमति के कराया जा रहा है। नगरपरिषद आयुक्त लजपालसिंह सोढा ने बताया कि चुग्गा घर में तिरंगा लगा हुआ था, जिसे हटाने की अनुमति केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत से ली गई है। अब चुग्गा घर हटाने की अनुमति पुरातत्त्व विभाग से लेने की आवश्यकता नहीं रही है। नगरपरिषद कोई कमरा नहीं बना रही जिसकी पुरातत्त्व विभाग से परमिशन ली जावे।

# जिला उपभोक्ता आयोग ने पब्लिशर को दोषी माना

- **प्रतियोगी पुस्तक में त्रुटियों का मामला, बीस हजार का जुर्माना लगाया**

**अजमेर,** (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अजमेर ने प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तक में गलत जवाब छापने के मामले में पब्लिशर के खिलाफ सख्त फैसला सुनाया है। आयोग ने जयपुर स्थित आरबीडी पब्लिकेशन को आदेशित किया है कि वह अजमेर निवासी छात्रा शिप्रा अग्रवाल को किताब की राशि 373 रुपये 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाए। साथ ही मानसिक परेशानी के लिए 10 हजार रुपए मुआवजा दे और 10 हजार रुपए उपभोक्ता कल्याण कोष में बतौर हर्जाना भी जमा करवाए। आयोग के अध्यक्ष अरुण कुमावत, सदस्य दिनेश चतुर्वेदी व जयश्री शर्मा की बेंच ने फैसला सुनाया है।

छात्रा के वकील तरूण अग्रवाल ने शिकायत में बताया कि शिप्रा ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए फ्लिपकार्ट से सामान्य ज्ञान किताब खरीदी थी, जिसमें कई जगह उत्तर गलत थे। एक ही प्रश्न के अलग-अलग उत्तर दिए गए थे, जिससे पढ़ाई में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। छात्रा ने आरोप लगाया कि किताब के गलत जवाबों पर भरोसा कर उसने तैयारी की, जिससे उसका भविष्य खतरे में पड़ सकता है। पब्लिशर ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि किताब में डिस्क्लेमर छपा है, जिसमें किसी भी गलती की जिम्मेदारी से खुद को अलग बताया है। साथ ही किताब के तथ्यों को उचित स्रोतों से संकलित करने की बात भी कही, लेकिन आयोग ने यह दलील खारिज कर दी और माना कि प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबों में शुद्धता सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। फैसले में आयोग ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में एक अंक भी अभ्यर्थी के भविष्य को प्रभावित करता है। ऐसे में यदि किताब में गलत जानकारी दी जाए, तो यह सेवादोष है और छात्रों के साथ अन्याय है।

आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि प्रकाशक भविष्य में किताबों की शुद्धता और प्रमाणिकता सुनिश्चित करें, विषय विशेषज्ञों से सामग्री की समीक्षा कराएं और किसी गलती की स्थिति में वेबसाइट व अन्य माध्यमों से सुधार की सूचना जारी करें। आयोग ने उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए यह भी अनुशंसा की कि प्रतियोगी पुस्तकों के प्रकाशन में गंभीरता बरती जाए और त्रुटि पाए जाने पर पाठकों को शीघ्र सूचना मिले।

# छह लाख का सामान चोरी

**अजमेर,** (कासं)। शहर में सक्रिय चोर गिरोह ने पुष्कर रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पर बने गोदाम में चोरों ने धावा बोलते हुए गोदाम के ताले तोड़कर करीब 6 लाख रुपए कीमत के सामान और मशीनरी चुराकर फरार हो गए। चोरी का पता तब चला, जब निर्माण कार्य से जुड़ी फर्म के इंजीनियर ने गोदाम का निरीक्षण किया। चोरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है।

एसटीपी प्लांट पर कार्य करने वाली विजन कन्स्ट्रक्शन कंपनी रामगढ़ शेखावटी के प्रतिनिधि धर्मेंद्र सैनी ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में सैनी ने पुलिस को बताया कि कंपनी द्वारा पानी की टंकी (ओवरहेड टैंक) का कार्य किया जा रहा था। इसमें उपयोग में आने वाला स्टेजिंग, स्टरिंग और अन्य लोहे का सामान पास बने गोदाम में सुरक्षित रखा गया था। इंजीनियर के साथ जब वे गोदाम पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ है और अंदर रखा सामान गायब था।

**राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को अजमेर के पास तीर्थराज पुष्कर पहुंचकर जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किए तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। ब्रह्मा मंदिर पहुंचने पर मंदिर प्रशासन एवं पुजारी वर्ग द्वारा राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का पारंपरिक स्वागत किया गया। मंदिर के महंत एवं पुजारियों ने उन्हें ब्रह्मा मंदिर की ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्ता की जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि पुष्कर धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ राजस्थान की आध्यात्मिक पहचान भी है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़, उपखंड अधिकारी गौरव मित्तल, ब्रह्मा मंदिर के पुजारीगण सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।**

# बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों का सहायक अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन

## प्रतिनिधि मंडल को सहायक अभियंता कार्यालय में बुलाकर वार्ता कराई, प्रदर्शन समाप्त किया

रेबारपुरा मोहल्ले के लोगों ने बिजली की समस्या को लेकर एईएन कार्यालय मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया।

- **पीड़ित लोग काफी समय से बिजली की समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों से मिल चुके हैं, मगर समस्या का समाधान नहीं हुआ**

**राजगढ़,** (निसं)। नगर पालिका क्षेत्र के रेबारपुरा मोहल्ले के महिला-पुरुषों ने बिजली की समस्या को लेकर एईएन कार्यालय मुख्य गेट पर मंगलवार सुबह ताला लगाकर प्रदर्शन किया। ग्रामीण महिला और पुरुषों की ओर से मुख्य गेट पर प्रदर्शन की सूचना पर थाना प्रभारी राजेश मीणा मौके पर पहुंचे, उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाइश की, मगर बात नहीं बनी। इसके पश्चात प्रतिनिधि मंडल को सहायक अभियंता कार्यालय में बुलाकर वार्ता कराई। सहायक अभियंता के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त किया।

पीड़ित लोग काफी समय से बिजली की समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों से मिल चुके हैं, मगर समस्या का समाधान नहीं होने के कारण लोगों को प्रदर्शन करना पड़ा। वार्ड नंबर 24 के पार्षद धर्म सिंह रेबारी एवं ग्रामीणों ने बताया कि बहुत पहले रेबारपुरा क्षेत्र राजगढ़ शहर की सप्लाई से जुड़ा हुआ था, मगर काफी समय से इस माइक्रो फीडर से जोड़ दिया गया। इसके बाद से आए दिन फाल्ट एवं तीन-चार दिन तक लगातार बिजली नहीं आने की समस्या से परेशान हैं। दूसरी ओर विद्युत लाइन के नीचे तारों से हमेशा मवेशियों सहित आमजन को करंट आने का खतरा मंडराता रहता है। विद्युत वितरण निगम में अनेक बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

इधर रात्रि को समस्या को लेकर आए लोगों को विद्युत वितरण निगम कार्यालय में शराब के नशे में कर्मचारी से रिस्पांस नहीं मिलने से समस्या और गंभीर हो गई। सहायक अभियंता की कार्यप्रणाली से नाराज लोगों ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पीड़ित लोगों ने आरोप लगाए कि विद्युत वितरण निगम में शिकायत से लेकर समस्या समाधान के बारे में कोई फोन नहीं उठाता।

# सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

**भीलवाड़ा,** (निसं)। सामाजिक सरोकार के तहत विगत 6 वर्षों से निशुल्क विवाह सम्मेलन संपन्न कराने वाले मंसूरी ब्रदर्स ने मंगलवार को परंपरागत तौर पर अपना सातवां सामूहिक निशुल्क विवाह सम्मेलन गुल अली बाबा की दरगाह पर संपन्न करवाया। मंसूरी बिल्डर्स के संस्थापक इमामुद्दीन मंसूरी ने बताया कि मंसूरी ब्रदर्स की ओर से गुल अलीबाबा के आस्ताने पर पूर्व प्रतिपक्ष नेता अब्दुल सलाम मंसूरी की सदारत में संपन्न हुए निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में उदयपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़ एवं पाली सहित भीलवाड़ा जिले के 11 जोड़ों को स्थानीय मस्जिदों के इमाम एवं मौलानाओं ने फजर की नमाज के बाद निकाह पढ़ाया। कार्यक्रम के प्रबंधक उमर मंसूरी ने बताया कि मंसूरी बिल्डर्स की ओर से हुए विगत 6 सामूहिक विवाह सम्मेलन में उनके परिवार के सदस्यों का निकाह भी अन्य जोड़ों के साथ ही संपन्न करवाया गया था, मगर अब उनके परिवार में कोई बालिग विवाह योग्य नहीं होने के कारण मंसूरी परिवार ने हर माह 11 जोड़ों का निशुल्क विवाह संपन्न कराने का निर्णय लिया है और अगला सामूहिक विवाह सम्मेलन आगामी 13 जुलाई रविवार को भीलवाड़ा में ही आयोजित किया जाएगा।

## संक्षिप्त

### योजनाओं की दी जानकारी

**निवाई।** महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को पुलिस थाना परिसर में स्थित महिला सुरक्षा सलाहकार केंद्र में साथिनों की कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम का आयोजन सहायक निदेशक मैरिंगटन सोनी के निर्देशन में किया गया। कार्यशाला में ब्लॉक सुपरवाइजर मीरा चौधरी ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, निशुल्क आरएससीआईटी, आरएससीएफए, आरएससीएसईपी और शिक्षा सेतु योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर जेंडर स्पेशलिस्ट भावना सक्सेना ने लाडो प्रोत्साहन योजना और सखी वन स्टॉप सेंटर के बारे में विस्तार से बताया। पन्नाधाय सुरक्षा सलाहकार केंद्र से आशा शास्त्री, अरुणा शर्मा और सविता गुर्जर मौजूद रही। कालिका पेट्रोलियम टीम की सदस्य अनिता चौधरी ने राजकॉप ऐप और आपातकालीन नंबरों की जानकारी दी। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र से सामाजिक काउंसलर सुनीता शर्मा ने केन्द्र के कार्यों की जानकारी दी।

### मेडिटेशन शिविर का ध्यान साधना के साथ समापन

**टोंक।** हार्ट फुल नेस संस्था हैदराबाद, श्री व्यापार संघ जवाहर बाजार एवं भारत विकास परिषद टोंक के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय मेडिटेशन एवं योग शिविर का आज नेहरू पार्क टोंक मे सहज ध्यान साधना के साथ समापन हुआ। प्रारम्भ मे दिनेश गुप्ता और संभागियों द्वारा अतिथियों का माला व अंग वस्त्र पहिनाकर स्वागत किया गया। इस मोके पर जयपुर से पधारे डा विवेक रूंगटा ने ध्यान की क्रियाओं के माध्यम से दिल को स्वस्थ रखने के तरीके बताये। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्र वीर सिंह चौहान तथा पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन ने भी सम्बोधित करते हुए योग व ध्यान का जीवन मे महत्व बताया। इस दौरान बडी संख्या मे योग साधको ने मेडिटेशन के बारे में जाना। शिविर में प्रमुख रुप से योग गुरु शम्भू दयाल शर्मा, व्यापार संघ अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद काला, सचिव राधेश्याम शर्मा, ओम प्रकाश गुप्ता, ओम प्रकाश खंडेलवाल एवं बडी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

### राजेश पायलट की पुण्यतिथि आज

**टोंक।** पूर्व केंद्रीय मंत्री, किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की 25वीं (पुण्यतिथि) प्रेरणा दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा आज प्रातः 7.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय टोंक पर स्वर्गीय राजेश पायलट के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे। तत्पश्चात वैष्णो देवी मंदिर बनास नदी टोंक से सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा के नेतृत्व में दौसा (भडाणा) में होने वाली प्रार्थना सभा के लिए रवाना होंगे।

### जल संरक्षण के लिए एनीकट का लोकार्पण

**कोटपूतली।** वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत पंचायत समिति बानसूर की ग्राम पंचायत सबलपुरा के ग्राम मंगलवा में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामजनों को वंदे गंगा जल संरक्षण– जन अभियान के बारे में अवगत कराया गया।


**भावभीनी श्रद्धांजलि**

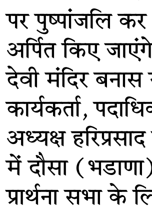

हम आरदरणीय श्रीमती पुष्पा भाटिया के आकस्मिक गोलोकवास पर हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

**श्रद्धावनत-** उमेश भाटिया-भावना भाटिया (पुत्र-पुत्रवधु), कीर्ति, रोहित भाटिया, पूनम-दिनेश भाटिया (आशू) (पुत्री-दामाद), पाविका (पौती), विश्वास, तनिष्क (दोहिते) एवं समस्त भाटिया परिवार।

**नम्बर मिलाइए 9587884433**

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


# देवडावास में रूफ टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का शिलान्यास

**टोंक।** देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने मंगलवार को उपखंड देवली की ग्राम पंचायत देवडावास में वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान के तहत एमजेएसए 2.2 के द्वितीय चरण के तहत रूफ टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के शिलान्यास और पौधारोपण किया। साथ ही, ग्रामीणों से संवाद कर उनकी परिवेदनाओं को सुनकर

■ वंदे-गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले भर में हो रहे विविध कार्यक्रम

निस्तारण किया। इस दौरान गुर्जर ने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। विधायक ने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और जल संचयन पर जोर दिया।

इसी क्रम में सीईओ परशुराम धानका ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति सदैव जल संरक्षण की रही है। यदि आज हम पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझेंगे तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा। सतीश चंदेल ने प्रकृति संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए और जल स्त्रोतों के आसपास अतिक्रमण को हटाने एवं अपने आसपास के वातावरण को प्रदूषित रहित रखने पर जोर दिया। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं को तुलसी के पौधे वितरित किये गए। उपखंड अधिकारी देवली मनोज कुमार मीणा ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायत देवडावास में वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान के तहत एमजेएसए 2.2 के द्वितीय चरण के तहत रूफ टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का शिलान्यास किया।

## 'व्यक्ति अपने मूल उद्देश्य के साथ चलें'

**निवाई।** विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में माध्यमिक सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित आचार्य अभ्यास वर्ग के बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मंत्री शिवप्रसाद ने कहा कि जो व्यक्ति अपने मूल उद्देश्य को छोडक़र दूसरे लक्ष्य की ओर चला जाता है वह निश्चित ही असफल होता है। उन्होंने कहा कि हमारा यह कर्तव्य है कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय सामाजिक चेतना का केंद्र बनने चाहिए। इसके लिए व्यक्तिगत चेतना का दायरा बढ़ाना होगा। इसके लिए सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए कार्य भी करना होगा। उन्होंने बताया कि विद्या भारती शिक्षण संस्थान की प्रतिस्पर्धा किसी से भी नहीं है। देश के लिए सुसंस्कारित नागरिकों का निर्माण करना ही विद्या भारती का उद्देश्य है।

अतिथि डिवाइएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने कहा कि गुरु ही सबसे बड़ा होता है। प्राचीन काल से अब तक गुरु की ही पूजा होती आई है। यदि धन ही सब कुछ होता तो आज धनवान की ही पूजा होती। लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों से मिले हुए संस्कार ही जीवन भर काम आते हैं।

## मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम

**श्रीमाधोपुर।** जाजोद थाना इलाके के चौधरियों वाली ढाणी में सोमवार शाम को क्षतिग्रस्त बिजली के पोल बदलने के दौरान ठेकाकर्मी लाइनमैन युवक की मौत के मामले में मंगलवार को मुआवजा देने पर सहमति बनने के बाद युवक के शव का पोस्टमार्टम हुआ। मंगलवार सुबह मृतक खंडेला के घाटेश्वर मेहरों की ढाणी निवासी 30 वर्षीय विजय चावला के परिजन और समाज के लोग श्रीमाधोपुर सीएचसी में इकठ्ठा हो गए।

## आदर्श सीएचसी में सुविधाओं का अभाव

**नारायणपुर।** कस्बे की आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रही है। चार महीने पहले विधायक देवीसिंह शेखावत द्वारा प्रयास कर यहां स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक शर्मा की नियुक्ति की गई थी, ताकि क्षेत्र की महिलाओं को गर्भावस्था एवं अन्य स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के लिए स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ इलाज मिल सके। लेकिन अस्पताल में जरूरी उपकरण और बुनियादी सुविधाएं नहीं होने के कारण डॉक्टर की मौजूदगी के बावजूद महिलाएं इस सुविधा का लाभ नहीं ले पा रही हैं। अस्पताल में ना तो सोनोग्राफी की सुविधा है, ना ही ऑपरेशन थिएटर है। एसबीए स्टाफ की कमी है और एनेस्थीसिया देने के लिए आवश्यक डॉक्टर की भी नियुक्ति नहीं की गई है। ऐसे में डॉ. दीपक शर्मा रोज़ाना अस्पताल आकर मरीजों को देखते तो हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वह केवल सामान्य सलाह और दवाइयां देने तक ही सीमित हैं। जटिल मामलों में उन्हें मरीजों को रेफर करना पड़ता है। इलाज के लिए महिलाओं को 20 से 30 किलोमीटर दूर विराटनगर, बानसूर या कोटपुतली जाना पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं और गंभीर स्त्री रोग से पीड़ित मरीजों के लिए यह दूरी न केवल आर्थिक बोझ बनती है, बल्कि समय पर इलाज न मिलने के कारण उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने इस अस्पताल को आदर्श सीएचसी का दर्जा तो दे दिया, लेकिन अभी तक इसमें आदर्श जैसी कोई सुविधा नहीं दिख रही है। गांव की महिलाओं ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि जब डॉक्टर यहाँ मौजूद हैं, तो सुविधाओं की कमी के चलते उनका लाभ न मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बार-बार दूर शहरों में जाना हमारे लिए मुमकिन नहीं होता, खासकर जब साधन और पैसे दोनों की कमी हो।

## ऊंचाई पर बसे लोगों को पानी की भारी किल्लत

■ जलदाय विभाग का तीन दशक पुराना सिस्टम बंद होने से बढी परेशानी

**सांभरझील, (निसं)।** सड़क लेवल से करीब 15 फीट ऊंचाई पर बसे चारभुजा नाथ मंदिर सहित आसपास के अनेक मोहल्ले में प्रेशर से पानी पहुंचाने के लिए जलदाय विभाग की ओर से शुरू किया गया करीब तीन दशक पुराना सिस्टम बंद होने से पेयजल की किल्लत से सैकडों परिवार आज भी जूझ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऊंचाई पर बसे परिवारों को प्रेशर से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने हेतु जलदाय विभाग ने कोर्ट के आदेश पर बूस्टर प्रक्रिया को शुरू किया था। इसके लिए बाकायदा पुरानी कोर्ट के बाहर हाईजोन लाइन में वाल्व से पानी को बूस्ट करके पहुंचाने का काम शुरू किया तो सैकडो परिवारों को राहत मिती। बताया जा रहा है कि ऊंचाई पर बसे सैकडो परिवारों को प्रेशर से पानी पहुंचाने के लिए यहां रहने वाले एक परिवार की ओर से न्यायालय में जनहित याचिका लगाई गई थी जिस पर न्यायालय ने आदेश पारित कर जलदाय विभाग को पालना सुनिश्चित किए जाने हेतु कहा था। पुरानी कोर्ट के बाहर जलदाय विभाग की ओर से इसके लिए बाकायदा हाइजोन लाइन में लगाए गए वाल्व में बूस्टर लगाकर इस इलाके में प्रेशर से पानी सप्लाई शुरू की गई, लेकिन कुछ माह तक करने के बाद इस सिस्टम को बिना किसी आदेश के बंद कर दिया गया। तभी से यहां के सैकडो परिवारों को करीब दो दशक से पेयजल की समस्या से जूझना पड रहा है। बताया तो यह भी जा रहा है कि कुछ लोगो की दखलअंदाजी के कारण कोर्ट के आदेश के बावजूद सिस्टम को बंद कर दिया गया। अब विभाग के पास केवल गोलमाल जवाब देने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है, क्योंकि इनके पास टेक्निकल जानकारों का अभाव भी है। दूसरा कारण बताया जा रहा है कि हाई जोनलाइन से एक से अधिक लाइन डालकर जो कनेक्शन हुए, उसकी वजह भी एक कारण प्रेशर की कमी होना बताई जा रही है। तीसरा कारण बरसों पुरानी जलदाय विभाग की लाइन जो की काफी चौक हो चुकी है वह भी अवरोध का कारण बनी हुई है। विभाग के पास ना तो कोई प्लान है और न ही कोई ऐसी योजना है जो निकट भविष्य में ऊंचाई पर बसे लोगों को सहजता से पानी उपलब्ध करा सके। यूं तो यहां पर इस समस्या के समाधान के लिए अनेक अफसर भी गलियों का निरीक्षण कर चुके हैं लेकिन सब अपनी अपनी राय बता कर इस समस्या के समाधान का आश्वासन जरूर दे रहे हैं।

## 'विद्युत ट्रांसफार्मर में लगी आग, बड़ा हादसा टला

**निवाई।** अहिंसा सर्किल के समीप विद्युत विभाग के सब ठोड स्टेशन के बाहर लगे हुए विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। जिससे अफरा तफरी मच गई। अग्निशमन प्रभारी हनुमान गुर्जर ने बताया कि दोपहर करीब 1:50 बजे अहिंसा सर्किल पर ट्रांसफार्मर में आग लगने की सूचना मिली। जिस पर वह अग्निशमन फायरमैन अजय यादव, सुरेश मीणा व धौलूराम मीणा के साथ मय दमकल के मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के चलते हैं ट्रांसफार्मर पर ओवरलोड हो जाने के कारण अचानक आग लग गई। देखते ही देखते सारा ट्रांसफार्मर चारों ओर से आग की लपटों की चपेट में आ गया। ट्रांसफार्मर में आग लगने के दौरान आसपास में लगे हुए मनिहारी सामान व अन्य सामानों के ठेलों को तुरंत प्रभाव से प्रशासन ने हटवाया जिससे गंभीर हादसा टल गया। अग्निशमन की गाडी से करीब आधा घंटे तक लगातार पानी की बौछार करते हुए आग पर काबू पाया।

निवाई के अहिंसा सर्किल पर ओवरलोड के चलते जलता हुआ ट्रांसफार्मर।

## आचार्य शास्त्री की नये महंत के रूप में चादरपोशी

**पावटा।** प्रागपुरा कस्बे के गुजेडा धाम स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में मंगलवार को वार्षिकोत्सव पर भव्य आयोजन हुआ। श्री श्री 1008 माधवदास महाराज एवं श्री श्री 1008 लालदास महाराज के 31वें वार्षिकोत्सव पर विशाल भण्डारा और चादरपोशी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर हरियाणा पलवल से आए पंचवटी हनुमान मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 कामतादास महाराज और श्री श्री 1008 जगतगुरू द्वाराचार्य ऋषि कुमार दास महाराज ने सत्ताइसा के साधू संतों और ग्रामीणों की उपस्थिति में भगवत दास महाराज के शिष्य आचार्य विकास दास शास्त्री की नये महंत के रूप में चादरपोशी की। चादरपोशी कार्यक्रम में श्री श्री 1008 कामतादास महाराज और श्री श्री 1008 जगतगुरू द्वाराचार्य ऋषि कुमार दास महाराज ने आचार्य विकास दास शास्त्री को नये महंत के रूप में चादरपोशी की। इस अवसर पर प्रमुख मंदिरों के सांधु संत श्री श्री 1008 मानदास महाराज खेड़की, श्री श्री 1008 मंगलदास महाराज टोरडा, श्री श्री 1008 राम रतन महाराज चतरभुज, श्री श्री 1008 रामदास महाराज नीलका, श्री श्री 1008 सियाराम दास महाराज आमेर, श्री श्री 1008 लक्ष्मण दास जयसिंहपुरा और श्री श्री 1008 गुरुदास महाराज भकराना शामिल थे। कार्यक्रम में गायक कलाकार छितर लाल महासी, सीताराम यादव, जगदीश कसाना, दाताराम कसाना और रफीक भाई ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से पांडाल को भक्तिमय बना दिया।

# रघुनाथपुरा में बिरसा मुंडा के शहादत पर पुष्पांजलि अर्पित

**पावटा।** धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम रघुनाथपुरा में सोमवार को लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर भावुक होकर उनकी याद में श्रद्धा सुमन अर्पित किए गये।

अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों को याद किया।

■ बिरसा मुंडा की अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए : ओमप्रकाश उर्फ गन्नीभाई

कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश उर्फ गन्नीभाई ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान से हमें प्रेरणा लेना चाहिए और समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। उनके शौर्य, साहस व पराक्रम को हम सभी नमन करते हैं। बिरसा मुंडा झारखंड के आदिवासी दम्पति सुगना और करमी के घर जन्मे थे। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई लड़कर साहस की स्याही से पुरुषार्थ के पृष्ठों पर शौर्य की शब्दावली रची। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़ी और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। ओमप्रकाश उर्फ गन्नीभाई ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत ने बिरसा मुंडा को खतरे का संकेत समझ कर राजद्रोह का झूठा मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल में धीमा जहर दिया, जिसके कारण वे 9 जून 1900 को शहीद हो गए। बिरसा मुंडा की शहादत ने आदिवासी समुदाय को एक नई दिशा दिखाई और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित किया। बिरसा मुंडा को आदिवासी समुदाय के नेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन को आदिवासियों के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें भगवान स्वरूप माना जाता है और भारतीय इतिहास में उन्हें बेहद सम्मान से याद किया जाता है। भगवान बिरसा के संघर्ष और बलिदान की वजह से उन्हें आज हम 'धरती आबा के नाम से पूजते हैं। इस दौरान ओमप्रकाश उर्फ गिन्नी भाई, नरेश वर्मा, रवि छेड़वाल, अमित आर्य, सुनील छेड़वाल, राहुल वर्मा आदि मौजूद रहे। सभी ने बिरसा मुंडा की याद में पुष्पांजलि अर्पित की और उनके संघर्षों को याद किया।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम रघुनाथपुरा में पुष्पांजलि अर्पित की।

## जाट महापंचायत की तैयारी

**भरतपुर (निस)।** भरतपुर धौलपुर डीग जिलों के जाट समाज को केंद्र में ओबीसी में आरक्षण की मांग को लेकर बुधवार को पेंगौर के चामड माता मंदिर पर होने वाली जाट महापंचायत की तैयारी पूरी हो चुकी है। मंगलवार को पंचायत स्थल का जाट आरक्षण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने जायजा लिया और तीनों जिलों के जाटों को पंचायत में आने का निमंत्रण दिया गया है। जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार ने कहा की पंचायत की तैयारी पूरी हो चुकी है जिसमे तीनों जिलों के जाट समाज के लोग हजारों की संख्या में भाग लेंगे और आरक्षण का हक़ लेने की लड़ाई लड़ने पर विचार किया जायेगा। कई वर्षों से जाट समाज केंद्र में ओबीसी में आरक्षण की मांग के लिए आंदोलन कर रहा है मगर डबल इंजन की सरकार जाट समाज की मांग पर गौर नहीं कर रही है द्य जाट समाज जल्दी ही बडे अन्दौलना का बिगुल बजाने की ओर अठासर हो सकता है द्य लोगों को आगामी आंदोलन के लिए पूरी तरह से तैयार रहने के लिए गाँव गाँव जागरूक किया जा रहा है। होने वाली पंचायत में समाज फैसला लेगी यदि सरकार हमारी मांग समय रहते पूरी नहीं करती है तो फिर आंदोलन के लिए अठासर होना पडेगा सरकार ने पहले भी कई बार समाज के साथ आरक्षण के नाम पर धोखा दिया है।


**PUBLIC NOTICE**

Lost Property Documents Notice- Original Patta for Plot Nos. 32 & 33, Jeen Mata Nagar Phase-5, Jaipur, Lost / Stolen on 15.02.2023. Found documents, please contact Dinesh Kumar Yadav (9467009513).
Objections invited within 15 days.
Duplicate Patta application to follow if no objections received.

**आम सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सौरभ खंडेलवाल और श्री रामावतार गुप्ता के बीच साझेदारी फर्म प.05, सूरजपोल मण्डी जयपुर " मैसर्स हनुमान सहाय सुरेश चन्द " के नाम से चली आ रही थी अब 04-जून- 2025 से भंग हो गई है। अब से श्री रामावतार गुप्ता इस तारीख से इस फर्म का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए उपरोक्त फर्म में रामावतार गुप्ता के साथ काम करने वाला कोई भी व्यक्ति अपने जोखिम और लागत पर ऐसा करेगा।
जयपुर (रोशन लाल गुप्ता) एडवोकेट
दिनांक-10/6/25 मो.-9314643187

**WANTED**
EX-SERVICEMAN AT-MANOHARPUR TOLL PLAZA PLEASE CONTACT ZAWED QURESHI- 09887826786

**सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम स. कुलदीप सिंह छाबड़ा पुत्र स्व. स. सरदारी लाल एवं भजन कौर पत्नी स. कुलदीप सिंह छाबड़ा निवासी 285, गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर का कुछ समय से पुत्र स. सतपाल सिंह छाबड़ा, पुत्रवधु मनमीत कौर, पौत्री जसलीन कौर एवं पौत्र रिधमन सिंह (अवल सिंह) से आर्थिक एवं सामाजिक व्यवहार नहीं है एवं इन सभी का हम दोनों के साथ दुर्व्यवहार, करने के कारण हम अपनी सम्पत्ति तथा सामाजिक व्यवहार से अलग करते हैं। भविष्य में इन चारों द्वारा किये गये किसी भी लेन-देन एवं सामाजिक संव्यवहार के लिये हम दोनों की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे।
दिनांक 05/06/2025 स. कुलदीप सिंह छाबड़ा

**कार्यालय नगर निगम जयपुर, हैरिटेज**
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, बड़ी चौपड़)
क्रमांक- एफ6 ()/ उपायुक्त लैण्ड / ननिज (हैरिटेज)/2025/239
**सार्वजनिक सूचना** दिनांक :- 03/06/25
श्री सुरेश कुमावत पुत्र श्री कल्याण सहाय कुमावत द्वारा आवेदन पेश कर भूखण्ड संख्या 134 सुभाष कॉलोनी, नाहरी का नाका (पूर्व) जयपुर का पट्टा जारी करने हेतु आवेदन पेश किया है। भूखण्ड का आवंटन दिनांक-15.11.68 को श्री मोतीराम पुत्र श्री रामचन्द्र के नाम 125 वर्गगज का जारी किया गया था। मूल आवंटी के वारिसान द्वारा श्री सुरेश कुमावत के नाम हक त्याग पत्र दिनांक 16.03.25 को किया गया था। आवेदन द्वारा हक त्याग पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र व अण्डरटेकिंग (शपथ-पत्र) पेश कर भूखण्ड का पट्टा चाहा है। इस बाबत किसी व्यक्ति, संस्था, फर्म/ कम्पनी को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के कार्यालय में अपनी आपत्तिमय कारणों सहित पेश करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जायेगी।
उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

**राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर**
क्रमांक:3821 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक:06.06.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 61/212 (HIG), (एरिया 189.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन डॉ. विवेक अथैया पुत्र श्री रमेश चन्द्र अथैया एवं डॉ. नूपुर पत्नी श्री विवेक अथैया को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4568 दिनांक 10.07.2003 को जारी किया गया। डॉ. विवेक अथैया एवं डॉ. नूपुर के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 13.01.2015 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। डॉ. विवेक अथैया की मृत्यु दिनांक 01.06.2024 को हो जाने के कारण हक त्याग पत्र के आधार पर इनकी पत्नी डॉ. नूपुर पत्नी स्व. श्री विवेक अथैया द्वारा उक्त आवास का 1/2 भाग को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, डॉ. नूपुर पत्नी स्व. श्री विवेक अथैया का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

**खोया पाया**
में सुभाष कुमार अग्रवाल पुत्र हीरा लाल अग्रवाल निवासी प्लॉट न 6 बर्मिज कॉलोनी जवाहर नगर जयपुर से हु की मेरी दुकान संख्या B 1/225 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड जयपुर प्रॉपर्टी का ओरिजनल आवंटन पत्र कही गुम हो गया है जिसकी FIR दर्ज करा दी गई है मिलने पर सूचित करे 9828060367

**आम सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान श्रीमती सरिता देवी पत्नि राजकुमार एवं राजकुमार पुत्र श्री ज्ञानचन्द निवासीगण प्लॉट नंबर 11-ए, गणेश नगर, सूर्यनगर, निर्मल विहार, नाडी का फाटक, जयपुर का पुत्र राकेश मूलवानी एवं उसकी पत्नि पिंकी उर्फ स्वाती मेरे मुवक्किलान से आये दिन लडाई-झगडा, मारपीट, गाली-गलोच करते है, दुर्व्यवहार करते है, झूंठे मुकदमें में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देते है, इन लोगो ने मेरे मुवक्किलान का जीना दूभर कर रखा है, इसलिए मेरे मुवक्किलान ने अपने पुत्र राकेश मूलवानी एवं उसकी पत्नि पिंकी उर्फ स्वाती को अपनी चल-अचल संपति से बेदखल कर दिया है, इसलिए राकेश मूलवानी एवं उसकी पत्नि पिंकी उर्फ स्वाती का मेरे मुवक्किलान से कोई रिश्ता नही है एवं मेरे मुवक्किलान की चल-अचल संपति से उनका कोई संबंध व हक अधिकार नहीं रहा है तथा राकेश मूलवानी एवं उसकी पत्नि पिंकी उर्फ स्वाती के द्वारा किये जाने वाले संव्यवहार, लेन-देन व कार्यो के बारे में मेरे मुवक्किलान की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है। अतः सूचित रहें
मोहम्मद अशफाक (एडवोकेट)
दिनांक:10.06.2025 मोबाइल नं. : 8387862985

**नाम परिवर्तन**
मैने अपना नाम लक्ष्मी सिंह से बदलकर त्रिलोक लक्ष्मी पत्नी भवानी सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पता- 202 ए, पार्क व्यू अपार्टमेंट, 1268 ए किंग्स रोड़, रानी सती नगर, गौतम मार्ग, जयपुर।

I Ashok Kumar S/o Somvir Singh Meena R/o 320, B-3, Rajni Vihar, Heerapura, Ajmer Road, Jaipur, Rajasthan-302021, have changed my name to Ashok Kumar Meena

I have changed my name from Teena and Sharma Teena Rampratap and Sharma Tinaben Rampratap to Teena sharma for all purposes R/o 1220 Titar walon Ki gali Baba Harishchandra marg Chandpole Bazar Jaipur

**आम-सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे अभिभाष्य श्री अशोक कुमार आर्य पुत्र श्री मुन्नालाल आर्य, निवासी-एफ-9, मधुबन कॉलोनी, टोंक फाटक के पास, टोंक रोड, जयपुर (राज.) पर मय परिवार निवास करते है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पूर्ण सम्पत्ति पर मेरे अभिभाष्य का भौतिक एवं वास्तविक कब्जा है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति मेरे अभिभाष्य की माता श्रीमती सरला कुमारी आर्य के नाम से थी, जिनका स्वर्गवास दिनांक-15.02.2025 को जयपुर में उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति मे हो गया, जिनके समस्त धार्मिक क्रियाकर्म मेरे अभिभाष्य के द्वारा पूर्ण कराये गये है तथा मेरे अभिभाष्य की माता अपनी मृत्यु तक मेरे अभिभाष्य के पास ही रही जिनकी सेवा-सुश्रुषा मेरे अभिभाष्य द्वारा ही की गयी तथा मेरा अभिभाष्य अपनी माता के स्वर्गवास के पश्चात उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का एकमात्र मालिक एवं स्वामी है तथा काबिज है तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के सम्बंध मे न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, क्रम संख्या-3, जयपुर महानगर (प्रथम) के समक्ष वाद लम्बित है तथा उक्त न्यायालय द्वारा दिनांक-23.05.2025 को स्थगन आदेश पारित किया गया है तथा मेरे अभिभाष्य के द्वारा भी एक वाद न्यायालय अपर सिविल जज क्रम संख्या-2, जयपुर महानगर-प्रथम के समक्ष वसीयत दिनांक-26.10.2010 को निरस्त किये जाने के सम्बंध मे एक वाद प्रस्तुत कर रखा है। इस प्रकार उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के सम्बंध मे विवाद न्यायालय मे लम्बित है। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का विक्रय, रहन या अन्य प्रकार का हस्तान्तरण के सम्बंध मे कोई भी लिखित दस्तावेजात निष्पादित नही करें। यदि मेरे अभिभाष्य के अलावा किसी दीगर व्यक्ति से उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय, रहन या अन्य कोई हस्तानान्तरण सम्बंधी दस्तावेजात निष्पादित किये जाते है, तो ऐसे दस्तावेजात मेरे अभिभाष्य के अधिकारों के प्रति प्रारम्भ से ही शून्य एवं प्रभावी रहेगा। सूचित रहे।
दिनांक- 9.6.25 रुस्तम शेख, एडवोकेट, मो.-9414248148

**न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश सं. 1 गंगापुर सिटी**
कृष्णा मीना वगेहरा बनाम हरखास आम वगेहरा मु.सं. 01/25
**प्रार्थना पत्र उत्तराधिकार प्रमाण पत्र**
हरखास आम को सूचित किया जाता है कि कृष्णा मीना वगेहरा ने मृतक जयपुरिया लाल मीना पुत्र बदरी प्रसाद मीना गैस एजेन्सी के सामने उदेई मोड गंगापुर सिटी की आईसीआईसीआई बैंक गंगापुर सिटी में डिमेट खाता सं. डीपी आईडी आईएन 302902 ग्राहक आईडी 45460448 में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. में इक्विटी शेयर तादादी 45,500 जिनकी वर्तमान कीमत 25,34,805/- रूपयें हैं को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र का प्रार्थना पत्र अदालत हाजा में प्रस्तुत किया हैं किसी को कोई आपत्ति हो तो वह नियत दिनांक 28.7.2025 समय 10 बजे अदालत हाजा में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। इसके उपरान्त कृष्णा मीना वगेहरा को उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र न्यायालय द्वारा जारी कर दिया जावेगा। लिहाजा यह नोटिस अदालत की मोहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया है।
(मुहर) आज्ञा से- रीडर
अपर जिला न्यायाधीश सं. 1 गंगापुर सिटी, जिला-सवाई माधोपुर (राज.)।

**विवाद्यको के स्थिरीकरण के लिये सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी द्वितीय, जयपुर जिला जयपुर
रमेश शर्मा व अन्य विरूद्ध श्रीमती लछमा देवी व अन्य
वाद बाबत घोषणा, तकासमा व स्थायी निषेधाज्ञा
वाद संख्या 183 सन् 2012
1. श्रीमती लछमा देवी पत्नी स्वर्गीय धन्नालाल, गणेश नारायण पुत्र घासीलाल, सत्यनारायण पुत्र घासीलाल, भंवर लाल पुत्र मदनलाल, रमेश पुत्र मदनलाल, अशोक पुत्र मदनलाल, सुनीता पुत्री मदनलाल, प्रभाती बेवा मदनलाल, मन्जू देवी पत्नी स्वर्गीय राजेश, रोहित पुत्र स्वर्गीय राजेश नाबालिग जरिये प्राकृतिक संरक्षक माता मन्जू देवी, सतीश पुत्र गोपाल लाल, राकेश पुत्र राम कुंवार, दिनेश पुत्र राम कुंवार, मु. गोपी देवी बेवा रामकुंवार, गोपाल पुत्र दामा, जगदीशनारायण पुत्र रामनारायण, मोहनलाल, नवरतन, शंकर पुत्र रामनारायण, रामकिशन पुत्र जगन्नाथ, प्रभाती पत्नी घासीलाल, लीला देवी पुत्री घासीलाल, गायत्री देवी पुत्री समस्त जाति बागडा ब्राह्मण, निवासी ग्राम आशावाला,. तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, श्री महावीर बिल्डकॉन प्राईवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड ऑफिस 12 रघु विहार, दुर्गापुरा, जयपुर जरिये डायरेक्टर श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र गौरीलाल शर्मा, जाति ब्राह्मण, निवासी 379, सचिवालय नगर, सीतापुरा, टोंक रोड, जयपुर उप पंजीयक सांगानेर प्रथम तहसील सांगानेर जिला जयपुर, राजस्थान सरकार
जरिये तहसीलदार तहसील, जयपुर वादीगण ने आपके विरूद्ध घोषणा, तकासमा व स्थायी निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 17 माह 6 सन् 25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजो को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। नकल संलग्न है।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता.10 माह 6 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश उपखण्ड अधिकारी, जयपुर द्वितीय (सांगानेर)

**नगर निगम ग्रेटर जयपुर**
(अम्बाबाडी सर्किल,अम्बाबाडी जयपुर)
क्रमांक :— जसअ/2025/92 दिनांक: 06.06.2025
**ई– निविदा सूचना संख्या 84 से 107/2025–26**
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB00722 To JMC2526WSOB00745
अधिशाषी अभियन्ता
विद्याधर जोन
राज.संवाद/सी/25/3982 नगर निगम जयपुर (ग्रेटर)

**न्यायालय तहसीलदार टोंक, जिला-टोंक (राज.)**
क्रमांक /भू.अ./135(2)/8/2024/2025/6052 दिनांक : 30/5/25
**सार्वजनिक सूचना**
**बद्रीलाल वगैरह बनाम ममता**
जरिये नोटिस सार्वजनिक सूचना जारी की जाकर सूचित किया जाता है कि प्रार्थी बद्रीलाल पुत्र स्व बजरंगा, जाति-जाट, निवासी-ग्राम-पराना, तहसील-टोंक, जिला टोंक (राजस्थान) ने उसके पिता बजरंगा पुत्र काना जाट, की मृत्यु दिनांक 27.12.2019 को हो जाने से ग्राम-पराना, तहसील-टोंक, जिला-टोंक (राजस्थान) में मृतक बजरंगा के नाम दर्ज भूमि खाता संख्या-77, 285, 490, 483, 491, 496, 497, 498 में अंकित भूमि में विरासत का नामान्तरकरण दर्ज करने हेतु प्रकरण दर्ज करवाया है। उक्त भूमि का नामान्तरकरण स्वयं प्रार्थी बद्रीलाल, पुष्कर, भंवरलाल, प्रहलाद (मृत) के वारिसान-(ओमप्रकाश, स्वाति, धापू, मीनाक्षी.) हेमराज (मृत) के वारिसान (ममता, अन्यत्र नाते गई) नाम खुलवाने का निवेदन किया है। इसी प्रकरण में श्रीमती ममता देवी पत्नि स्व. श्री हेमराज, जाति-जाट, निवासी-ग्राम-पराना द्वारा प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर उक्त भूमि में उसके पति स्व. श्री हेमराज पुत्र बजरंगा, जाति-जाट के हिस्से की भूमि का नामान्तरकरण खुलवाने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है।
अतः उक्त खाता संख्या में दर्ज भूमि को उक्तानुसार सम्बन्धितों के नाम दर्ज करने के सम्बन्ध में किसी भी पक्षकारान / हितग्रहिता को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/उज्र हो तो 07 दिवस में अपनी लिखित आपत्ति/ उज्र मय दस्तावेजात इस न्यायालय में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद कोई आपत्ति/उज्र मान्य नहीं होगा।
(मानवेन्द्र जायसवाल) तहसीलदार (टोंक), जिला-टोंक (राज.)

**कार्यालय नगरपालिका टोडारायसिंह (टोंक) राज.**
Email-nptodaraisingh@gmail.com, nptodarasingh.lsg@rajasthan.gov.in
Phone No-1433294303
क्रमांकःन.पा.टो./भूमि/2025/511 दिनांक-10/6/2025
**नामान्तरण हेतु आपत्ति आमंत्रण सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका द्वारा पत्रावली संख्या 40/2018 द्वारा श्री फैज मोहम्मद पुत्र श्री कालू खां नागौरी निवासी साण्डला को 51गुणा 30 वर्गफुट का आवासीय पट्टा जारी किया गया था। पट्टे की नाप में नगरपालिका मण्डल टोडारायसिंह की साधरण सभा दिनांक 15.06.1972 के प्रस्ताव संख्या 01 द्वारा संशोधित कर, भूखण्ड संख्या 29 की नाप पूव-पश्चिम 39 फुट, उत्तर भुजा 41 फुट तथा दक्षिण भुजा 48 फुट की गई है। श्री फैज मोहम्मद पुत्र श्री कालू खां नागौरी की मृत्यु दिनांक 15.08.1991 को होने के कारण इनके वारिस हकीम, लुकमान पुत्र फैज मोहम्मद, रहमत पत्नी जमाल खां, सलीम, रईसा, सन्ना नूर बानो, लाली पुत्र/पुत्री जमाल खां, तथा जमीला पत्नी रफीक, हनीस रमजान, गफार पुत्र रफीक ने उक्त पट्टे का अपने नाम से नामान्तरण किये जाने हेतु पत्रावली ऑनलाईन प्रस्तुत की है।
अतः उक्त पट्टे का नामान्तरण हकीम, लुकमान पुत्र फैज मोहम्मद, रहमत पत्नी जमाल खां, सलीम, रईसा, सन्ना नूर बानो, लाली पुत्र/पुत्री जमाल खां, तथा जमीला पत्नी रफीक, हनीस रमजान, गफार पुत्र रफीक नाम से किये जाने में किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में नगरपालिका कार्यालय में लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति न स्वीकार की जावेगी और न ही सुनी जायेगी।
अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका टोडारायसिंह

विकसित भारत का अमृत काल
सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के
**11 साल**

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

# धन्यवाद
# माननीय प्रधानमंत्री जी

## मोदी सरकार के 11 साल @राजस्थान

**श्री भजनलाल शर्मा**
माननीय मुख्यमंत्री

**श्री नरेन्द्र मोदी**
माननीय प्रधानमंत्री

# आधारभूत अवसंरचना विकास

| | |
|---|---|
| अमृतसर – जामनगर एवं दिल्ली – मुंबई एक्सप्रेस वे से परिवहन में सुगमता | राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) का कार्य प्रारंभ |
| राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य राजमार्गों की 9,007 किलोमीटर सड़कों का निर्माण | शेखावाटी को और पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौता |
| प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 33,117 किलोमीटर सड़कों का निर्माण | अमृत योजना के तहत 1 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों की 25 लाख जनसंख्या लाभान्वित |
| 5,504 किलोमीटर रेल लाइनें विद्युतीकृत | प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अधोरचना मिशन में 2,619 करोड़ रुपए स्वीकृत |
| अजमेर से चंडीगढ़, जयपुर से उदयपुर और जोधपुर से साबरमती वन्दे भारत ट्रेन | 27,748 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित एवं 14,384 मेगावाट बिजली उत्पादन |
| अमृत भारत स्टेशन योजना में 8 रेलवे स्टेशन पुनर्विकसित | भारतनेट के तहत 8,776 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्शन |

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

धोनी बल्लेबाज को काफी तेज स्टंप करने में माहिर हैं। 43 साल की उम्र में भी धोनी में अभी भी वह फुरती हैं। धोनी ने 2019 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह आईपीएल में अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए विकेटकीपिंग करते हैं। - रवि शास्त्री

भारत के पूर्व कोच, लंदन में हॉल ऑफ फेम कार्यक्रम के तहत बोलते हुए।

# खेल जगत

## आज का खिलाड़ी

वेस्टइंडीज टीम के बांये हाथ के तूफानी बल्लेबाज एवं पूर्व कप्तान निकोलस पूरन ने महज 29 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पूरन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा, बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय लिया है। जिस खेल से हम प्यार करते हैं, उसने हमें बहुत कुछ दिया है और देता रहेगा। इसके साथ खुशी, उद्देश्य और वेस्टइंडीज के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की यादें है। मैरून रंग पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

**क्या आप जानते हैं ?...** ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भिड़ेंगे। दोनों टीमें 113 साल पहले भी लॉर्ड्स पर टेस्ट मैच में भिड़ चुकी हैं।

## पहला आईसीसी खिताब जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका को तोड़ना होगा ऑस्ट्रेलियाई तिलिस्म

लंदन, 10 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में दक्षिण अफ्रीकी टीम 2023-2025 का खिताब जीतने के लिए बुधवार से शुरू होने वाले फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया का अजेय प्रदर्शन उसे खिताब का प्रबल दावेदार बनाता है। इसे देखते हुए दोनों टीमों के बीच रोमांचक भिड़ंत होने की उम्मीद है। दक्षिणी अफ्रीका क्रिकेट टीम ने डब्ल्यूटीसी में 2019-2021 में पांचवें और 2021-2023 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद इस बार फाइनल में अपनी जगह बनायी है।

टेस्ट क्रिकेट की दो सबसे बेहतरीन फॉर्म में चल रही टीमों के बीच कल से शुरु होने वाला फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने वाला है। दक्षिण अफ्रीका की टीम लगातार पांच टेस्ट जीतने के बाद लंदन पहुंची है, जिसमें इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान पर 10 विकेट से मिली शानदार जीत भी शामिल है।

तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया की अनुपस्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा, मार्को जेनसन और स्पिनर केशव महाराज की अगुआई में एक मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है। वहीं बल्लेबाजी क्रम की बात की जाये तो कप्तान टेम्बा बावुमा ने पूरे मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और रयान रिकेल्टन का इंग्लिश परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन रहा। संभावित एकादश ट्रिस्टन स्टब्स जैसे

युवा और वियान मुल्डर जैसे ऑलराउंडर भी शामिल हैं, जोकि टीम के बेहतर संतुलन को दिखाता हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया पिछले छह टेस्ट में अजेय रहने के कारण खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम अनुभव और गहराई से भरपूर है।

कमिंस, मिशेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी को ऑफ स्पिनर नाथन लियोन और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर संजयोजन किसी भी विपक्षी टीम पर भारी पड़ सकता है। अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर स्थित अनुभवी उस्मान ख्वाजा और स्टीव स्मिथ बल्लेबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि ट्रैविस हेड और मार्नस लैबुशेन मध्यक्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर आस्ट्रेलिया विश्व कप चैंपियनशिप जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि लॉर्ड्स की उछाल भरी पिच धीरे-धीरे मैच के आगे बढ़ने पर बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हो सकती है। पहली पारी में 400 के आसपास का स्कोर की उम्मीद है। मौसम पूर्वानुमानों के अनुसार पहले दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने का भी अनुमान है, लेकिन शेष दिन शुष्क रहने के आसार है। दोनों टीमें टॉस जीतने पर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनेंगी, जिसका लक्ष्य मैच में बाद में होने वाली बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाना होगा।

**दक्षिण अफ्रीका के साथ कल से शुरु हो रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया एकादश इस प्रकार है:-** उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन और जॉश हेजलवुड।

**ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की एकादश इस प्रकार है:-** एडन मारक्रम, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेट कीपर), मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी।

## वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचने से चूकने पर भी टीम इंडिया को मिलेंगे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली, 10 जून। 11 जून से 15 जून तक इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं जो भी टीम चैंपियन बनेगी उसे प्राइज मनी के तौर पर करोड़ों की धनराशि मिलेगी। हालांकि, चैंपियन टीम के अलावा रनर-अप टीम और भारतीय टीम पर भी पैसों की बारिश होगी।टीम इंडिया भले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच पाई हो लेकिन उस पर आईसीसी की तरफ से पैसों की बरसात होगी। उसे तकरीबन उतने पैसे मिलेंगे जितने पैसे 2021 और 2023 के डब्ल्यूटीसी चैंपियन को मिले थे। ये मुमकिन हुआ है इसलिए कि आईसीसी ने डब्ल्यूटीसी की इनाम राशि को बढ़ाकर तकरीबन दोगुना कर दिया है। तीसरे नंबर पर रहकर इस बार फाइनल चूकने पर भारत को 14.4 लाख डॉलर यानी करीब 12.32 करोड़ रुपये मिलेंगे। पिछले दो फाइनल में भारत हारकर रनर अप रहा था तब उसे 8-8 लाख डॉलर ही मिले थे।

इस बार फाइनल जीतने वाली टीम को 36 लाख डॉलर की इनाम राशि मिलेगी। ये 2021 की चैंपियन न्यूजीलैंड और 2023 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को तब मिली इनाम राशि के दोगुने से भी ज्यादा है। इस बार डब्ल्यूटीसी फाइनल हारने वाली टीम को 21.6 लाख डॉलर मिलेंगे। यानी इस बार के रनरअप को पिछले दो चैंपियंस को मिली इनाम राशि से भीज्यादा मिलेंगे। 2023 में ऑस्ट्रेलिया और 2021 में न्यूजीलैंड को डब्ल्यूटीसी खिताब जीतने पर 16-16 लाख डॉलर ही मिले थे। दोनों ही बार फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी और उसे 8-8 लाख डॉलर की इनाम राशि मिली थी। इस बार तीसरे नंबर पर रहने वाली भारतीय टीम को 14.4 लाख डॉलर मिलेंगे जो भारतीय मुद्रा में करीब 12.32 करोड़ रुपये है।

## यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे गायकवाड़

लंदन, 10 जून। राणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रहे रुतुराज गायकवाड़ काउंटी क्लब यॉर्कशायर के लिए क्रिकेट खेलेंगे। रुतुराज

गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ खेलने के लिए अनुबंध किया है। वह सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और चेतेश्वर पुजारा के बाद चौथे भारतीय बल्लेबाज है जो कि यॉर्कशायर की ओर से काउंटी खेलने वाले है। रुतुराज जुलाई में सरे के खिलाफ रोथसे काउंटी चैम्पियनशिप से पहले यॉर्कशायर टीम से जुड़ेंगे।

28 वर्षीय गायकवाड़ ने भारत के लिए छह एकदिवसीय और 23 टी-20 मैच खेले हैं और वर्तमान में इंग्लैंड का दौरा करने वाली भारत ए टीम का हिस्सा हैं। उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 16 शतकों के साथ उनका औसत 56.15 रहा है। गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ खेलने को लेकर कहा, मैं इंग्लैंड के बाकी घरेलू सत्र के लिए यॉर्कशायर के साथ जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। इस देश में क्रिकेट का अनुभव करना हमेशा से मेरा लक्ष्य रहा है और इंग्लैंड में यॉर्कशायर से बड़ा कोई क्लब नहीं है। मुझे पता है कि मैं सत्र के महत्वपूर्ण हिस्से में शानदार प्रदर्शन करना है।

## राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता

जयपुर, 10 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में आज सवाई माधोपुर, नागौर, भरतपुर, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जोधपुर ,चित्तोड़, बांसवाड़ा, पाली, अजमेर, झुंझनू जीते। कोल्विन शील्डमें आज सबसे बड़ा धमाका जोधपुर में हुआ। वास्तविकता के पहले जोधपुर के खिलाफ 425 ब्लास्ट का रिकॉर्ड खड़ा किया गया। बाद में असेंबल को 56 टुकड़ों पर आउट कर 369 टुकड़ों में बनाया गया। जोधपुर के जीत सीजन में अभी तक खेले गए मुकाबलों की सबसे बड़ी जीत रही। कोल्विन शील्ड के चौथे दिन कुल 6 खिलाड़ियों ने शतक ठोके। वहीं 5 लोग ऐसे रहे, मैच में 5 या 5 से ज्यादा विकेट अपने नाम। आज भूपेंद्र शर्मा, अभिषेक प्रताप सिंह, भवानी सुथार, अजय भाटी, सौरव यादव, तनिष्क सिंघल, अनिरुद्ध सिंह, कार्तिक शर्मा, शुभम गढ़वाल, रामनिवास गोलाडा,

विजय कुमावत, हनुमान बेनीवाल, रमन घारू, मीत भावसार, सचिन शर्मा, देवव्रत शर्मा, अजय राज सिंह, करण मीणा, नवीन कुमार का शानदार प्रदर्शन रहा।

### दौसा को रोमांचक मुकाबले में हनुमानगढ़ ने एक विकेट से हराया

जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया गया की कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में दौसा का दूसरा मैच हनुमानगढ़ से था जिसमे हनुमानगढ़ ने पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी को चुना। इस अहम मुकाबले में दौसा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही दौसा की टीम 20 रन पर पांच विकेट गिर गए फिर बल्लेबाजी के लिए सचिन शर्मा ने आक्रामक पारी खेलते हुए 90 रन और देवकृत शर्मा ने नाबाद 80 रन बनाए जिसकी बदौलत 213 रन का स्कोर खड़ा किया। बाद में बल्लेबाजी करते हुए हनुमानगढ़ को दौसा के गेंदबाजों ने कसकर गेंदबाजी की और अंतिम ओवर तक हनुमानगढ़ की टीम को बांधकर रखा परंतु हनुमानगढ़ ने एक विकेट से जीत दर्ज की ।दौसा की ओर से गेंदबाजी करते हुए करण मीणा ने 42 रन देकर 5 विकेट और ध्रुव सेठी ने 38 रन देकर दो विकेट लिए। सचिव बृजकिशोर उपाध्याय द्वारा सभी खिलाड़ियों को आगामी मैचो में अपनी कमजोरी को दूर कर शानदार खेलने हेतु प्रेरित किया। दौसा का अगला मैच कल अजमेर से होगा ।

## जयपुर जिले की अंडर-14 और अंडर-15 बॉयज फुटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल

जयपुर, 10 जून। राजस्थान फुटबाल संघ अंडर 15 बालक वर्ग की स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता 22 जून से 24 जून तक सीकर में और अंडर 13 बालक वर्ग की स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता 27 जून से 30 जून तक अजमेर में आयोजित करने जा रहा है। इसमें भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु एक ट्रायल का आयोजन आगामी 15 जून (रविवार) को चौगान स्टेडियम, जयपुर में आयोजित की जा रही है। अंडर 15 बालक प्रतियोगिता के लिए 2010 और 2011 में जन्म लिए खिलाड़ी और अंडर 13 बालक प्रतियोगिता के लिए 2012 और 2013 में जन्मे खिलाड़ी और उनका आधार कार्ड जयपुर जिले का है यानी कि वह जयपुर जिले के निवासी हैं वह इस ट्रायल में भाग लेने के लिए पात्र हैं। सभी इच्छुक खिलाड़ियों को रविवार 15 जून को सुबह 7:00 बजे तक चौगान स्टेडियम के फुटबॉल मैदान पर ट्रायल हेतु रिपोर्ट करनी है। ट्रायल में भाग लेने हेतु सभी इच्छुक खिलाड़ियों को 14 जून तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है अन्यथा उन्हें ट्रायल में भाग लेने नहीं दिया जाएगा। संपर्क सूत्र - अब्दुल जब्बार (9928369917), मनोज शर्मा (9414441770), डॉ दिलीप सिंह चुंडावत (9314441705), सेबी फिलिप्स (9828999467)।

## एलावेनिल वालारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, 10 जून। मंगलवार को म्यूनिख में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत की अच्छी शुरुआत हुई है। दरअसल, भारतीय शूटर एलावेनिल वालारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में ब्रान्ज मेडल जीता है।25 वर्षीय भारतीय निशानेबाज इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं चीन की 18 साल की वैंग झिफेई ने 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की क्वोन युनजी ने 252.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरुआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए।

दो बार की ओलंपियन इलावेनिल शुरुआती पांच शॉट के बाद कोरिया की ओलंपिक चैंपियन युनजी से 0.3 अंक पीछे थी। वह 10.8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंची। इलावेनिल 12 शॉट के बाद 127.2 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। इस समय वैंग दूसरे स्थान पर थी। यहां 2018 में हुए विश्व कप में चौथे स्थान पर रहीं इलावेनिल ने 10.7 अंक के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी।

हालांकि, भारतीय निशानेबाज इसके बाद 9.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर

खिसक गई और अंतत: उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले क्वालीफिकेशन की छह सीरीज के बाद इलावेनिल 635.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वैंग ने 637.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टेड 635.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वैंग का स्कोर क्वालीफिकेशन का विश्व रिकॉर्ड है। युनजी क्वालीफिकेशन में 635.6 अंक के साथ चौथे जबकि तुर्की की एलिफ बेर्फिन अल्तुन (634.6) पांचवें स्थान पर रहीं। चीन की विश्व और एशियाई चैंपियन हेन जिआयु ने 634.2 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। भारत की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू 632.4 अंक के साथ 15वें पायदान पर रहीं। केवल रैंकिंग अंक के लिए चुनौती पेश कर रहीं रमिता जिंदल ने 632.6 अंक के साथ 13वां स्थान हासिल किया। मेघना सजनार (केवल रैंकिंग अंक) और आर्या बोर्से ने क्रमश: 25वां और 60वां स्थान हासिल किया।

## अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने के लिए पूरी तरह हैं तैयार : हरमनप्रीत

एम्स्टर्डम, 10 जून। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय लीग की शुरुआत में नीदरलैंड से मिली हार को भूलकार अर्जेंटीना के खिलाफ चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी मैचों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मैचों में आने वाली चुनौतियों से वाकिफ हैं। टीम हर दिन कड़ा अभ्यास कर रही है और हमें अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है। अर्जेंटीना एक मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई भी मैच आसान नहीं होता। हरमनप्रीत ने कहा, हम किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी की है और लीड-अप में विभिन्न संयोजनों और रणनीतियों को आजमाया है। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करने का भरोसा है। उन्होंने कहा, टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है, लेकिन हम किसी भी चीज़ को हल्के में नहीं ले रहे हैं। वे परिणाम अतीत की बात हैं। हमें विश्वकप क्वालीफिकेशन के लिए वर्तमान में अच्छे प्रदर्शन करने की जरुरत है। टीम कड़ा अभ्यास कर रही है और कोचिंग स्टाफ हमें बहुत प्रोत्साहित कर रहा है। मुझे भरोसा है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में दोनों टीमों के बीच हुई भिड़ंत में अर्जेंटीना के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। पेरिस 2024 ओलंपिक में दोनों टीमों के बीच खेला गया रोमांचक ड्रॉ रहा था। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया। भारत को दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

## आरसीबी टीम बिकने वाली है! पहला आईपीएल खिताब जीतने के बाद फ्रेंचाइजी को मिलेगा नया मालिक

नई दिल्ली, 10 जून। 17 साल में पहला आईपीएल जीतने वाली आरसीबी को अगले सीजन से पहले नया मालिक मिल सकता है। पहला खिताब जीतने के बाद आरसीबी फ्रेंचाइजी एक नया मालिक तलाश रही है। फ्रेंचाइजी के मौजूदा मालिक इसे बेचना चाहते हैं। दरअसल, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि फ्रेंचाइजी के मालिक डियाजियो पीएसी फ्रेंचाइजी को बेचना चाहते हैं। आरसीबी के मौजूदा मालिक फ्रेंचाइजी को पूरी तरह से या कुछ हिस्सेदारी बेचने के इच्छुक हैं। ये फैसला टीम के पहले आईपीएल खिताब जीतने के बाद बढ़ी फ्रेंचाइजी की ब्रांड वेल्यू को देखते हुए लिया गया है।वहीं आरसीबी का मालिकाना हक यूनाइटेड स्प्रिट्स लिमिटेड के पास है जो डियाजियो के माध्यम से है।

## मोदी ने खेल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर प्रकाश डालने वाले लेख को किया साझा

नई दिल्ली, 10 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के सोशल मीडिया पर पोस्ट किये गये पिछले 11 वर्षों में देश में खेल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर प्रकाश डालने वाला एक लेख साझा किया। मोदी ने आज पिछले 11 वर्षों में भारत के खेल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर प्रकाश डालने वाले लेख साझा करते हुए कहा कि यह परिवर्तन भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि पिछले 11 वर्षों में भारत के खेल बुनियादी ढांचे का किस तरह अभूतपूर्व पैमाने पर विस्तार हुआ है।

## आरडी बाहेती जयपुर जिला बैडमिंटन अंडर-15, 17 सीनियर आयु वर्ग के सेमीफाइनल व फाइनल आज

**( लेफ्ट टू राइट ) पूर्वी सियाग ( अंडर -15 ), अन्वी राठौर ( अंडर-17 ), पद्मजा सिंह ( अंडर -15 ), अपेक्षा चौधरी ( अंडर-15 ) बालिका वर्ग की खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंची।**

जयपुर, 10 जून। आरडी बाहेती जयपुर जिला बैडमिंटन में आज अंडर 15 अंडर 17 व सीनियर वर्ग बालक बालिका व महिला पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल खेले गए लड़कों के अंदर 15 में हर्ष कांडपाल ने आरव को क्वार्टर फाइनल में 21-8, 21-11 से हराया वहीं दूसरे क्वार्टर फाइनल में तेजेश्वर पूनिया सनी जांगिड़ से 21 -14 ,21 -14 से हार गए तीसरे क्वार्टर फाइनल में श्रेयांश चौधरी ने रक्षित सिंह मेहरा को 21- 15, 21- 8 से हराया तथा चौथे अंतिम क्वार्टर फाइनल में तपेश्वर पूनिया ने निखिल नाथ योगी को 21- 17, 21 -17 से हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया वहीं अंडर 15 लड़कियों में एकल प्रतियोगिता में रिद्धि बत्रा ने पर्वत प्रथम वरीयता की आराध्या ढींगरा को तीन गेमों में 16-21, 21- 15 ,21 -7 से हराया दूसरे सेमीफाइनल में अपेक्षा चौधरी ने मानसी सैनी को 21-8, 21-15 से तीसरे क्वार्टर फाइनल में पदमजा सिंह ने खुशी शर्मा को 21-17, 21 -19 से हराया वहीं अंतिम क्वार्टर फाइनल में रिद्धि सेतिया ने दूसरी वरीयता प्राप्त पर्ल पारीक को 21 -14, 21 -13 से हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंडर 17 लड़कियों के एकल में राजस्थान की जानी-मानी खिलाड़ी अन्वी राठौर ने मानसी सैनी को आसान सीटों में 21- 5,21- 5 से हराया वहीं अपेक्षा चौधरी ने दिव्यांशी फागेरिया को 21-6, 21-13 से हराया। पूर्वी सिहाग ने एक कड़े संघर्ष में चले तीन सेट में आराध्या ढींगरा को हराया। अंतिम क्वार्टर फाइनल में गरिमा यादव ने अद्वित शर्मा को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष व महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल देर रात तक खेले जाएंगे। जयपुर जिला बैडमिंटन के सचिव मनोज दासोत ने बताया कि कल प्रात: 9 बजे से 15 17 आयु वर्ग तथा सीनियर खिलाड़ियों के सेमीफाइनल वस फाइनल मैच खेले जाएंगे। ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी अतुल गुप्ता के अनुसार अंडर 19 लड़कों में लड़कियों के मैच तथा अंडर 15 अंदर 17 में सीनियर आयु वर्ग के डबल्स के मैच कल खेले जाएंगे। देर रात तक हुए सीनियर महिला वर्ग के सेमीफाइनल में अन्वी राठौर व उत्सवा पालिट फाइनल में पहुंची अन्वी राठौर ने अद्विता शर्मा को आसान गेम में 21-2, 21-6 से परास्त किया वहीं उत्सवा पालिट ने पद्मजा सिंह को 21- 13, 23 -21 से परास्त कर फाइनल में जगह बनाई।

## जयपुर टीम के कप्तान बने मानेंद्र

जयपुर, 10 जून। जयपुर जिला क्रिकेट संघ की सीनियर चयन समिति ने आर सी ए द्वारा आयोजित कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जयपुर टीम की घोषणा की है। **टीम इस प्रकार है:-** मानेंद्र सिंह (कप्तान), अभिजीत तोमर (उपकप्तान), कारण लाम्बा, राज शर्मा, रोहन राजभर, शुभम शर्मा, आयुष आमेरिया, अभय शर्मा, जयंत ताम्बी, भावित कुमावत, मोहम्मद ख़ुबेब, अशोक शर्मा, राहुल चौधरी, चिराग शर्मा, निखिल कोहली, आर्यन जैन, शुभम सिंह पटवाल, हिमांशु राणा, आदित्य झाला व दीपक चौधरी। पंकज गुप्ता (कोच), जग सिमरन सिंह (सहायक कोच), विनय मीणा (ट्रेनर)। टीम 11 जून को अलवर के साथ, 12 जून को गंगानगर के साथ व 13 जून को उदयपुर के साथ लीग मैच खेलेगी।

## कपिल देव ने राज्यपाल सिंह से की शिष्टाचार भेंट

नैनीताल, 10 जून। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पहला विश्व कप दिलाने वाले दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव ने मंगलवार को नैनीताल राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट की। बताया जाता है कि कपिलदेव ने सिंह से विभिन्न मसलों पर भी चर्चा की। कपिल देव से सिंह के मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बतायी गयी। इस मौके पर कपिल देव ने देवभूमि उत्तराखंड की दिल खोलकर प्रशंसा की। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि देवभूमि पर्यटकों एवं सैलानियों के लि ए स्वर्ग है।

### 65वां केंद्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत संपन्न

## ओलंपिक व एशियाई खेलों की तैयारियों में जुटे खिलाड़ी : के.के. विश्नोई

जयपुर, 10 जून। खेल राज्यमंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा 21 दिन के खेलकूद प्रशिक्षण शिविर से खिलाडी एक दिन ओलम्पिक व एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगें, बशर्ते वे अपना लक्ष्य निर्धारित कर दिन-रात कडी मेहनत करें। खेल राज्य मंत्री विश्नोई ने मंगलवार को आबू पर्वत में 65वां केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि उन्होने जो कुछ भी इस शिविर में सीखा उसे आगे भी जारी रखे और भविष्य में ओलम्पिक व एशियाई खेलों में भारत की ओर से खेलने का सपना संजोए।

इससे पूर्व मुख्य शिविर निदेशक व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने खेल राज्य मंत्री का माल्यापर्ण कर स्वागत किया। इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता कर रहे जिला कलक्टर सिरोही व आईएएस अल्पा चैधरी करेगी। समारोह के विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक सिरोही व आईपीएस अनिल कुमार बेनीवाल, उपखंड अधिकारी व आईएएस डॉ. अन्शु प्रिया, वित्तीय सलाहकार खेल परिषद महावीर मीणा का भी पूनिया व शिविर निदेशक रामनिवास ने

स्वागत किया। इस मौके पर शिविर निदेशक रामनिवास ने शिविर का प्रतिवेदन पढा। समारोह के दौरान हैंडबाल, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग और तीरंदाजी खेलों के खिलाडियों ने शानदार डेमोस्ट्रेशन दिया। इस मौके पर शिविर में आयोजित किए गए 6 खेलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। तीरंदाजी में अजय सैनी व लवली को, हैंडबाल में दुष्यन्त बैरवा और रेखा को, बॉक्सिंग में रित्विक राज को, एथलेटिक्स में उत्तम शर्मा व शिवानी पाल को, वॉलीबाल में शुभम खीची व पायल राठौड को, बास्केटबाल में अभिषेक चैधरी व प्रेक्षा गहलोत को शिविर का सर्वश्रेष्ठ चुना गया। आबू पर्वत शिविर 6 खेलों में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में हैंडबाल, वॉलीबाल, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स और तीरंदाजी शामिल है। 80 बालक और 80 बालिकाओं सहित कुल 160 खिलाडी शिविर में भाग ले रहे है। शिविर 21 मई से शुरू हुआ था।

# खड़गे ने प्र.मंत्री मोदी को पत्र लिखकर लोकसभा के उपाध्यक्ष की नियुक्ति की मांग की

## खड़गे ने पत्र में लिखा कि पहली संसद से सोलहवीं संसद तक सदा उपाध्यक्ष का चुनाव संसद के द्वितीय/तृतीय सत्र में हो जाता था, पर, अब अकारण ही यह संवैधानिक परम्परा टूट रही है

- **सत्रहवीं लोकसभा के पूरे कार्यकाल में उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई थी और इस बार भी अठारहवीं लोकसभा को गठन हुए एक साल हो गया है, पर, उपाध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरु होती नज़र नहीं आ रही।**
- **अपने पत्र में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी याद दिलया कि यह स्थापित परम्परा है कि उपाध्यक्ष सदन में विपक्ष की पार्टी का नुमाइन्दा ही होता आया है।**

**-डॉ. सतीश मिश्रा-**
**-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-**

नई दिल्ली, 10 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज निर्वाचित संसद के सदन की लोकतांत्रिक परंपराओं में हो रही एक गंभीर चूक को उजागर किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ध्यान लोकसभा उपाध्यक्ष के एक साल से रिक्त पड़े पद की ओर आकर्षित किया, और संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद, इस मामले में हो रही देरी को रेखांकित करते हुए तत्काल चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में, खड़गे ने कहा कि पहली से सोलहवीं तक, प्रत्येक लोकसभा में संसद के दोनों सदनों में एक उपाध्यक्ष की नियुक्ति देखी गई थी, और उक्त पद पर प्रमुख विपक्षी दल के सदस्यों में से किसी व्यक्ति को नियुक्त किये जाने की एक "सुस्थापित परम्परा" रही है।

खड़गे ने कहा, "लेकिन स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि यह पद लगातार दो लोकसभा कार्यकालों से खाली पड़ा है। सत्रहवीं लोकसभा के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया था और यह चिंताजनक परंपरा इस समय चल रही अठारहवीं लोकसभा में भी जारी है।" इसे अत्यधिक चिंताजनक मामला बताते हुए, खड़गे ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 93, लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों के चुनाव को अनिवार्य बताता है। उन्होंने आगे कहा कि संवैधानिक रूप से, अध्यक्ष के बाद सदन का दूसरा सर्वोच्च पीठासीन अधिकारी उपाध्यक्ष होता है, तथा संविधान का अनुच्छेद 93 इस पद पर नियुक्ति का प्रावधान करता है। खड़गे ने सम्बंधित धारा के तहत प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा, "लोक सभा, यथाशीघ्र, सदन के दो सदस्यों को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनेगी और, जब भी अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होगा, सदन, स्थिति के अनुरुप, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के रूप में दूसरे सदस्य को चुनेगा।"

उपाध्यक्ष के चुनाव के संबंध में, उन्होंने आगे कहा, अनुच्छेद 93 में यह निर्धारित है कि सदन "यथाशीघ्र" एक उपाध्यक्ष चुनेगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से, उपाध्यक्ष का चुनाव नवगठित लोकसभा के दूसरे या तीसरे सत्र में होता रहा है।

खड़गे ने कहा, "इस चुनाव की प्रक्रिया अध्यक्ष के चुनाव के समान है, जिसमें एकमात्र अंतर यह है कि लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 8(1) के अनुसार, उपाध्यक्ष के चुनाव की तारीख अध्यक्ष द्वारा तय की जाती है।"

खड़गे ने आगे कहा कि इस पद का रिक्त रहना "भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ नहीं है और संविधान के सुस्थापित प्रावधानों का भी उल्लंघन है।" उन्होंने मोदी से सदन की परंपराओं और संसद की लोकतांत्रिक लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, बिना किसी और देरी के, इस प्रक्रिया को शुरू करने का आग्रह किया।

## 'प्रधानमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने से लेकर अब तक प्रदेश को 2 लाख 11 हजार करोड़ रूपए केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में प्राप्त हुए हैं। राज्य के 4.5 करोड लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना में मुफ्त अनाज प्रदान किया गया है। प्रेसवार्ता से पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यों को समर्पित प्रदर्शिनी का शुभारंभ किया। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संकल्प से सिद्धि तक अभियान के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मंच पर उपस्थित थे। मंच संचालन प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने किया।

## इंडियन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा रणनीतिक पहुँच और गहराई। हालांकि, पाक वायु सेना अपने सीमित संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करती है, लेकिन राजनीतिक गठबंधन (जैसे अमेरिका या चीन) सीमित परिदृश्यों में संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं।

# दिल्ली के द्वारका में भीषण आग तीन की मौत

- **एक हाउसिंग सोसायटी में मंगलवार सुबह आग लग गई। आग से बचने के लिए एक 35 वर्षीय व्यक्ति अपने दो बच्चों के साथ नीचे कूद गया जिसमें तीनों की मौत हो गई।**

नयी दिल्ली, 10 जून। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 13 में मंगलवार सुबह एक आवासीय हाउसिंग सोसाइटी में भीषण आग लगने के बाद इमारत से कूदे 35 वर्षीय व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गयी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इमारत में आग लगने के बाद तीनों ने खुद को बचाने के लिए हाउसिंग सोसाइटी के टॉप फ्लोर से छलांग लगा दी और तीनों की मौत हो गयी। मृतकों में एक दस वर्षीय लड़का और एक 12 वर्षीय लड़की शामिल हैं। मृतक की पत्नी किसी तरह आग से बच निकलने में सफल रही और बच गयी।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर सात दमकलों को मौके पर भेजा गया।

## राजेश पायलट की "पुष्पांजलि सभा"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निवास पर जाकर पुष्पाजंलि सभा के लिए उन्हें निमंत्रण दिया है। राजनैतिक गलियारों में इस निमंत्रण को लेकर कई तरह के कयास लगाये जा रहे हैं।

## कांग्रेस नेता के पूर्व पीए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोक अभियोजक सुदेश ने अदालत को कहा गया कि यदि भविष्य में आरोपी जासूस से पूछताछ की आवश्यकता होगी तो अदालत की अनुमति से उसे रिमांड पर लिया जाएगा। इस पर अदालत ने आरोपी को 21 जून तक न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

गौरतलब है कि शकूर जैसलमेर में जिला रोजगार कार्यालय में कार्यरत था। पूछताछ में सामने आया है कि वह भारत में पाकिस्तान के हाई कमीशन के अफसर रहे एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में था और पाकिस्तान एम्बैसी में सोहेल कमर से भी मिलता था।

जासूसी का आरोपी शकूर खान भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर मंगलियों की ढाणी, बडोडा गांव का रहने वाला है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, शकूर खान कुछ समय पहले बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान गया था। संदिग्ध गतिविधि के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों ने शकूर को हिरासत में लिया।

शकूर साल 2008 में पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता सालेह मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर भी काम कर चुका है। उस वक्त सालेह मोहम्मद पोकरण से विधायक थे।

## एनसीपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नागरिक चुनावों से पहले अपनी स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया, जबकि अजित के गुट ने दोहराया कि उनके पास विलय का कोई प्रस्ताव नहीं है और वे भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ अपने वर्तमान गठजोड़ के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संक्षेप में, आज कोई विलय नहीं हुआ, बस समानांतर कार्यक्रम हुए, जो उनके राजनीतिक अलगाव को दर्शाते हैं।

## नाबालिग को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नवंबर 2020 की रात दीपक उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है। उसने उसकी बेटी को रास्ते में नशीला पदार्थ पिलाकर उसे नवलगढ़ ले जाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। उसने बताया कि घटना के बाद से उसकी बेटी मानसिक रुप से बीमार हो गई है और उसका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अपने बयानों में उसके साथ दुष्कर्म होना बताया और डीएनए रिपोर्ट से भी यह साबित हुआ। पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसका जानकार था और उसने पहले अगस्त 2020 में उसे एक होटल में ले जाकर उससे संबंध बनाए और उसकी अश्लील वीडियो बनाई व फोटो खींच लिए। बाद में माता-पिता को मारने की धमकी देकर सितंबर में भी उसके साथ दुष्कर्म किया।

अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि रुपए लेने के लिए यह झूठा केस दर्ज कराया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

## प्रियंका गांधी कहाँ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं और इसीलिए प्रियंका को कांग्रेस की महल की राजनीति और मौजूदा शक्ति प्रदर्शन में हाशिये पर रखना समझदारी है।

यह भी समझा जाता है कि इन घटनाक्रमों के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के करीब आ गई हैं, जो उनकी तरह राहुल गांधी के दाहिने हाथ माने जाने वाले नेता के शिकार हैं, जिन्हें राहुल गांधी द्वारा नियुक्तियाँ करने, निर्णय लेने और गांधी की ओर से कार्य करने के लिए पूरी तरह से खुली छूट दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी को राहुल गांधी के नाम पर, कुछ नेताओं द्वारा पार्टी चलाने के तरीके से कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराज़गी के बारे में प्रियंका जानती हैं।

केरल से सांसद बनने के बाद प्रियंका राज्य के घटनाक्रमों पर करीब से नज़र रख रही हैं और अक्सर राज्य के नेताओं से मिलती हैं और वहाँ की बैठकों में भाग लेती हैं और यह कई नेताओं को, विशेष रूप से राहुल के करीबियों को पसंद नहीं आ रहा, जो राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बड़े हिस्से का समर्थन न होने के बावजूद, राज्य के मुख्यमंत्री पद पाने की आकांक्षा रखते हैं।

## साहू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस के मौजूदा डीजीपी उत्कल रंजन साहू को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), अजमेर का अध्यक्ष बनाया है।

अब डीजीपी का पद रिक्त होने के कारण, एसीबी के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

# अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट पर भारतीय छात्र के साथ दुर्व्यवहार

- **भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का संज्ञान लिया, अमेरिकन प्रशासन से संपर्क किया।**
- **भारत स्थित अमेरिकन दूतावास ने दावा किया वह व्यक्ति अवैध रुप से अमेरिका आया था, ऐसे लोगों की कोई जगह नहीं है।**

वॉशिंगटन, 10 जून। अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट पर भारतीय छात्र के साथ दुर्व्यहवार किए जाने की घटना पर भारत में गुस्सा देखा जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर छात्र को निर्वासित करने से पहले हथकड़ी लगाकर फर्श पर गिराया और घुटनों से उसकी गर्दन को दबाया। इस घटना का वीडियो भारत में सोशल मीडिया पर वायरल है। भारतीयों की ओर से गुस्से का इजहार किए जाने के बाद दिल्ली स्थित अमेरिका के दूतावास ने कहा है कि उनका देश कभी भी अवैध यात्रियों को जगह नहीं दे सकता है।

भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा है किअमेरिका हमेशा ही उन यात्रियों का स्वागत करता रहता है, जो कानूनी तरीके आते है। लेकिन हम अवैध तरीके से प्रवेश, वीज़ा के दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं और ना ही करेंगे। दूतावास ने कहा कि अमेरिका की यात्रा करना कोई अधिकार नहीं है।

न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर भारतीय छात्र के वायरल वीडियो पर संज्ञान लिया है। दूतावास ने आश्वासन दिया कि वे स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर लिखा, हमने सोशल मीडिया पर वह पोस्ट देखी है, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय नागरिक को नेवार्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हम इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं और भारतीय नागरिकों के कल्याण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908